{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 27 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 10 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 242
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 76,009.70
निफ्टी - 23,913.70
सोना - 1,58,890
चांदी - 2,85,000
डॉलर - 95.69

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

इंडिगो की बेंगलुरु-चेन्नई फ्लाइट में धुआं, यात्रियों को इमरजेंसी गेट से निकाला गया

बेंगलुरु। बेंगलुरु से चेन्नई जा रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट में मंगलवार को अचानक धुआं दिखाई देने से अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक फ्लाइट संख्या 6ई-6017 में धुएं जैसी स्थिति बनने के बाद इमरजेंसी प्रक्रिया अपनाई गई और यात्रियों को तुरंत इमरजेंसी गेट के जरिए बाहर निकाला गया।

बताया जा रहा है कि विमान में धुआं दिखाई देने के बाद यात्रियों के बीच घबराहट फैल गई। एयरपोर्ट स्टाफ और क्रू मेंबर्स ने तुरंत स्थिति को संभाला और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी यात्री के घायल होने की खबर नहीं है। इंडिगो की ओर से फिलहाल विस्तृत बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है। शुरुआती जानकारी में तकनीकी खराबी या किसी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण से धुआं उठने की आशंका जताई जा रही है। विमान को फिलहाल जांच के लिए रोक दिया गया है। हाल के दिनों में विमानों में धुआं, आग या तकनीकी खराबी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

आज दिल्ली आ रहे सीएम विजय, पीएम मोदी से होनी हैं मुलाकात

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय बुधवार को पदभार संभालने के बाद अपनी पहली दिल्ली यात्रा पर आ रहे हैं। इस दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय बुधवार सुबह चेन्नई से दिल्ली के लिए रवाना होने वाले है। राज्य के गृह सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण यात्रा की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ विजय की बातचीत के लिए विशेष व्यवस्था की गई है, जो दोनों नेताओं के बीच पहली औपचारिक मुलाकात होगी। मुख्यमंत्री विजय के दौरे के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सोनिया और राहुल गांधी से भी मिलने की संभावना है। अपनी दिल्ली यात्रा के एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम में, विजय जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में तमिलनाडु सरकार द्वारा स्थापित तमिल कवि-संत तिरुवल्लुवर की प्रतिमा का उद्घाटन भी करने वाले है। यह दौरा विजय के तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में 10 मई को शपथ लेने के कुछ ही सप्ताह बाद हो रहा है। उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके), ने विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल की थी, जिसने राज्य की राजनीति में दशकों से चले आ रहे डीएमके और एआईएडीएमके के वर्चस्व को समाप्त कर दिया।

अल-बद्र-हिजबुल गठजोड़ पर खुफिया एजेंसी अलर्ट

घाटी में दहशत फैलाने की साजिश

नई दिल्ली। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को लेकर बड़ा अलर्ट जारी किया है। एजेंसियों के मुताबिक, लंबे समय से कमजोर पड़ चुका अल-बद्र अब एक बार फिर घाटी में सक्रिय होने की कोशिश कर रहा है और इसके लिए वह हिजबुल मुजाहिदीन के साथ मिलकर संयुक्त वापसी की रणनीति पर काम कर रहा है।

सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान में अल-बद्र के शीर्ष कमांडर हमजा बुरहान की हालिया मौत संगठन के लिए बड़ा झटका थी। इसके बावजूद भारतीय एजेंसियों का मानना है कि इस संगठन को कमजोर समझना बड़ी भूल हो सकती है। हालिया इंटरसेप्ट्स से संकेत मिले हैं कि अल-बद्र और हिजबुल मुजाहिदीन जम्मू-कश्मीर में फिर से अपने नेटवर्क को खड़ा करने की कोशिश में जुटे हैं।

आईएसआई को लेकर एजेंसी ने क्या बताया?

खुफिया अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए इन दोनों संगठनों का साथ आना रणनीतिक रूप से फायदेमंद है, क्योंकि दोनों को घरेलू आतंकी संगठनों के तौर पर पेश किया जा सकता है। इन संगठनों में बड़ी संख्या उन लोगों की है जो वर्षों पहले पढ़ाई के बहाने पाकिस्तान गए थे, लेकिन वहां उन्हें प्रशिक्षण देकर घाटी में आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि अल-बद्र अकेले काम करने की स्थिति में नहीं है, क्योंकि उसके पास न तो पर्याप्त कैडर हैं और न ही पहले जैसी पकड़। लेकिन हिजबुल मुजाहिदीन के साथ आने से उसे घाटी में फिर से पैर जमाने का मौका मिल सकता है। दोनों संगठन अब जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के असंतुष्ट आतंकियों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जैश और लश्कर को हुआ था भारी नुकसान

एजेंसियों के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के बाद जैश और लश्कर को भारी नुकसान हुआ था, जिसका फायदा उठाकर हिजबुल और अल-बद्र अपने कैडर मजबूत करना चाहते हैं। हालांकि इससे आतंकी संगठनों के बीच वर्चस्व की लड़ाई का खतरा भी बढ़ सकता है, लेकिन फिलहाल दुस्हु के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता घाटी में आतंकी गतिविधियों को फिर से सक्रिय करना है। खुफिया सूत्रों ने बताया कि हमजा बुरहान घाटी में युवाओं की भर्ती और प्रचार अभियान की जिम्मेदारी संभाल रहा था। वह पोस्टर वॉर के जरिए युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने और उन्हें संगठनों से जोड़ने की रणनीति पर काम कर रहा था। पोस्टरों में अनुच्छेद 370 हटाए जाने और युवाओं के साथ कथित अन्याय जैसे मुद्दों को उछालने की योजना थी। हाल ही में हमजा बुरहान के अंतिम संस्कार में अल-बद्र और हिजबुल मुजाहिदीन के नेताओं और कैडरों की मौजूदगी ने भी दोनों संगठनों की नजदीकियों को उजागर किया। सूत्रों के मुताबिक, अल-बद्र प्रमुख जमीन बख्त और हिजबुल प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन भी वहां मौजूद थे। एजेंसियों का मानना है कि स्थानीय नेटवर्क और घरेलू चेहरों के सहारे आतंकवाद को फिर से खड़ा करने की यह कोशिश सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है।

बांग्लादेश बॉर्डर के चेकपोस्टों पर अवैध प्रवासियों की बाढ़, सीएम बोले

जल्दी-जल्दी भागो... जेल में खिलाने पर पैसा क्यों बर्बाद करें

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार की नई शुरू की गई पहचानो, हटाओ और वापस भेजो नीति के बीच स्टेट बॉर्डर के कई पॉइंट्स पर कथित तौर पर अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के बड़े-बड़े समूह इकट्ठा होने लगे हैं। उत्तरी 24 परगना और मालदा से सामने आ रहे दृश्यों से पता चलता है कि राज्य का घुसपैठ-रोधी अभियान अब सिर्फ सियासी बयानबाजी से आगे बढ़कर प्रशासनिक कार्रवाई का रूप ले चुका है। उत्तरी 24 परगना के बशीरहाट सब-डिवीजन में स्थित हकीमपुर चेकपॉइंट पर, मंगलवार सुबह सौ से ज्यादा बांग्लादेशी पुरुष और महिलाएं इकट्ठा हुए। ये सभी अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके वापस अपने देश लौटना चाहते थे।

पश्चिम बंगाल की शुभेंदु सरकार अवैध बांग्लादेशियों को लेकर एक्शन मोड में आ गई हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने अवैध बांग्लादेशियों को कड़ी चेतावनी दी है। शुभेंदु अधिकारी ने अवैध बांग्लादेशियों को चेताते हुए कहा कि जल्दी-जल्दी भागो। हम इन्हें जेल में रखकर इन्हें खिलाना नहीं चाहते हैं। हमें अपना पैसा इन्हें जेल में रखकर खिलाने में क्यों बर्बाद करना चाहिए? हमने पुलिस से इन्हें सीधे बांग्लादेश भेजने को कह दिया है। इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को लेकर बहुत बड़ा कदम उठाया था। राज्य सरकार ने अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों को उनके देश वापस भेजने के लिए विशेष होल्डिंग सेंटर बनाने के निर्देश जारी किए थे। शुभेंदु सरकार की ओर से इस संबंध में पश्चिम बंगाल के सभी जिलाधिकारियों को लिखित निर्देश और गाइडलाइंस जारी की गई थी। सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में इन होल्डिंग सेंटरों को बनाने के लिए सही जगह की पहचान करने और आगे की कार्रवाई जल्द से जल्द शुरू करने को कहा है।

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेज, सिद्धारमैया का जाना तय, शिवकुमार बनेंगे सीएम

नई दिल्ली। कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर सत्ता परिवर्तन की चर्चाएं तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के बीच चल रही खींचतान अब दिल्ली दरबार तक पहुंच गई है। दोनों नेता सोमवार को दिल्ली पहुंचे, जिसके बाद यह अटकलें और तेज हो गई कि राज्य में जल्द बड़ा राजनीतिक बदलाव हो सकता है।

सूत्रों के मुताबिक सिद्धारमैया इस्तीफा दे सकते हैं और हाईकमान डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने के पक्ष में हैं। इसके बदले सिद्धारमैया को राज्यसभा का ऑफर मिला है, जिस पर उनका फैसला बाकी है।

दरअसल कांग्रेस आलाकमान ने दोनों नेताओं को बैठक के लिए बुलाया था। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और अन्य शीर्ष नेताओं के साथ लंबी चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि बैठक में कर्नाटक के नेतृत्व, मंत्रिमंडल विस्तार और आगामी राज्यसभा चुनावों पर चर्चा हुई। हालांकि कांग्रेस ने सार्वजनिक रूप से किसी भी तरह के सत्ता संघर्ष से इनकार किया है। पार्टी नेताओं ने कहा है कि मुख्यमंत्री बदलने को लेकर जो बातें चल रही हैं, वे सिर्फ अटकलें हैं और उनमें कोई सच्चाई नहीं है। वहीं, डी. के. शिवकुमार ने भी कहा कि वह पार्टी के अनुशासित सिपाही हैं और आलाकमान जो फैसला करेगा, वही मान्य होगा। लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस नेतृत्व जल्द कोई बड़ा फैसला ले सकता है।

इसीबीएसई ने मानी आंसर-शीट मूल्यांकन में हुई गलती, छात्रों को भेजी सही कॉपियां

12वीं कक्षा के परिणाम भी संशोधित और नए अंकों के आधार पर अपडेट होंगे

नई दिल्ली। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने 12वीं कक्षा के नतीजों को लेकर छात्रों द्वारा उठाई गई शिकायतों पर बड़ा कदम उठाया है। बोर्ड ने फिजिक्स और केमिस्ट्री विषयों की आंसर शीट के मूल्यांकन में हुई गलतियों को आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया है। शिकायत दर्ज कराने वाले प्रभावित छात्रों को बोर्ड ने अब सही आंसर शीट भेज दी हैं। इसके साथ ही सीबीएसई ने ईमेल के जरिए छात्रों को भरोसा दिलाया है कि 12वीं कक्षा के उनके परीक्षा परिणाम भी संशोधित और नए अंकों के आधार पर अपडेट कर दिए जाएंगे।

सीबीएसई ने शिकायत करने वाले छात्रों को एक ईमेल के ज़रिए बताया कि 12वीं क्लास के छात्रों के नतीजे भी नए अंकों के आधार पर अपडेट किए जाएंगे। एक छात्र ने जिसने पहले अपनी 12वीं क्लास की फ़िज़िक्स आंसर शीट में गलतियों का मुद्दा उठाया था। एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमें सीबीएसई से अपनी सही आंसर शीट मिल गई है। सीबीएसई के अधिकारियों ने शाम को हमसे संपर्क किया और आंसर शीट भेज दी। हमारे दावे सही निकले और सच में आंसर शीट बदल गई थी।

एक और छात्रा जिसने अपनी 12वीं क्लास की केमिस्ट्री आंसर शीट में गड़बड़ी की शिकायत की थी, उसने एक्स पर पोस्ट किया की सीबीएसई ने हमारे ईमेल का जवाब दिया और पुष्टि की कि केमिस्ट्री आंसर शीट के बारे में हमारी चिंता सही थी। अब हम सीबीएसई की तरफ से अगले कदमों का इंतज़ार कर रहे हैं। केरल के सीएम वीडी सतीशन ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को सीबीएसई 12वीं के नतीजों और 2025-26 के लिए पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर मिली व्यापक शिकायतों के बारे में एक ईमेल भेजा। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया कि उन्होंने पारदर्शिता, निष्पक्षता और छात्रों की शिकायतों के समय पर समाधान को सुनिश्चित करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया है।

सीबीएसई 12वीं के अंकों के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के लिए विंडो 26 मई को खोल दी है। छात्र 29 मई तक आधिकारिक वेबसाइट पर अंकों के सत्यापन और वास्तविक पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं। केवल वे उम्मीदवार जिन्होंने आंसर शीट की फोटोकॉपी के लिए आवेदन किया है, वे ही पाई गई गलतियों के सत्यापन और/या पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। आवेदक को संबंधित विषय की मार्किंग स्कीम देखनी होगी, जो प्रश्न पत्र के साथ वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। अगर एक भी नंबर कम होता है, तो उसे लागू किया जाएगा।

री-इवैल्यूएशन का रिज़ल्ट फ़ाइनल होगा, और री-इवैल्यूएशन के ख़िलाफ़ कोई भी अपील या रिव्यू स्वीकार नहीं किया जाएगा।

दिल्ली जिमखाना क्लब पर 48 करोड़ का रेंट बकाया

3 नोटिस के बाद सरकार ने दिया बेदखली का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली जिमखाना क्लब की देखरेख करने वाली जनरल कमेटी ने केंद्र सरकार से अपील की है कि इस ऐतिहासिक संस्था के कामकाज में किसी तरह की रुकावट न डाली जाए। यह मामला तब गरमाया जब यह बात सामने आई कि पिछले साल सितंबर से अब तक क्लब प्रबंधन को करीब 48 करोड़ रुपये के बकाया ग्राउंड रेंट को लेकर तीन नोटिस भेजे जा चुके हैं। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत आने वाले लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस(एल एंड डीओ) ने आखिरी नोटिस अप्रैल 2026 में भेजा था, जिसके बाद 22 मई को परिसर खाली करने (बेदखली) का आदेश जारी कर दिया गया।

पहले चेतावनी दी थी कि यदि तय समय में बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया, तो संपत्ति को वापस लेने और क्लब परिसर पर फिर से कब्जा करने की कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर, क्लब के कुछ सदस्यों ने आरोप लगाया है कि उन्हें इस भारी-भरकम बकाया राशि के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं दी गई थी।

इस बीच, सरकार द्वारा गठित क्लब की आम समिति ने मंत्रालय और एल एंड डीओ को पत्र लिखकर गुजारिश की है कि यदि बेदखली की प्रक्रिया आगे बढ़ती है, तो क्लब को किसी दूसरी जगह शिफ्ट करने के लिए जमीन आवंटित की जाए। कमेटी का कहना है कि दशकों में विकसित हुए इस इंफ्रास्ट्रक्चर को फिर से बनाने में भारी खर्च आएगा, इसलिए सदस्यों, कर्मचारियों और हितधारकों के हितों की रक्षा होनी चाहिए। समिति के मुताबिक, वे अधिकारियों के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं ताकि क्लब अपनी मौजूदा जगह पर ही चलता रहे। यदि क्लब को शिफ्ट करना पड़ा, तो प्रबंधन वहां काम करने वाले करीब 600 कर्मचारियों के लिए भी सुरक्षा की मांग कर रहा है। प्रबंधन कमेटी ने यह भी साफ किया कि वर्ष 2022 में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के आदेश के तहत कार्यभार संभालने के बाद से उन्होंने क्लब के प्रशासन और वित्तीय स्थिति में काफी सुधार किया है। बिना नई मेंबरशिप जोड़े, क्लब ने 2023-24 में 9.25 करोड़ रुपये का अनुमानित लाभ कमाया है, जबकि 2021-22 में इसे 12.39 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। इसके अलावा प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया गया और रिकॉर्ड्स का डिजिटाइजेशन भी किया गया है।

नीलम मीणा बनीं पश्चिम बंगाल की नई मुख्य निर्वाचन अधिकारी

-1998 बैच की आईएएस अधिकारी को मिली जिम्मेदारी

कोलकाता। 1998 बैच की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी नीलम मीना को पश्चिम बंगाल का नया मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त की ओर से जारी आदेश के तहत उनकी नियुक्ति की घोषणा की गई।

यह नियुक्ति पूर्व मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल को राज्य का मुख्य सचिव बनाए जाने के बाद की गई है। नीलम मीणा प्रशासनिक सेवा में लंबे अनुभव रखती हैं और विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुकी हैं। उन्होंने प्रिंसिपल सेक्रेटरी, डायरेक्टर, सेक्रेटरी, डिप्टी चेयरमैन, प्राइवेट सेक्रेटरी, जिला कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट, जॉइंट सेक्रेटरी, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट और अतिरिक्त निदेशक जैसे कई प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं। उनकी नियुक्ति को आगामी चुनावी तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कुछ ना कहना

होर्मुज को खुला रखने के लिए क्वाड देश एकजुट

समुंद्र में नहीं चलेगी किसी की मनमानी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच, भारत और अमेरिका सहित क्वाड देशों ने वैश्विक व्यापार को बचाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। क्वाड ने साफ कर दिया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे दुनिया के प्रमुख समुद्री रास्तों पर व्यापारिक जहाजों की आवाजाही किसी भी कीमत पर नहीं रुकने दी जाएगी। अगर किसी ने भी इन जहाजों को रोकने की कोशिश की, तो चारों देश मिलकर उसका कड़ा विरोध करेंगे।

क्वाड देशों ने ऊर्जा बाजार को स्थिर और पारदर्शी बनाने की बात कही है। इसके लिए आपूर्ति शृंखला को मजबूत और विविध बनाया जाएगा। समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा सबसे जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही पर कोई रोक नहीं होनी चाहिए। यह वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए आवश्यक है। क्वाड की बैठक में विकासशील और छोटे द्वीपीय देशों का विशेष ध्यान रखा गया है। प्रशांत क्षेत्र के छोटे देशों की ऊर्जा जरूरतें पूरी की जाएंगी। चारों देशों ने क्षेत्रीय पहलों की सराहना की है।

भविष्य की चुनौतियों के लिए एक नई कार्य योजना तैयार की जाएगी। इसके तहत तकनीक, प्रबंधन, नीति और बाजार विश्लेषण पर मिलकर काम होगा। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए संयुक्त अभ्यास भी किए जाएंगे। इसका एक मुख्य उद्देश्य सामरिक तेल भंडारों को मजबूत करना है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने के लिए सहयोग जारी रहेगा। इस पूरे तालमेल को बेहतर बनाने के लिए जल्द ही क्वाड फ्यूल सिक्योरिटी फोरम बनाया जाएगा। यह फोरम उच्च स्तरीय चर्चा और सहयोग को आगे बढ़ाएगा। क्वाड देशों का यह साझा बयान होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर व्यापारिक जहाजों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा संकल्प है।

ओटीपी फ्रॉड मामले में आरोपी बरी, कोर्ट ने कहा- खाते में पैसे आना अपराध नहीं

मुंबई। साइबर ठगी के एक मामले में महाराष्ट्र की एक स्थानीय कोर्ट ने झारखंड के 23 वर्षीय युवक को बरी करते हुए एक बेहद महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति के बैंक खाते में ठगी की रकम आ जाना मात्र ही उसे अपराधी साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं माना जा सकता। गिरगांव कोर्ट के न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) एस. जी. चिमणकर ने आरोपी मनोज किस्कू को संदेह का लाभ देते हुए बरी करने का फैसला सुनाया।

मजिस्ट्रेट ने अपने फैसले में कहा कि मुख्य आरोपी के साथ किस्कू की किसी भी तरह की आपराधिक साजिश में संलिप्तता के सबूत नहीं मिले हैं। अदालत ने माना कि इस मामले में शिकायतकर्ता को आर्थिक नुकसान हुआ है और दूसरी तरफ आरोपी के खाते में रकम ट्रांसफर होने से उसे लाभ मिला है। लेकिन यह स्थिति केवल एक सिविल देनदारी (सिविल लायबिलिटी) बनाती है, इन परिस्थितियों में इसे आरोपी के खिलाफ आपराधिक कृत्य नहीं माना जा सकता। यह पूरा मामला 26 फरवरी 2022 का है, जब पुलिस अधिकारी प्रियंका हनुमंत पवार को उनके मोबाइल पर एक एसएमएस मिला था। इस मैसेज में एचडीएफसी बैंक खाता सक्रिय रखने के लिए पैन कार्ड अपडेट करने को कहा गया था। मैसेज में दिए गए लिंक पर क्लिक करके उन्होंने अपनी गोपनीय जानकारी एक फर्जी वेबसाइट पर दर्ज कर दी, जिसके तुरंत बाद उनके खाते से 99,986 रुपये कट गए। इसके बाद उन्हें एक फोन कॉल आया और जल्दबाजी में ओटीपी शेयर करने के कारण उनके खाते से 2,99,970 रुपये और ट्रांसफर हो गए।

झारखंड के जामताड़ा का है आरोपी

मामले की जांच के दौरान खुलासा हुआ कि एसएमएस भेजने और फर्जी कॉल करने के लिए इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर झारखंड के जामताड़ा निवासी रऊफ अंसारी के नाम पर पंजीकृत थे। पुलिस ने जब ठगी की रकम का पीछा किया, तो उसमें से 99,986 रुपये मनोज किस्कू के बैंक खाते में पहुंचे पाए गए। इसके आधार पर पुलिस ने 17 मार्च 2023 को किस्कू को गिरफ्तार कर लिया था, जिन्हें बाद में अक्टूबर 2023 में जमानत मिल गई थी। आरोपी के वकील अमोल थोमरे ने अदालत में दलील दी कि अभियोजन पक्ष मुख्य आरोपी रऊफ अंसारी को गिरफ्तार करने में पूरी तरह विफल रहा, जिसने सीधे शिकायतकर्ता से संपर्क करके धोखाधड़ी को अंजाम दिया था। मुख्य साजिशकर्ता से सीधा संबंध साबित न होने के कारण कोर्ट ने आरोपी युवक को रिहा करने का आदेश दिया।

जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याएँ सुनी गई

107 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 26 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जी.एस. धुर्वे, डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक एवं एम.आर. कोल तथा एसडीएम गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 107 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे।

जनसुनवाई में खैरलांजी तहसील अंतर्गत ग्राम नवेगांव की राजनंदनी कुंभलवार आंगनवाडी सहायिका भर्ती पर लगायी गई आपत्ति को हटाये जाने की मांग लेकर आयी थी। राजनंदनी का कहना था कि उसने ग्राम नवेगांव (ख) में केंद्र क्रमांक 02 में आंगनवाडी सहायिका पद के लिये समस्त दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत किया था। अनंतिम सूची जारी होने के पश्चात उसका नाम वरीयता के अनुसार क्रमांक 01 पर था किंतु उसके नाम पर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आपत्ति दर्ज करायी गई है जो कि निराधार है। राजनंदनी ने मांग की है कि आपत्ति का शीघ्र निराकरण कर भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। इस प्रकरण में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बालाघाट नगरीय क्षेत्र के वार्ड नं 13 करूणा नगर के निवासी वार्ड में सडक व नाली निर्माण कराये जाने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि बरसात में सडको के गड्ढों में पानी भर जाने से बच्चों को स्कूल जाने तथा बुजुर्गों को आने जान कठिनाईयों का सामना करना पडता है। अतः शीघ्र वार्ड में सडक एवं नाली निर्माण का कार्य कराया जाए। इस प्रकरण में सीएमओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बालाघाट नगरीय क्षेत्र के ही वार्ड नं.01 सिद्धार्थ नगर बुढी के कौशल कुमार घर के सामने रोड पर नाली व संडास का पानी जमा होने की शिकायत लेकर आये थे। कौशल का कहना था कि उसके मकान के सामने रोड पर नाली व सेपटिक टेंक का पानी पिछले 9 माह से रोड पर ईकट्ठा होकर बदबू कर रहा है। कौशल ने शीघ्र इस समस्या का निराकरण करने की मांग की है। इस प्रकरण में सीएमओ बालाघाट को कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में शासकीय प्राथमिक शाला चाचेरी के प्राथमिक शिक्षक सुरेन्द्र रंगारे स्कूल भवन की जमीन का नामांतरण एवं स्कूल की चाबी दिलाने की मांग लेकर आए थे। सुरेन्द्र का कहना था कि वर्ष 2004 में भसदेवा टोला में स्कूल भवन निर्माण के लिए शासन से 1 लाख 20 हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई थी। उस समय क्षेत्र में सरकारी जमीन उपलब्ध नहीं होने के कारण भवन निर्माण बड़ी समस्या बन गया था। सुरेंद्र ने बताया कि स्कूल भवन बनने के बाद शाला बंद हो गई, लेकिन आज तक जमीन की पट्टी एवं नामांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। अब वे उक्त जमीन की पट्टी अपने नाम से बनवाने की मांग कर रहे हैं। इस प्रकरण में जिला परियोजना समन्वयक को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनपद पंचायत लांजी के प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही योजना की दूसरी किश्त प्रदाय किये जाने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि वर्ष 2024-25 प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना अंतर्गत उन्हें आवास स्वीकृत किये गए थे। जिसकी प्रथम किश्त की राशि प्राप्त होने के बाद मकान का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। किंतु कार्य अधुरा ही रह गया है, अतः शीघ्र आवास योजना की दूसरी किश्त की राशि प्रदाय की जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ लांजी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

जनपद पंचायत बालाघाट अंतर्गत ग्राम पंचायत नैतरा के सरपंच व पंचगण अपनी पंचायत के रोजगार सहायक हटाने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि रोजगार सहायक अवलेश बिरनवार द्वारा पीएम आवास, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण, मनरेगा योजना अंतर्गत जीओ टेगिंग एवं केवायसी जैसे अन्य कार्यों में लापरवाही बरती जा रही है। रोजगार सहायक की कार्यप्रणाली से ग्रामीणों को बहुत परेशानियों का सामना करना पड रहा है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

वारासिवनी तहसील वार्ड नं.05 की रीमा बिसेन अपने बेटी की प्रवेश सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी में दिलाये जाने की मांग लेकर आयी थी। रीमा का कहना था कि उसकी बडी बेटी क्रिस्टी कक्षा चौथी प्रायवेट स्कूल से पास कर चुकी है और अब वह अपनी बेटी का प्रवेश सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी में करवाना चाहती है। किंतु विद्यालय प्राचार्य का कहना है कि प्रायवेट स्कूल से पास होने के यहाँ प्रवेश नही दिया जाता है। उसने बताया कि उसके पति का स्वर्गवास हो चुका है, उसकी स्थिति अपनी बेटी को प्रायवेट स्कूल में पढाने की नही है। अतः उसकी पुत्री को सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी में प्रवेश दिलाया जाए। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

लालबर्रा तहसील के ग्राम मानपुर निवासी सुनील राव अपने दस्तावेजों में जाति सुधार कर दर्ज किए जाने की मांग लेकर आये थे। सुनील राव का कहना था कि वे चमार जाति में आते है जो कि अनुसूचित जनजाति अंतर्गत आती है, किंतु उनके सभी दस्तावेजों में उनकी जाति पिछड़ा वर्ग दर्ज है व ऑनलाइन पोर्टल में भी वही दिखा रहा है। उसने बताया कि पोर्टल में अनुसूचित जनजाति दर्ज न होने से बच्चों की शिक्षा व अन्य शासकीय कार्यों में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उसकी समस्या को सुनने के बाद कलेक्टर श्री मीना नें एसडीएम वारासिवनी को इस प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

कटंगी तहसील के ग्राम अर्जुननाला की निवासी ईमलाबाई भूमि सीमांकन कराने कि मांग लेकर आयी थीं। ईमला का कहना था कि उसकी भूमि ग्राम अर्जुननाला में स्थित है जिसका खसरा नंबर 74/66 एवं रकबा 0.025 है। लेकिन भूमि कि सीमा स्पष्ट नहीं है जिससे पटैसियों द्वारा विवाद किया जाता है। उसने बताया कि भूमि का सीमांकन होने से किसी भी प्रकार कि समस्या उत्पन्न नहीं होंगी। इस पर कलेक्टर श्री मीना नें तहसीलदार कटंगी को इस प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए है।

जनसुनवाई में बालाघाट निवासी फैज खान लंबित वेतन का भुगतान दिलाने कि मांग लेकर आये थे। फैज खान का कहना था कि वे बालाघाट के डोंगरिया स्थित ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल में कार्य करते थे। विद्यालय प्रबंधन द्वारा उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना दिए 25 दिनों के लिए लीव ऑफ कर दिया गया है। इस कारण उनकी आर्थिक स्थिति अत्यंत खराब हो गयी है। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा विद्यालय प्रबंधन कों त्यागपत्र एवं नो डयूज आवेदन प्रस्तुत किया जा चूका है लेकिन अभी तक उनका अप्रैल व मई माह का वेतन प्राप्त नहीं हुआ है। इस पर कलेक्टर श्री मीना नें लेबर ऑफिसर कों इस प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

जनसुनवाई में वारासिवनी तहसील निवासी दुर्गेश देव्हारे सिविल अस्पताल वारासिवनी में नल एवं बिजली फिटिंग व रिपेयरिंग के बिलो कि राशि दिलाने की मांग लेकर आये थे। दुर्गेश देव्हारे का कहना था कि 01 वर्ष पूर्व उसके द्वारा सिविल अस्पताल वारासिवनी में बिजली एवं नल फिटिंग का कार्य किया गया था जिसकी मजदूरी कि राशि का बिल अस्पताल में जमा कर दिया गया है, लेकिन उसे आज तक भुगतान नहीं किया गया है। उसने बताया कि इस सम्बन्ध में उसने अधिकारीयों कों कई बार अवगत भी कराया लेकिन कोई संतोषजनक परिणाम नहीं मिला। इस पर कलेक्टर श्री मीना नें सीएमचओ कों इस प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

बालाघाट जिले में अगले पांच दिनों तक तेज गर्मी, आंधी और हल्की वर्षा के आसार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त 5 दिवसीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में 27 मई से 31 मई 2026 तक मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। इस अवधि में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हल्की वर्षा, तेज आंधी, बिजली गिरने तथा गर्म हवाओं की संभावना जताई गई है। जिला कृषि मौसम इकाई, कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव-बालाघाट के वैज्ञानिक डॉ धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि जारी पूर्वानुमान के अनुसार आगामी दिनों में हवा की गति लगभग 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इसके साथ ही उष्ण लहर (हीट वेव) एवं गर्म रात की स्थिति भी बनी रहने की संभावना व्यक्त की गई है। पूर्वानुमान के मुताबिक इस अवधि में जिले का अधिकतम तापमान 44.7 से 45.9 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 27.3 से 28.1 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सुबह के समय वातावरण में 55 से 37 प्रतिशत तक तथा दोपहर में 21 से 23 प्रतिशत तक आर्द्रता रहने का अनुमान है। वहीं आगामी दिनों में दक्षिण-पूर्व दिशा से 5 से 7 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव बालाघाट ने किसानों को मौसम को ध्यान में रखते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी है। किसानों से कहा गया है कि तेज आंधी एवं बारिश की संभावना को देखते हुए खेतों में रखी उपज एवं कृषि उपकरणों को सुरक्षित स्थान पर रखें। बिजली गिरने की आशंका के दौरान खुले स्थानों एवं पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचें। पशुपालकों को भी गर्मी एवं लू से बचाव के लिए पशुओं को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने तथा छायादार स्थानों में रखने की सलाह दी गई है। आम नागरिकों से दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने, अधिक पानी पीने एवं गर्मी से बचाव के उपाय अपनाने की अपील की गई है।

साइबर सुरक्षा की जानकारी खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य-साइबर सेल प्रभारी मेघा तिवारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आरोह 2026 ग्रीष्मकालीन खेल शिविर के अंतर्गत खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास हेतु आयोजित सामाजिक जागरूकता अभियान में बालाघाट पुलिस विभाग की साइबर सेल शाखा प्रभारी मेघा तिवारी द्वारा खिलाड़ियों एवं उनके अभिभावकों को साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण

जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मेघा तिवारी ने मोबाइल के दुरुपयोग, ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड, मोबाइल गेमिंग तथा साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें तथा अपना मोबाइल पासवर्ड, ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी, आधार नंबर, पैन कार्ड नंबर आदि किसी के साथ साझा न करें। उन्होंने फेसबुक एवं इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अनजान व्यक्तियों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार नहीं करने की भी सलाह दी। उन्होंने बताया कि छोटी सी लापरवाही लोगों को बड़ी आर्थिक हानि और अनजाने में आपराधिक षड्यंत्र का हिस्सा बना सकती है। अभिभावकों को भी बच्चों को मोबाइल, बैंक एवं एटीएम के गोपनीय कोड साझा न करने तथा फोनपे, गूगल पे और व्हाट्सएप जैसे ऐप्स को सुरक्षित लॉक रखने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में खिलाड़ियों एवं अभिभावकों को साइबर सेल, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं महिला हेल्पलाइन नंबर भी उपलब्ध कराए गए। साथ ही किसी भी साइबर फ्रॉड की स्थिति में तुरंत बालाघाट पुलिस की साइबर सेल से संपर्क करने के लिए कहा गया। मेघा तिवारी ने कहा कि कराते सीखकर खिलाड़ी आत्मरक्षा कर सकते हैं, लेकिन मोबाइल के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों से बचने के लिए सतर्कता और धैर्य बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन ठग हजारों किलोमीटर दूर बैठकर लोगों को निशाना बनाते हैं, इसलिए सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा, जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष नरेश धुवारे, जिला कराते प्रशिक्षक सजिन्द्र कृष्णन, कार्यालय प्रभारी धीरज डोंगरे सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

बालाघाट के राजवर्धन राणा ने बढ़ाया जिले का मान, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अध्ययन हेतु हुआ चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर जिले के एक युवा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण

कदम बढ़ाया है। वारासिवनी तहसील के ग्राम सांवगी निवासी राजवर्धन राणा का चयन मध्यप्रदेश शासन की पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत इंग्लैंड की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी The London School of Economics and Political Science में अध्ययन के लिए हुआ है। राजवर्धन राणा, पिता संदीप राणा एवं माता पूर्णिमा राणा के पुत्र हैं। वे ग्राम सांवगी के पटेली गली, दुर्गा मंदिर के पास के निवासी हैं। उनका चयन वर्ष 2025-26 में मास्टर ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन पाठ्यक्रम के लिए हुआ है। यह पाठ्यक्रम दो वर्ष की अवधि का है। राजवर्धन को इस प्रतिष्ठित पाठ्यक्रम के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रथम वर्ष की शिक्षण शुल्क राशि के रूप में 40 लाख 70 हजार 736 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अलावा योजना के तहत निर्वाह भत्ता, आकस्मिकता भत्ता, बीमा राशि तथा वायुयान किराया जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। राजवर्धन राणा की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे जिले में खुशी का माहौल है। ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर विश्व की अग्रणी शिक्षण संस्थाओं में से एक लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस तक पहुंचना युवाओं के लिए प्रेरणादायी उदाहरण बन गया है। राजवर्धन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और निरंतर मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो सीमित संसाधन भी सफलता की राह नहीं रोक सकते। उनका सपना है कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद वे समाज और प्रशासनिक क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कार्य करें। पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश शासन द्वारा पिछड़ा वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को विदेश में स्नातकोत्तर एवं शोध उपाधि (पीएचडी) के अध्ययन हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराना है, ताकि वे वैश्विक ज्ञान और अनुभव प्राप्त कर देश एवं समाज के विकास में योगदान दे सकें। राजवर्धन राणा की यह सफलता जिले के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचने की उनकी कहानी यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प और शिक्षा के प्रति समर्पण से हर सपना साकार किया जा सकता है।

शासकीय दृष्टिबाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया 01 जून से

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित शासकीय दृष्टिबाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जबलपुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। यह विद्यालय एक आवासीय संस्थान है, जहाँ दृष्टिबाधित छात्रों को नर्सरी से कक्षा 12वीं तक की शिक्षा के साथ-साथ रहने की भी निःशुल्क सुविधा प्रदान की जाती है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी या उनके अभिभावक 01 जून से आवेदन प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। प्रवेश के लिए आवेदन फॉर्म कार्य दिवसों में विद्यालय कार्यालय से सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे के बीच प्राप्त किए जा सकते हैं और वहीं जमा भी किए जा सकेंगे। यह सुविधा पूरे जबलपुर संभाग के दृष्टिबाधित बच्चों के लिए उपलब्ध है।

कलेक्टर ने विद्युत विभाग की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

पीएम सूर्य घर योजना में तेजी लाने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने मंगलवार को ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न विद्युत योजनाओं की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया। बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, कुसुम-बी योजना, आरडीएसएस योजना तथा विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की गई। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता दीपक उइके, अक्षय ऊर्जा विभाग के करण परीमल सहित विभिन्न कंपनियों के वेंडर्स उपस्थित रहे।

बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति पर विशेष चर्चा की गई। अधीक्षण अभियंता दीपक उइके ने बताया कि जिले में दिसंबर 2026 तक 9 हजार 894 सोलर संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जबकि अब तक केवल 1 हजार 73 संयंत्र ही स्थापित किए जा सके हैं। लक्ष्य की तुलना में धीमी प्रगति पर कलेक्टर श्री मीना ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यपालन अभियंताओं को निर्देश दिए कि वितरण केंद्र स्तर पर उपभोक्ताओं से सतत संपर्क स्थापित कर योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित कर नागरिकों को सोलर संयंत्र लगाने के लिए प्रेरित करने तथा बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराने हेतु बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना प्राथमिकता होनी चाहिए। कुसुम-बी योजना की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सोलर पंप स्थापना से जुड़े लंबित ऋण प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं आरडीएसएस योजना के अंतर्गत संचालित कार्यों की गुणवत्ता की व्यापक जांच करने तथा सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। बैठक में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री मीना ने सभी तहसीलों में वोल्टेज संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण करने तथा आगामी ग्रीष्मकालीन विद्युत भार को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

युवती का पीछा कर की छेड़छाड़

दी जान से मारने की धमकी-पिता-पुत्र पर अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाना क्षेत्र में 22 वर्षीय युवती का पीछा कर छेड़छाड़ करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में ग्राम चरचेंडी निवासी उदय पिता शत्रु तिल्लासी और उसके पिता शत्रु पिता मोहनलाल तिल्लासी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवती ने पूर्व में आरोपी उदय तिल्लासी के विरुद्ध थाने में किसी मामले को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। इसी को लेकर उदय तिल्लासी इस युवती से रंजिश रखे हुए था। 21 मई को सुबह करीब 9 बजे युवती अपनी बड़ी मम्मी के साथ पैदल ग्राम मंडई इलाज कराने जा रही थी। इसी दौरान गांव के पास जंगल के रास्ते में उदय तिल्लासी और शत्रु तिल्लासी मोटरसाइकिल से युवती का पीछा करते हुए पहुंचे। उदय तिल्लासी ने बुरी नीयत से युवती का हाथ पकड़ लिया। युवती की बड़ी मम्मी ने विरोध करते हुए कहा कि लड़की की तबीयत ठीक नहीं है। उसका हाथ छोड़ दो। विरोध के बाद उदय ने युवती का हाथ छोड़ दिया। लेकिन उदय तिल्लासी ने जाते-जाते युवती से बोला कि मेरे खिलाफ थाने में रिपोर्ट लिखाई है और उसने युवती को जान से खत्म करने की धमकी दी। हाथ छुड़ाने के दौरान युवती की दाहिने हाथ की कलाई में चोट भी आई थी घटना के बाद युवती अपनी बड़ी मम्मी के साथ बिरसा थाने पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराई। बिरसा पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ पीछा करने, बुरी नीयत से हाथ पकड़कर छेड़छाड़ करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. ००१४/ब-१५४/२०२६-२७

मौजा बहेगांव, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक विमलेश धामड़े पिता व्यापारी धामड़े जाति लोधी, पूर्व निवासी ग्राम बहेगांव, तहसील लालबर्रा, हाल मुकाम टाकाबर्रा, तहसील लामता जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा बहेगांव, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता अम्बिकाबाई पति व्यापारी का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९६९ की धारा १२ (२), म.प्र. मृत्यु पंजीयन १९९९ नियम १२ (२) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक १५.०८.१९८६ मृत्यु की घटना स्थल ग्राम बहेगांव के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक ०५.०६.२०२६ के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक २५.०५.२०२६ को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा

दिनांक - २७.०५.२०२६

भूपेन्द्र अहिरवार

तहसीलदार

तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

आवश्यकता है

• पाईप शोरूम कार्य हेतु
युवक-02 पद, वेतन-10,000+
• पाईप शोरूम कार्य हेतु
युवती-02 पद, वेतन-7,000+
नोट-अनुभवी को प्राथमिकता
दुकान का समय प्रातः 10 बजे से रात्रि 08.30 बजे तक
आदिनाथ इंटरप्राइजेज
श्याम टॉकीज के पीछे,
इतवारी गंज, बालाघाट
9424766066

आवश्यकता है

10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
—निर्माता—
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

ट्रेन की चपेट में आई युवती की हुई शिनाख्त आत्महत्या की आशंका- कोतवाली पुलिस जांच में जुटी

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। नगर के समीप बालाघाट-कटंगी रेलवे लाइन पर भटेरा चौकी और बैहर चौकी के बीच 25 मई की सुबह ट्रेन की चपेट में आने से मृत हुई अज्ञात युवती की पहचान हो गई है। रवि शंकर श्रीवास्तव ने मृतिका की पहचान अपनी बहन लक्ष्मी पिता केसरी प्रसाद श्रीवास्तव 38 वर्ष शांति नगर बालाघाट निवासी के रूप में की है।

कोतवाली पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्ष्मी श्रीवास्तव एमए पास थी और अविवाहित थी। वह अपने छोटे भाई रवि शंकर श्रीवास्तव के साथ शांति नगर में रहती थी। रवि शंकर श्रीवास्तव प्राइवेट जॉब करते हैं। जबकि लक्ष्मी घर पर ही रहती थी। इनकी बड़ी बहन दुर्गा वर्मा की शादी बालाघाट में ही हुई है।24 मई की रात लक्ष्मी और रवि शंकर ने साथ खाना खाया और सो गए। 25 मई की सुबह जब रवि शंकर उठे तो लक्ष्मी घर पर नहीं थी। उसका मोबाइल और स्कूटी घर में ही थी। रवि ने सोचा कि वह मोहल्ले में कहीं गई होगी, इसलिए ज्यादा ध्यान नहीं दिया इधर सुबह करीब 6-30 बजे भटेरा चौकी और बैहर चौकी के बीच कटंगी से बालाघाट आ रही पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवती की मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि शव दो हिस्सों में बंट गया। मौके पर शिनाख्त नहीं हो पाने के कारण कोतवाली पुलिस ने शव को जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया और वरसानो की तलाश शुरू की। इधरशाम तक लक्ष्मी के घर न लौटने पर रवि शंकर ने मोहल्ले और रिश्तेदारों में खोजबीन की। बड़ी बहन दुर्गा वर्मा से भी संपर्क किया, लेकिन कोई पता नहीं चला। गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने जब रवि शंकर कोतवाली पहुंचे। तब उन्हें ट्रेन हादसे में मृत युवती के शव की जानकारी मिली। जिला अस्पताल पहुंचकर रवि शंकर ने फ्रीजर में रखे शव की पहचान अपनी बहन लक्ष्मी श्रीवास्तव के रूप में की।26 मई को कोतवाली पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। परिजनों के अनुसार लक्ष्मी शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ थी। उसे किसी तरह की बीमारी और परेशानी नहीं थी।फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि लक्ष्मी ने ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या की या यह महज एक हादसा था। प्रथम दृष्टया आत्महत्या की आशंका जताई है। कोतवाली पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

प्लॉट बेचते समय कॉलोनीनाईजर ने किए थे ढेरो वादे अब मूलभूत सुविधाओ को तरस रहे कॉलोनीवासी

पद्मवती ले-आउट के वाशिंदों को नही मिल रही मूलभूत सुविधाएं, रहवासियों ने कलेक्टर से लगाई गुहार, कार्रवाई की करी मांग

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

अक्सर कॉलोनी नाईजर सर्व सुविधायुक्त कॉलोनी का निर्माण और तरह-तरह की सुविधाए देने का प्रलोभन देकर लोगों को प्लाट बेच देते है।लेकिन वादों के मुताबिक कॉलोनी में सुविधाए नही बनाई जाती,जिसका खामियाजा वहां प्लाट खरीदकर मकान बनाने को भुगतना पड़ता है।जहा के रहवाशी बाद में अक्सर मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर दर दर की ठोकरे खाने के लिए मजबूर नजर आते हैं।ताजा मामला नगर के वार्ड नं 4 पद्मावती ले-आउट से सामने आया है।जहां के रहवासियों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में एक ज्ञापन सौंपते हुए, उनके लेआउट में सड़क बिजली पानी नाली जैसी मूलभूत सुविधाएं दिए जाने की गुहार लगाई है, साथ ही उन्होंने झूठे प्रलोभन देकर प्लाट बेचने वाले के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही किए जाने की भी मांग की है।

मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे रहवासी

बताया गया कि कॉलोनी नाईजर ने प्रशासन से सभी प्रकार की अनुमति होने की बात कहते हुए, वैध कॉलोनी के नाम से प्लाट तो बेच दिए है, लेकिन कई वर्ष बीत जाने के बाद भी कॉलोनी वासियो को मूलभूत सुविधाए प्रदान नहीं की है। अब कॉलोनी में रहने वाले लोग सड़क, बिजली ,पानी, नाली जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे है।जहा सर्व सुविधा युक्त कॉलोनी के नाम पर प्लाट लेकर, अपना आशियाना बनाने वाले लोग, सुविधाओं के आभाव में परेशान है, जिनकी ना तो प्रशासन और ना ही नपा द्वारा सुनवाई की जा रही है।उक्त कालोनी में निवास करने वालो का आरोप है कि कॉलोनी नाईजर ने कॉलोनी में प्लाट विक्रय के दौरान, आवागमन में सुविधा, सीसी रोड, गार्डन, बिजली,पानी नाली जैसी अनेक सुविधाए देने की बात कही थी, लेकिन तरह तरह की सुविधाओ के नाम पर कॉलोनीवासियों के साथ छल किया गया है।

तरह तरह की असुविधा से लोग परेशान

नगर के वार्ड क्रमांक 04 स्थित देवनगर पद्मावती ले-आउट के रहवासियों ने मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचकर शिकायत सौंपते हुए कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। रहवासियों ने आरोप लगाया कि कॉलोनाइजर द्वारा प्लॉट बेचते समय सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट, गार्डन और बिजली जैसी सुविधाएं देने का वादा किया गया था, लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी कोई व्यवस्था नहीं की गई। आवेदन में बताया गया कि पद्मावती ले-आउट की भूमि खसरा नंबर 161/1, 162/5, 163/1, 164/3 एवं 162/2 रकबा लगभग 9 एकड़ में स्थित है। रहवासियों का आरोप है कि कॉलोनाइजर एक्ट के प्रावधानों का पालन किए बिना प्लॉट विक्रय किए गए।

मूलभूत सुविधाएं देकर, सम्बधित के खिलाफ की जाए कार्यवाही- वार्डवासी

पद्मावती ले-आउट निवासी महेश ठाकरे सहित अन्य शिकायतकर्ताओं ने बताया कि वर्ष 2009-10 से लोग यहां मकान बनाकर निवास कर रहे हैं, लेकिन आज तक सड़क, नाली और स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गईं। बरसात के दिनों में कॉलोनी में जलभराव की स्थिति बन जाती है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आसपास खेत होने के कारण जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा भी बना रहता है।रहवासियों ने यह भी आरोप लगाया कि बिजली सुविधा के लिए उन्हें स्वयं जनभागीदारी योजना के तहत नगर पालिका में राशि जमा करनी पड़ी। इसके बावजूद कॉलोनाइजर द्वारा लगातार आश्वासन दिए जाते रहे, लेकिन कोई निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ। आरोप है कि अब कॉलोनाइजर कॉलोनी छोड़कर चले गए हैं और फोन तक नहीं उठाते।आवेदकों ने कलेक्टर से मांग की है कि कॉलोनी में शीघ्र सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट, गार्डन एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएं। साथ ही मांग पूरी नहीं होने पर संबंधित के खिलाफ अपराध दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाये।

मेहरा तालाब किनारे संभावित शराब दुकान का महिलायें कर रही विरोध, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

रैन बसेरा क्षेत्र में शराब दुकान खोले जाने की आशंका पर वार्डवासियों में नाराजगी, कहा- वार्ड का माहौल बिगड़ने नहीं देंगे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक 13 स्थित मेहरा तालाब क्षेत्र में प्रस्तावित देशी एवं विदेशी शराब दुकान को लेकर स्थानीय रहवासियों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। मंगलवार को बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा, वरिष्ठ नागरिक और वार्डवासी एकजुट होकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए प्रस्तावित शराब दुकान को तत्काल निरस्त किए जाने की मांग की। नागरिकों ने स्पष्ट कहा कि आबादी क्षेत्र और सार्वजनिक स्थल के समीप शराब दुकान खोले जाने से क्षेत्र का शांत वातावरण प्रभावित होगा तथा महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर भी गंभीर असर पड़ेगा। रहवासियों ने ज्ञापन में बताया कि फॉरेस्ट नाका पीडब्ल्यूडी कॉलोनी के पास मोड़ पर शराब दुकान खोले जाने की तैयारी की जा रही है। यह क्षेत्र घनी आबादी वाला इलाका है, जहां गंगा नगर सहित आसपास के कई मोहल्लों के लोग निवास करते हैं। दिनभर इस मार्ग से स्कूली बच्चों, महिलाओं, नौकरीपेशा लोगों और आम नागरिकों का आवागमन बना रहता है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि यहां शराब दुकान संचालित होती है तो शराबियों और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगना शुरू हो जाएगा, जिससे आए दिन विवाद, झगड़े और असामाजिक गतिविधियां बढ़ सकती हैं। ज्ञापन सौंपने पहुंचीं महिलाओं ने कहा कि वर्तमान समय में मेहरा तालाब क्षेत्र परिवारों और नागरिकों के लिए शांत एवं सुरक्षित स्थान माना जाता है, जहां सुबह और शाम बड़ी संख्या में लोग सैर, व्यायाम और स्वास्थ्य लाभ के लिए पहुंचते हैं। यदि तालाब किनारे शराब दुकान खुलती है तो महिलाओं और युवतियों को असुरक्षा की भावना का सामना करना

पड़ेगा। वार्डवासी महिला दिशा धुवारे सहित अन्य महिलाओं ने कहा कि क्षेत्र में पहले से ही पारिवारिक और सामाजिक वातावरण अच्छा है, लेकिन शराब दुकान खुलने के बाद क्षेत्र का माहौल खराब होने की आशंका है। रहवासियों ने यह भी बताया कि प्रस्तावित स्थल के आसपास कई महत्वपूर्ण सार्वजनिक संस्थान मौजूद हैं। इनमें आंगनवाड़ी भवन, आश्रय स्थल, सभागृह, पीडब्ल्यूडी एवं फॉरेस्ट कॉलोनी, तेंदूपत्ता वेयरहाउस, मस्जिद, मंदिर और बच्चों का हॉस्टल शामिल हैं। ऐसे संवेदनशील और सार्वजनिक क्षेत्र में शराब दुकान खोला जाना सामाजिक दृष्टि से उचित नहीं माना जा सकता। नागरिकों का कहना है कि जहां छोटे बच्चे और छात्र रहते हों तथा धार्मिक स्थल मौजूद हों, वहां शराब दुकान की अनुमति देना जनभावनाओं के विपरीत है। ज्ञापन में मेहरा तालाब के महत्व का विशेष रूप से उल्लेख किया गया। रहवासियों ने बताया कि शासन द्वारा शहरी विकास योजना एवं एनजीटी के निर्देशों के तहत लाखों रुपये खर्च कर तालाब का सौंदर्यीकरण और विकास कार्य कराया गया है। तालाब क्षेत्र को शहरवासियों के लिए एक स्वच्छ और आकर्षक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया गया है। यहां प्रतिदिन सुबह-शाम बड़ी संख्या में लोग मॉर्निंग वॉक, योग और अन्य स्वास्थ्य गतिविधियों के लिए पहुंचते हैं। लेकिन शराब दुकान खुलने के बाद यहां शराबियों की भीड़ बढ़ने की आशंका है, जिससे परिवार और महिलाएं तालाब क्षेत्र में आने से बचने लगेंगी। स्थानीय नागरिकों ने पर्यावरणीय नुकसान की आशंका भी जताई है। उनका कहना है कि शराब सेवन के बाद खाली बोतलें, पाउच और अन्य प्लास्टिक कचरा तालाब और आसपास फेंका जाएगा, जिससे तालाब की स्वच्छता और सुंदरता प्रभावित होगी। इससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचने के साथ-साथ शासन द्वारा किए गए विकास कार्यों का उद्देश्य भी कमजोर पड़ जाएगा। नागरिकों ने कहा कि जिस तालाब को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए लाखों रुपये खर्च किए गए हैं, वहां शराब दुकान खोलना विकास कार्यों के विपरीत कदम साबित होगा। रहवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित, महिलाओं की सुरक्षा, बच्चों के भविष्य और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित शराब दुकान को अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाए या इसकी अनुमति पूरी तरह निरस्त की जाए। ज्ञापन में बड़ी संख्या में महिलाओं और स्थानीय नागरिकों के हस्ताक्षर शामिल रहे। वार्डवासियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो आने वाले समय में व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

पैतृक जमीन पर कब्जे और धमकियों से परेशान आदिवासी परिवारों ने लगाई न्याय की गुहार

कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर की शिकायत, निष्पक्ष जांच और सुरक्षा की मांग

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। जिले की लामता तहसील अंतर्गत ग्राम डोंगरबोडी, पांडेवाड़ा और मौरिया के आदिवासी परिवारों ने अपनी पैतृक कृषि भूमि को लेकर जिला प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। बड़ी संख्या में ग्रामीण मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने आवेदन सौंपकर आरोप लगाया कि उनकी पुश्तैनी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है तथा विरोध करने पर उन्हें जान से मारने और फसल बर्बाद करने की धमकियां दी जा रही हैं। पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर सुरक्षा और न्याय दिलाने की मांग की है। आवेदन में रतिराम सिरसाम, रामोबाई गेडाम, कंकरलाल सिरसाम, तिलकचंद मडावी, तीजुलाल इडपाचे, मनीराम टेकाम और धनवंती इडपाचे सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि वे लंबे समय से अपनी पैतृक कृषि भूमि पर खेती कर परिवार का पालन-पोषण करते आ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पांडेवाड़ा स्थित लगभग 45 एकड़ कृषि भूमि, जिसमें विभिन्न खसरा नंबर शामिल हैं, उनके पूर्वजों के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज रही है और पीढ़ियों से उसी भूमि पर खेती होती चली आ रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लामता निवासी एक परिवार द्वारा पिछले कुछ वर्षों से उक्त भूमि को अपनी बताते हुए उन्हें जमीन से बेदखल करने का प्रयास किया जा रहा है। उनका कहना है कि जब भी वे इसका विरोध करते हैं तो कथित रूप से बाहरी लोगों और गुंडों को बुलाकर डराने-धमकाने की कोशिश की जाती है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि फसल खराब करने, खेत में प्रवेश रोकने और जान से मारने जैसी धमकियां भी दी जा रही हैं, जिससे पूरा परिवार भय और मानसिक तनाव के माहौल में जीवन यापन करने को मजबूर है। पीड़ित आदिवासी परिवारों ने बताया कि जब उन्हें जमीन संबंधी विवाद की जानकारी मिली तो उन्होंने तहसील कार्यालय पहुंचकर राजस्व अभिलेखों की जानकारी प्राप्त की। वहां उन्हें पता चला कि संबंधित भूमि किसी अन्य परिवार के नाम दर्ज दिखाई दे रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि उनकी अशिक्षा और जागरूकता की कमी का फायदा

उठाते हुए शासकीय कर्मचारियों से मिलीभगत कर उनकी जानकारी के बिना जमीन का नामांतरण कर दिया गया। उनका कहना है कि उन्हें इस प्रक्रिया की कोई जानकारी नहीं दी गई और न ही किसी प्रकार की सूचना प्राप्त हुई। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि वे आदिवासी समुदाय से आते हैं और खेती ही उनके परिवार की आजीविका का मुख्य साधन है। यदि उनकी जमीन उनसे छिन जाती है तो उनके सामने जीवनयापन का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि आदिवासी परिवारों के भूमि अधिकारों की रक्षा की जाए तथा मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन में ग्रामीणों ने सुरक्षा की मांग भी की है। उनका कहना है कि लगातार मिल रही धमकियों के कारण परिवार भयभीत है और किसी भी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया है कि जांच पूरी होने तक उनकी जमीन पर किसी प्रकार का हस्तक्षेप रोका जाए और उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए।

आगामी त्यौहारों को लेकर पुलिस-प्रशासन अलर्ट, कंट्रोल रूम में हुई शांति समिति की बैठक

सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील, सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर रहेगी कड़ी नजर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में आगामी आगामी त्यौहारों में शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में लगातार शांति समिति की बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम बालाघाट में भी शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, धार्मिक प्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी अवसर के दौरान जिले में आपसी भाईचारा, सामाजिक सौहार्द और शांति व्यवस्था बनाए रखना रहा।प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने बैठक में उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि बालाघाट जिला हमेशा से आपसी सद्भाव के लिए पहचाना जाता रहा है। इस परंपरा को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रामक सूचना या आपत्तिजनक सामग्री समाज के माहौल को बिगाड़ सकती है, इसलिए सभी नागरिकों को जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ व्यवहार करना चाहिए। बैठक में अंजुमन इस्लामिया के सदर फारूक शेख, शहर काजी मौलाना हबीब नूरी सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि जिले में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए समाज के लोग मिलकर कार्य करेंगे। सामाजिक प्रतिनिधियों ने कहा कि किसी भी स्थिति में अफवाहों को बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए और यदि कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो उसकी जानकारी तत्काल प्रशासन और पुलिस को दी जानी चाहिए।

बैठक के दौरान एसडीएम गोपाल सोनी ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सोशल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए तथा किसी भी अपुष्ट जानकारी को बिना सत्यापन के साझा नहीं करना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार के विवाद या भ्रम की स्थिति में सीधे प्रशासन और पुलिस से संपर्क करें। सीएसपी मयंक तिवारी ने बैठक में कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा जिले में लगातार निगरानी रखी जा रही है और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी विशेष मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह या भड़काऊ सामग्री पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर भ्रामक, आपत्तिजनक या अफवाह फैलाने वाली सामग्री पोस्ट या प्रसारित करेगा, उसके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में थाना प्रभारी कोतवाली एवं थाना प्रभारी भरवेली सहित अन्य पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस बल को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया जाएगा। साथ ही रात्रि गश्त और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए हैं। पुलिस प्रशासन ने जानकारी दी कि साइबर सेल बालाघाट द्वारा फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। किसी भी प्रकार की भड़काऊ पोस्ट, सांप्रदायिक टिप्पणी या अफवाह फैलाने वाले संदेशों को गंभीरता से लिया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि सोशल मीडिया पर गलत जानकारी साझा करने से पहले नागरिक उसकी सत्यता अवश्य जांच लें। बैठक के अंत में पुलिस और प्रशासन की ओर से सभी नागरिकों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि जिले की सामाजिक एकता और भाईचारा ही उसकी सबसे बड़ी पहचान है और इसे बनाए रखने में सभी की सहभागिता आवश्यक है।

भीषण गर्मी में लालबर्रा तहसील कार्यालय प्यासा, नहीं है प्याऊ की सुविधा, भटक रहे ग्रामीण

खराब पानी की मशीन को सुधारने एवं ठंडे पानी की व्यवस्था करने की प्रशासन से उठी मांग

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। इन दिनों सूरज की तपिश और भीषण गर्मी से आम जनजीवन बेहाल है, पारा लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहा है। ऐसे दौर में जहां राहगीरों और आम जनता के लिए जगह-जगह ठंडे पानी के प्याऊ खोले जा रहे हैं। वहीं क्षेत्र का सबसे महत्वपूर्ण लालबर्रा तहसील कार्यालय खुद प्यासा बैठा है। करोड़ों रूपये का राजस्व वसूलने वाले राजस्व विभाग के इस कार्यालय में दूर-दराज से आने वाले पक्षकारों और ग्रामीणों के लिए पीने के पानी तक की कोई व्यवस्था नहीं है। नतीजा यह है कि इस चिलचिलाती धूप में लोग पीने के पानी के लिए परेशान हैं। जिसका मुख्य कारण है कि तहसील कार्यालय परिसर के अंदर स्थित ठंडे पानी की मशीन खराब हो चुकी है जि से अब तक नही सुधारा गया है और न ही ठंडे पानी की व्यवस्था की गई है। ऐसी स्थिति में दुर-दराज से तहसील कार्यालय में राजस्व सहित अन्य काम से आने वाले लोगों को इस चिलचिलाती धुप में पीने के पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे लोगों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं क्षेत्रीयजनों ने प्रशासन से खराब हो चुकी ठंडे पानी की मशीन को सुधारने या फिर प्याऊ की सुविधा कर ठंडे पानी की व्यवस्था करने की मांग की है ताकि गर्मी में लोगों को प्यास लगने पर वे अपने कंठ को तर कर सकें।

७७ ग्राम पंचायतों का एकमात्र केंद्र, रोज पहुंच रहे सैकड़ों लोग

आपको बता दें कि लालबर्रा तहसील के अंतर्गत कुल ७७ ग्राम पंचायतें आती हैं। इन सभी पंचायतों के ग्रामीण और किसान जमीन की खसरा-खतौनी, जाति-निवास प्रमाण पत्र, सीमांकन और आपसी विवादों जैसे विभिन्न राजस्व कार्यों के लिए प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में तहसील कार्यालय पहुंचते हैं। लेकिन इस भीषण गर्मी में दुर-दराज से आने वाले लोगों के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था नही की गई है। ऐसी स्थिति में सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि प्याऊ की व्यवस्था कर देना चाहिए था, लेकिन ऐसा भी नही किया गया है जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। विडंबना देखिए कि जो राजस्व विभाग शासन के खजाने को भरने में सबसे आगे रहता है, वही विभाग अपने परिसर में एक प्याऊ की व्यवस्था करने में पूरी तरह विफल साबित हुआ है। तहसील कार्यालय में अधिवक्ताओं, पक्षकारों और ग्रामीणों के बैठने की व्यवस्था तो दूर, पीने के साफ पानी का एक मटका तक नजर नहीं आता। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि दूर-दराज के गांवों से बस या अन्य साधनों से सफर तय कर जब वे तहसील कार्यालय पहुंचते हैं, तो यहां आते-आते वे प्यास से बेहाल हो जाते हैं। कार्यालय परिसर में कदम रखते ही उन्हें ठंडे पानी की उम्मीद होती है, लेकिन यहां आकर उन्हें भारी निराशा हाथ लगती है। वहीं तहसील कार्यालय में किसी काम से पहुंचे ग्रामीणों और पक्षकारों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि तहसील परिसर में पानी की व्यवस्था न होने से उन्हें मजबूरन कार्यालय से बाहर जाकर निजी दुकानों से २० रूपये की पानी की बोतल या ठंडे पानी के पाउच खरीदने पड़ रहे हैं। कई बार तो बुजुर्ग ग्रामीण पानी की तलाश में परिसर के चक्कर काटते रहते है।

अधिवक्ताओं और पक्षकारों में आक्रोश

तहसील परिसर में नियमित रूप से बैठने वाले स्थानीय अधिवक्ताओं और सहित अन्य लोगों ने भी इस अव्यवस्था पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। उनका कहना है कि हर साल गर्मी के मौसम में यही स्थिति बनती है। अधिकारी वातानुकूलित कमरों में बैठते हैं, इसलिए उन्हें बाहर लू और धूप में खड़े ग्रामीणों की प्यास का अहसास नहीं होता। शासन-प्रशासन को इस ओर तुरंत ध्यान देना चाहिए। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) से मांग की है कि लालबर्रा तहसील कार्यालय में तत्काल प्रभाव से ठंडे पानी के प्याऊ की व्यवस्था करवाई जाये। ताकि ७७ ग्राम पंचायतों से आने वाले जरूरतमंद ग्रामीणों को इस भीषण गर्मी में कुछ राहत मिल सके। वहीं तहसीलदार भूपेन्द्र अहिरवार से दूरभाष पर तहसील कार्यालय में खराब ठंडे पानी की मशीन को सुधारने एवं दुर-दराज से आने वाले लोगों के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था करने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

तहसील कार्यालय में पीने के पानी की नही है व्यवस्था - मुन्नालाल

देवरी सरपंच प्रतिनिधि मुन्नालाल पटले ने बताया कि तहसील कार्यालय में राजस्व संबंधित काम करवाने के लिए ७७ ग्राम पंचायत के ग्रामीणजन एवं पक्षकारगण आते है। लेकिन इस भीषण गर्मी में तहसील कार्यालय में इन पक्षकारों के लिए पीने की पानी की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। साथ ही तहसील कार्यालय के अंदर लगी ठंडे पानी की मशीन जो है वह बंद पड़ी हुई है और प्याऊ की भी कोई व्यवस्था नहीं की गई है जिससे पक्षकारों सहित दुर-दराज से आने वाले ग्रामीणजनों को इस भीषण गर्मी में पीने के पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। श्री पटले ने बताया कि जबकि भीषण गर्मी को देखते हुए प्रशासन को बंद पड़ी ठंडे पानी की मशीन में अगर खराबी आ गई है जो उसे सुधारकर चालू करवाना चाहिए ताकि दुर-दराज से आने वाले लोगों को प्यास लगने पर ठंडा पानी मिल सके या फिर ठंडे पानी की व्यवस्था की जाये ताकि पक्षकारों एवं ग्रामीणजनों को पानी के लिए परेशान न होना पड़े।

थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित थाना परिसर में मंगलवार की शाम ६ बजे शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक एसडीओपी अभिषेक चौधरी, नायब तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम, समाजसेवी गिरीश पाठक, वक्फ अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सदर अफसर कुरैशी, बेलगांव सरपंच अरविंद पंचेश्वर एवं हिन्दु-मुस्लिम समुदाय के लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में २८ मई को ईद उल अजहा पर्व पर होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में चर्चा कर आपसी भाईचारा एवं सौहार्दपूर्वक मनाने की बात कही गई है। चर्चा में एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि ईद उल अजहा पर्व मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें पर्व शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्वक मनाने को लेकर विचार विमर्श किया गया है और मुस्लिम भाईयों से अपील की गई है कि पर्व शांतिपूर्वक एवं सौहार्दपूर्वक मनाये। वहीं इस पर्व में नगर मुख्यालय की बड़ी मस्जिद जामा एवं अमोली स्थित रजा मस्जिद में प्रात: ८ बजे विशेष नमाज अदा की जायेगी और इसी तरह क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में स्थित मस्जिदों में भी ईद उल अजहा पर्व की विशेष नमाज अदा की जायेगी। वक्फ अंजुमन इस्लामिया कमेटी लालबर्रा के सदर अफसर कुरैशी ने बताया कि २८ मई को मुस्लिम धर्मावलंबियों का पर्व बकरीद मनाया जाना है। जिसमें प्रात: ८ बजे जामा मस्जिद में ईद की नमाज अदा की जायेगी। इसी पर्व को लेकर थाने में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई थी और यह पर्व सौहार्दपूर्वक मनाया जायेगा। वहीं इस शांति समिति की बैठक में पुलिस प्रशासन व जनप्रतिनिधियों ने ईद उल अजहा का पर्व सौहार्दपूर्वक मनाने की अपील मुस्लिम समुदाय के लोगों से की है। इस अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिक, हिन्दु-मुस्लिम समुदाय के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढरवानी की बैठक सम्पन्न

बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर सामाजिक एकता बनाये रखने पर दिया गया विशेष जोर एवं ७ जून को होगा मंडल अध्यक्ष का चुनाव

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी स्थित सभामंच में मंगलवार को अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढरवानी की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक समाज के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। वहीं आयोजित बैठक में मंडल अध्यक्ष निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर सामाजिक सहमति बनाने, आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। वहीं बैठक में व्यापक चर्चा के बाद सर्वसम्मति से यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि मंडल अध्यक्ष का चुनाव पूर्व में सम्पन्न हुई निर्वाचन प्रक्रिया की तर्ज पर ही लोकतांत्रिक मतदान पध्दति से करवाया जायेगा और ७ जून को मतदान के माध्यम से मंडल अध्यक्ष का निर्वाचन करवाया जायेगा। वहीं निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न करवाने हेतु समाज के वरिष्ठ सदस्य नारायणप्रसाद बनवाले एवं पियूष ब्रम्हें को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। दोनों ने उपस्थित जनसमूह को आश्वस्त करते हुए कहा कि चुनाव पूर्णत: निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सामाजिक मर्यादाओं के अनुरूप सम्पन्न करवाया जायेगा। वहीं मंडल अध्यक्ष चुनाव की प्रक्रिया के तहत ३० मई को नामांकन पत्र जमा किये जायेगें, १ जून को नाम वापसी, २ जून को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशन की जायेगी, जिसके बाद प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटन किया जायेगा। जिसके बाद ७ जून को पांढरवानी अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल अध्यक्ष के लिए मतदान किया जायेगा। वहीं बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि समाज की मजबूती आपसी विश्वास, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया से ही संभव है। समाज के वरिष्ठजनों ने युवाओं से संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने का आव्हान किया तथा सभी से शांतिपूर्ण एवं भाईचारे के वातावरण में चुनाव सम्पन्न करवाने की अपील की है। समाज के वरिष्ठ सदस्य नारायण प्रसाद बनवाले ने बताया कि गत १७ मई को गढ़वाल मंगल भवन बड़ी पनबिहरी में मंडल की सामूहिक बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें महासभा की ओर से पर्यवेक्षक के रूप में जगदीश भारद्वाज एवं संतोष गोयल उपस्थित हुए थे। बैठक की अध्यक्षता श्रीमती मीना कुरमजी द्वारा की गई थी। आगे बताया कि बैठक में आवेदक एवं अनावेदक दोनों पक्षों की बातों को गंभीरता से सुनी गई, लेकिन अंतिम रूप से किसी भी प्रकार की सहमति नहीं बन सकी। वहीं महासभा द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था कि मंडल की सामूहिक बैठक आहूत कर आपसी सामंजस्य स्थापित करें। वहीं गत १७ मई की बैठक के बाद निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर किसी प्रकार की आगे की कार्यवाही नहीं होने से समाज में कई तरह के सवाल खड़े होने लगे थे। इसी विषय को गंभीरता से लेते हुए २६ मई की यह महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से चुनाव करवाने का निर्णय लिया गया। बैठक में यह भी तय किया गया कि आज की संपूर्ण कार्यवाही से महासभा को पत्राचार के माध्यम से विधिवत अवगत करवाया जायेगा। बैठक में प्रमुख रूप से नारायणप्रसाद बनवाले, बसंत ब्रम्हें, सुध्दू सिलेकर, नीलमचंद नागेश्वर, राजकुमार नागेश्वर, अनिल ब्रम्हें (पूर्व मंडल अध्यक्ष), संतोष ब्रम्हें (पूर्व मंडल कोषाध्यक्ष), चन्द्रकुमार ब्रम्हें (पूर्व मंडल उपाध्यक्ष), शरद धानेश्वर (पूर्व मंडल सचिव), गणेश नागेश्वर, हेमकुमार सिलारे, यशवंत अजीत, मनोज गोयल, पियूष ब्रम्हें, निकलेश नागेश्वर, दुर्गाप्रसाद ब्रम्हें, सोमेन्द्र गुनेश्वर, संजय हरिन्द्रवार, शैलेन्द्र गुनेश्वर, सुभाष ब्रम्हें, उमाशंकर सूर्यवंशी, भरत सूर्यवंशी, रघुनंदन सूर्यवंशी, अंकित वराड़कर, संतोष नागेश्वर, हर्ष बनवाले, शैलेन्द्र नागेश्वर, संदीप गुनेश्वर, सुशील ब्रम्हें, विजय नागेश्वर, सुनील अजीत, श्रीमती ममता ब्रम्हें (पूर्व सरपंच), श्रीमती ललिता बनवाले, श्रीमती दीपा धानेश्वर, श्रीमती मातेश्वरी नागेश्वर, श्रीमती रेखा ब्रम्हें, श्रीमती च्योति ब्रम्हें, श्रीमती चित्ररेखा ब्रम्हें, श्रीमती जानकी ब्रम्हें, श्रीमती सोनम अजीत, श्रीमती शीतल नागेश्वर, श्रीमती पिंकी भारद्वाज, श्रीमती सुनीता गुनेश्वर सहित बडी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

बेहरई में किसानों को धान की सीधी बुवाई (बोवार) के प्रति किया गया जागरूक

पद्मेश न्यूज।बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई में कृषि विभाग के द्वारा मंगलवार को एग्रो इंडिया कृषि सेवा केन्द्र का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम जिला कृषि अधिकारी फुलसिंह मालवीय, पूर्व सरपंच दिलीप टेंभरे, स्थाई पटेल रामप्रसाद बघेले सहित अन्य किसानों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर किसानों को धान की सीधी बुवाई यानि बोवार की बुवाई के प्रति जागरूक किया गया। कृषि विभाग केजिला कृषि अधिकारी फुलसिंह मालवीय ने किसानों से कहा कि धान की सीधी बुवाई को ज्यादा प्राथमिकता दें। जिसमें कम पानी में भी फसल को सुरक्षित रखा जा सके। मतलब धान की फसल को परा न लगाते हुए बोवार का उपयोग करें। जिससे धान की सीधी बुवाई अपनाकर कम लागत में बेहतर उत्पादन ले सकते हैं। साथ ही यह भी कहा कि सीडरील मशीन से बोवाई करने से एकड़ पीछे लगभग ८ से १० हजार रूपये की लागत कम आती है। इसके अलावा यह भी बताया कि सीधी बुवाई विधि से मिट्टी की संरचना बेहतर बनी रहती है। लगातार जलभराव नहीं होने से लाभदायक बैक्टीरिया की संख्या बढ़ती है। जिससे खाद और उर्वरक का सही उपयोग हो पाता है। साथ ही अन्य जानकारियों से किसानों को अवगत करवाया गया। इस अवसर पर सीएल पटले शिक्षक, नेतलाल ठाकरे पूर्व कृषि मंडी उपाध्यक्ष लालबर्रा, तिजूलाल ठाकरे सहित ग्रामीणगण एवं किसानगण उपस्थित रहे।

जागपुर में अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई, तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जप्त

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। बालाघाट जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 26 मई 2026 को उप संचालक (खनिज प्रशासन) सुश्री फरहत जहां के मार्गदर्शन में खनिज विभाग की टीम द्वारा ग्राम जागपुर में जांच अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान खनिज निरीक्षक बसंत कुमार पाटिल एवं सिपाही दिलशाद कुरैशी द्वारा क्षेत्र में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की जांच की गई। जांच के दौरान तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। जप्त किए गए वाहनों में ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 50 एए 1348 शामिल है, जिसका चालक संजय निवासी रेंगाटोला तहसील वारासिवनी बताया गया है। दूसरा ट्रैक्टर एमपी 50 एए 2807 है, जिसे प्रवेश ठाकरे निवासी ग्राम रेंगाटोला तहसील वारासिवनी चला रहा था। वहीं तीसरा महेंद्रा कंपनी का बिना नंबर का ट्रैक्टर पाया गया, जिसके चालक एवं मालिक रोहित मिश्रा पिता सुरेश मिश्रा निवासी ग्राम जागपुर तहसील वारासिवनी बताए गए हैं। खनिज विभाग द्वारा तीनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को रेत सहित जप्त कर लिया गया है। इनमें से बिना नंबर वाले महेंद्रा ट्रैक्टर में तकनीकी खराबी पाए जाने और वाहन के चलने की स्थिति में नहीं होने के कारण उसे आगामी आदेश तक वाहन मालिक की सुपुर्दगी में दिया गया है। शेष दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को सुरक्षा की दृष्टि से कलेक्टर कार्यालय स्थित खनिज शाखा परिसर में रखा गया है। खनिज विभाग ने बताया कि उक्त सभी वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त लोगों को चेतावनी देते हुए कहा है कि जिले में इस प्रकार की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने चौपाटी पर दी दबिश की कार्यवाही

महालक्ष्मी लस्सी एवं आइसक्रीम केंद्र पर पंचनामा तैयार कर लिए खाद्य सामग्री के सैंपल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में भीषण ग्रीष्मकाल को देखते हुए आम जनता के स्वास्थ्य और शुद्ध खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को विभाग की टीम ने नगर के प्रमुख व्यावसायिक और खान पान के केंद्र वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम के सामने स्थित चौपाटी पर अचानक दबिश दी। विभाग की इस औचक कार्यवाही से चौपाटी के दुकानदारों में हड़कंप मच गया।

ठंडे पेय पदार्थों और आइसक्रीम पर विशेष नजर

गर्मी के इस मौसम में आइसक्रीम लस्सी शेक और अन्य ठंडे पेय पदार्थों की मांग अत्यधिक बढ़ जाती है। मांग में इस तेजी के कारण गुणवत्ता से समझौते की शिकायतें भी सामने आती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों ने चौपाटी स्थित विभिन्न ठंडे और पेय पदार्थों के प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने चौपाटी स्थित महालक्ष्मी लस्सी एवं आइसक्रीम की दुकान पर विस्तृत जांच की। अधिकारियों ने दुकान में रखी विभिन्न खाद्य सामग्रियों उनके रख रखाव के तरीकों और स्वच्छता के मानकों को परखा। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने खाद्य सुरक्षा मानकों के संदिग्ध उल्लंघन को देखते हुए दुकान में रखी विभिन्न खाद्य सामग्रियों के सैंपल तैयार किए। इसके साथ ही विभाग के द्वारा पंचनामा की कार्यवाही करते हुए मौके पर ही प्रकरण तैयार किया गया। इन सैंपलों को प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा जाएगा और रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

बीते कई दिनों से लगातार जारी है अभियान

खाद्य सुरक्षा विभाग पिछले कुछ दिनों से नगर के अलग अलग क्षेत्रों में लगातार सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। पेय पदार्थों के अलावा अन्य खाद्य सामग्री विक्रेताओं होटलों और किराना दुकानों की भी निरंतर चेकिंग की जा रही है ताकि आम नागरिकों को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्रियां मिल सकें। मंगलवार को हुई इस कार्यवाही के दौरान योगेश डोंगरे खाद्य सुरक्षा अधिकारी, वाजिद मोहिब खाद्य सुरक्षा अधिकारी,आकाश डेकोले ,सागर सूर्यवंशी विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

गुणवत्ता की कमी होने पर विधिवत कार्यवाही की जायेगी-योगेश डोंगरे

खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश डोंगरे ने बताया कि खाद्य प्रशासन के द्वारा ग्रीष्मकाल में खाद्य एवं पेय पदार्थ आइसक्रीम कुल्फी लस्सी से इन सभी की जांच चल रही है। वारासिवनी चौपाटी की दुकानों में खाद्य सामग्री विक्रय का लाइसेंस एवं दुकान में स्वच्छता की जांच की गई है। वहीं आइसक्रीम दुकान से नमूने लिए गए हैं जिसकी जांच कर शुद्धता का पता किया जाएगा यदि कोई कमी पाई जाती है तो खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत न्यायालीन कार्यवाही की जाएगी। वारासिवनी में भैरवनाथ के दो स्टॉल कृष्णा आइसक्रीम और अभी महालक्ष्मी आइसक्रीम की जांच की गई है। इसी के साथ अन्य दुकानों की भी जांच की गई है इस मामले में शिकायत तो नहीं है परंतु गुणवत्ता में कमी हो सकती है। इसमें दुकानों से खाद्य सामग्री के नमूने लिए गए हैं रिपोर्ट बताएगी जिस पर आगे विधिवत कार्यवाही की जायेगी।

नपा अध्यक्ष ने पूर्व मंत्री के नेतृत्व में लगाई जनता दरबार

नगर के सभी १५ वार्डों में नही होगी पानी की कमी-सरिता दांदरे

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। नगर पालिका परिषद में मंगलवार को नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के नेतृत्व में जनमानस की मूलभूत सहित विभिन्न प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिये जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में विशेषकर आने वाले बरसात के मौसम को देखते हुये विभिन्न वार्डों में नाली की सफाई सहित स्वच्छता पर ध्यान केन्द्रित किया गया। जनता दरबार में सबसे पहले वार्ड नं.२ ,९ ,१२ में पेयजल की समस्या पर कडे निर्णय लिये गये। इन वार्डो के निवासीयों ने बताया की पेयजल की पाईप लाईन में प्रेशर नही आने के कारण पेयजल को लेकर दिक्कतो का सामना करना पड रहा है। जिस पर त्वरित में निर्णय लेकर इस तरह की समस्या के समाधान के लिये नल कनेक्शन में कहीं टिल्लू पंप तो नही लगे है इस विषय की जांच के आदेश संबधित विभाग को जारी किये गये। साथ ही इन टिल्लू पंपो को जप्त कर उचित कार्यवाही के निर्देश प्रदान किये गये। वहीं जंहा जंहा पानी की दिक्कत जा रही है वंहा टैंकरो से पेयजल पहुंचाने की पुख्ता व्यवस्था भी बनायी गयी। इसी तरह पारसनगरी के निवासीयों ने रोड और नाली की शिकायत दर्ज करायी। तत्काल कालोनाईजर को नोटिस जारी करने के निर्देश प्रदान किये गये। इस दौरान नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे,संदीप मिश्रा,मदन धार्मिक, प्रवीण डोंगरे, धर्मु जोशी, मोनू लिमजे, लोकेश ठाकरे, मुख्य अधिकारी सूर्यप्रकाश उके, उपंयत्री सुमीत मोटवानी, वंशिका चौहान उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मदनपुर में कार्यक्रम आयोजित

जल संकट बचाने हम सभी को सामूहिक प्रयास करना चाहिए-विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत मदनपुर में मेड बंधान एवं जल संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया गया जिसके पश्चात सभी अतिथियों ने खेत तालाब पहुंचकर श्रमदान किया। इस दौरान एसडीओ सरोज सरेय्या, सबइंजीनियर प्रियंका नोनहारकर,जिला पंचायत सदस्य गीता हनवत,सरपंच प्रीति सुनील झिल्पे,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धवल माडल,सचिव ओमकार पारधी, रोजगार सहायक मनोज गजभिए,पूर्व सरपंच सुभाष हांडे, देवरस ठाकरे, मनोज चौरे, मानिकराम ठाकरे सहित ग्रामीणजन मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत नदी, नाले, तालाब, हैंडपंप व करोड़ो रुपये की लागत से बनाए गए स्टॉप डैम सब सुख चुके है। बेतहाशा वनों की कटाई जोरो पर है इस पर विभाग का कोई ध्यान नहीं है। वन विभाग के नाक ने नीचे अंधाधुन वनों की कटाई चारों तरफ जोरो पर है इस पर विभाग का कोई ध्यान नहीं है। वर्तमान समय में जल संरक्षण करना अत्यंत आवश्यक है। लगातार घटने जल स्तर और सूखते जल स्त्रोत चिंता का विषय है जल बचाने के हम सभी को पेड़ लगाने की आवश्यकता है। क्षेत्र के कई कुएं तालाब हैंडपंप सुख चुके है। जिससे मवेशियों के लिए भी पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है। हम सभी जल बचाने का प्रयास करे जनप्रतिनिधि सभी के सहयोग से जल बचाने का प्रयास करते है। मगर आम जनता का इस ओर ध्यान नहीं है जल संकट बचाने के लिए हम सभी को सामूहिक प्रयास करना चाहिए। ताकि हमारे आने वाले पीढ़ी को पानी के संकटों का सामना ना करने पड़े।

वारासिवनी मंडी में औने पौने दामों पर धान खरीदी से किसानों में भारी आक्रोश-पप्पू पटेल

पूर्व जिला पंचायत सदस्य ज्ञान प्रकाश पटेल ने कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्य प्रदेश शासन के द्वारा किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य दिलाने के बड़े.बड़े दावों के बीच बालाघाट जिले की वारासिवनी कृषि उपज मंडी से एक गंभीर मामला सामने आया है। मंडी में इन दिनों रबी सीजन की धान को शासन के द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर खरीदने के बजाय बेहद कम और औने पौने दामों पर खरीदा जा रहा है। शासन की नीतियों और मंडी प्रशासन की कथित लापरवाही के चलते किसानों को उनकी फ सल की लागत मूल्य भी नसीब नहीं हो पा रही है जिससे क्षेत्र के अन्नदाताओं में गहरा आक्रोश व्याप्त है। किसानों की इस गंभीर समस्या को लेकर पूर्व जिला पंचायत सदस्य ज्ञानप्रकाश उर्फ पप्पू पटेल के नेतृत्व में पीड़ीत किसानों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय पहुँचकर एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल को जिला कलेक्टर के नाम एक लिखित ज्ञापन सौंपकर मंडी में चल रही इस अनियमितता की उच्च स्तरीय शिकायत की और तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

समर्थन मूल्य २४६१ की जगह १५०० से १८०० में लूट रहे व्यापारी

एसडीएम को सौंपे गए ज्ञापन में पूर्व जिला पंचायत सदस्य ज्ञानप्रकाश उर्फ पप्पू पटेल ने बताया कि वारासिवनी कृषि उपज मंडी के कुछ कर्मचारियों और स्थानीय व्यापारियों के बीच गहरी सांठ गांठ चल रही है। इसी सांठ.गांठ के चलते व्यापारियों के दबाव में आकर मंडी कर्मचारी पूरी तरह मौन साधे हुए हैं। वर्तमान में शासन के द्वारा रबी धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य २४६१ प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है लेकिन मंडी में किसानों को डरा धमकाकर या उनकी मजबूरी का फ ायदा उठाकर धान को मात्र १५०० से १८०० प्रति क्विंटल के औने.पौने दाम पर खरीदा जा रहा है। प्रति क्विंटल ६०० तक का यह सीधा नुकसान गरीब किसानों की कमर तोड़ रहा है। मंडी परिसर के भीतर सरेआम किसानों की मेहनत पर डाका डाला जा रहा है। व्यापारी अपनी मर्जी से दाम तय कर रहे हैं और मंडी प्रशासन मूकदर्शक बना बैठा है। यदि कोई किसान इसका विरोध करता है तो उसकी उपज को ना खरीदने या टालमटोल करने का डर दिखाया जाता है। अपनी अगली फसल की तैयारी और कर्ज चुकाने के दबाव में किसान इसी कम दाम पर अपनी फ सल बेचने को मजबूर हैं। ज्ञानप्रकाश उर्फ पप्पू पटेल ने शासन प्रशासन से मांग की है कि इस अवैध लूट पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए।

व्यापारी एवं मंडी अधिकारी कर रहे हैं किसानों का शोषण-पप्पू पटेल

पूर्व जिला पंचायत सदस्य ज्ञान प्रकाश पटेल ने बताया कि एसडीएम को हमने ज्ञापन दिया है मंडी में १५०० से १८०० रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदी हो रही है। शासन ने समर्थन मूल्य २४६१ रुपए है उसका कोई पालन व्यापारी एवं मंडी अधिकारी नहीं कर रहे हैं किसानों का शोषण हो रहा है। यह जनहित का मुद्दा है किसानों से जुड़ा हुआ है इससे किसान को ६०० रूपये का सीधा नुकसान है। एसडीएम को हमने ज्ञापन दिया तो उन्होंने जांच का आश्वासन दिया है वही पत्र भी लिखने के लिए कहा है। अभी ग्रामीण क्षेत्रों में पीएम आवास के मकान के लिए रेत पर भी बात हमने रखी थी लोगों ने अपने मकान स्वीकृत होते ही पुराने मकान तोड़ दिया है । अब उन्हें अंयन्त्र स्थान पर रहकर गुजर बसर करना पड़ रहा है रेत की व्यवस्था शासन बनाएं। यह जो धान है वह सही रेट में नहीं बिकी पर किसान की रोजी भी नहीं निकल पाएगी जनप्रतिनिधियों को भी इस पर ध्यान देना चाहिए ताकि किसान की समस्या का हाल हो सके।

लाखों खर्च फिर भी प्यासे ग्रामीण, सालईटोला में नल जल योजना ने तोड़ा दम

किमी दूर से पानी लाने को मजबूर ग्रामीण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सरकार भले ही हर घर जल और नल जल योजना के माध्यम से ग्रामीणों तक शुद्ध पेयजल पहुँचाने के बड़े.बड़े दावे कर रही हो लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट है। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मंगेझरी का ग्राम सालईटोला इन दिनों भीषण जल संकट के दौर से गुजर रहा है। यहाँ नल जल योजना पूरी तरह से फेल साबित हो रही है जिससे ग्रामीणों को पानी की एक.एक बूँद के लिए यहां वहाँ भटकना पड़ रहा है। गाँव में लोगों को पेयजल संकट से निजात दिलाने के लिए शासन के द्वारा लाखों रुपए की लागत से पानी की टंकी का निर्माण कराया गया था। उम्मीद थी कि इस योजना के शुरू होने से हर घर में आसानी से पानी पहुँचेगा। परंतु जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार की लापरवाही के चलते यह योजना कभी सुचारू रूप से चल ही नहीं पाई। वर्तमान स्थिति यह है कि लाखों की लागत से बनी यह पानी की टंकी महज एक शोपीस बनकर रह गई है और ग्रामीणों की प्यास बुझाने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। जल संकट का आलम यह है कि बीते कुछ समय से यह नल जल योजना पूरी तरह से बंद पड़ी हुई है। गाँव के लोगों को अपनी दैनिक जरूरतों और पीने के पानी के लिए करीब १ किलोमीटर की दूरी पैदल तय करनी पड़ रही है। चिलचिलाती धूप और गर्मी के इस मौसम में ग्रामीणों का पूरा समय सिर्फ पानी का इंतजाम करने में ही बीत रहा है। जब यह योजना चालू भी रहती थी तब भी इसका लाभ पूरे गाँव को नहीं मिलता था। यह योजना बेहद अनियमित है कभी भी बंद हो जाती है और बहुत कम समय के लिए चालू की जाती है। इस वजह से सिर्फ कुछ ही परिवारों को पानी मिल पाता था जबकि अधिकांश आबादी इससे वंचित ही रही। योजना बंद होने के कारण अब सालईटोला के ग्रामीणों के पास केवल गाँव के हैंडपंप और कुएँ ही एक मात्र सहारा बचे हैं। पानी के लिए इन जलस्रोतों पर सुबह से ही कतारें लग जाती हैं। यदि आने वाले दिनों में ये स्रोत भी सूख गए तो स्थिति और भयावह हो जाएगी। ग्रामीणों में प्रशासन और स्थानीय ग्राम पंचायत के खिलाफ भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि सालईटोला में बंद पड़ी नल जल योजना को तत्काल प्रभाव से सुधारा जाए और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए।

नल जल योजना की बहुत खराब स्थिति है नलों में नहीं आता है पानी-धनसिंह सलामे

ग्रामीण धनसिंह सलामे ने बताया कि नल जल योजना की हमारे यहां बहुत खराब स्थिति है पानी नलों में नहीं आता है। बीच में जब चालू हुई थी तो १ से २ बाल्टी पानी बड़ी मुश्किल से मिलता था परंतु उसका पैसा पूरा देना होता था। अभी कुछ समय से यह योजना बंद पड़ी हुई है पानी भी नहीं आ रहा है हम लोग खेत के कुएं में पानी लाने के लिए जाते हैं। यह अकेली स्थिति हमारे साथ नहीं पूरे गांव के साथ है इस योजना से हर कोई त्रस्त है। हम लोगों को कभी यह एहसास नहीं हुआ की नल जल योजना से हमें कभी पर्याप्त पानी मिला होगा या गांव में कहीं पानी व्यवस्थित रूप से आ रहा होगा बहुत दिक्कत है।

नल जल योजना से नही मिल रहा ग्रामीणों को पानी-संत कुमार बिसेन

संत कुमार बिसेन ने बताया कि हम लोग गांव के हैंडपंप और कुएं के माध्यम से पानी लाते हैं। पूरा गांव यही जल स्रोत से पानी भरता है हालांकि कुछ मकान में बोरवेल भी है तो वह भी आस पड़ोस में पानी दे देते हैं परंतु बहुत ज्यादा दिक्कत है। नल जल योजना हमारे यहां बनी हुई है हर घर में नल कनेक्शन लगा हुआ परंतु अभी कुछ दिनों से पूरी योजना बंद पड़ी है। पानी नहीं निकल रहा है बताते हैं परंतु कभी यह योजना अच्छे से चालू नहीं रही और ना ही किसी को पर्याप्त कभी पानी मिला है। पहले की तरह हम अभी भी बाहर दूसरे स्रोत से पानी ला रहे हैं समस्या तो होती हैं पूरे परिवार को पानी लाने के लिए जाना पड़ता है।

पूर्णाहूति के साथ बाबा रामदेव मंदिर में अखंड रामायण पाठ संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। स्थानीय लालबर्रा रोड़ वार्ड नंबर ६ स्थित सिद्ध प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर परिसर में पवित्र पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर आयोजित दो दिवसीय अखंड रामायण महापाठ का मंगलवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ समापन किया गया। शुक्ल पक्ष एकादशी के शुभ अवसर पर दोपहर में महापाठ की पूर्णाहुति दी गई जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इस धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ २५ मई को शुक्ल पक्ष गंगा दशहरा के पावन मुहूर्त पर दोपहर २ बजे किया गया । रामदेव परिसर के सेवादारों और स्थानीय भक्तों के सहयोग से

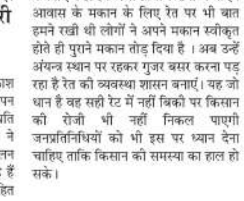

आयोजित इस महापाठ में गायन मंडलियों के द्वारा संगीतमय धुनों के साथ प्रभु श्री राम के चरित्र का गुणगान किया गया। दिन रात निरंतर चले इस पाठ से पूरा वार्ड नंबर ६ और आसपास का क्षेत्र राममय हो गया। इस दौरान विशेष रूप से उपस्थित महिला श्रद्धालुओं के द्वारा भी सुंदर भजन कीर्तन की प्रस्तुति दी गई जिससे पूरा माहौल भक्ति के रस में सराबोर नजर आया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पुरुषोत्तम मास में प्रभु भक्ति का विशेष महत्व होता है। इसी आस्था के साथ २६ मई को पाठ के समापन कर मनमोहन भजन कीर्तन करने के उपरांत हवन पूजन कर आरती की गयी। इसके पश्चात उपस्थित सभी रामभक्तों और धर्मप्रेमी जनता को प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

बच्चे के वास्ते प्रलोभन

भारत में दशकों से चली आ रही परिवार नियोजन की नीतियों से हटकर, आंध्र प्रदेश सरकार ने राज्य के परिवारों को तीन या ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए नए प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव रखा है। राज्य की कुल प्रजनन दर 1990 के दशक में लगभग 3 से घटकर आज 1.5 हो गई है, जोकि प्रतिस्थापन दर 2.1 के साथ-साथ राष्ट्रीय औसत से भी काफी कम है। कुछ अनुमानों के मुताबिक, इस सदी के मध्य तक राज्य की लगभग एक चौथाई आबादी बुजुर्ग होगी। इसके परिणामस्वरूप वृद्धावस्था जनित निर्भरता के बोझ के बनिस्बत श्रमशक्ति का आकार छोटा हो जाएगा। लेकिन जहां दक्षिण भारत उत्तर भारत के मुकाबले ज्यादा तेजी से बूढ़ा हो रहा है, वहीं नकद प्रोत्साहनों की वजह से परिवारों का आकार बढ़ने और ऐसा महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक नुकसान के बिना होने के साक्ष्य बेहद कमजोर हैं। वर्तमान में, आंध्र प्रदेश सरकार ने तीसरे बच्चे के लिए 30,000 रुपये और चौथे बच्चे के लिए 40,000 रुपये के अनुदान का प्रस्ताव किया है। साथ ही, पांच सालों तक हर महीने 1,000 रुपये; 18 साल की उम्र तक मुफ्त शिक्षा; माताओं के लिए घर से काम करने की सुविधा; 'थल्लीकी वंदनम' योजना के लिए बढ़ी हुई धनराशि, लंबी मातृत्व अवकाश; और अन्य आंगनवाड़ी व बाल देखभाल सहायता प्रदान करने का भी प्रस्ताव है। 'थल्लीकी वंदनम' के तहत वर्तमान में स्कूल में हाजिरी के लिए प्रति बच्चा 15,000 रुपये का भुगतान किया जाता है। भले ही एकमुश्त भुगतान कुछ परिवारों को योजना से पहले बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है, लेकिन भारत और दुनिया भर के साक्ष्य बताते हैं कि ऐसे भुगतान शायद ही कभी प्रजनन दर में बड़ी या स्थायी वृद्धि पैदा कर पाते हैं।

राज्य में लोग शायद इसलिए कम बच्चे पैदा कर रहे हैं, क्योंकि आवास एवं निजी शिक्षा ज्यादा महंगी हो गई है, स्थिर रोजगार शुरू के बजाय बाद में सुलभ होता है और बच्चों के जीवन की गुणवत्ता को लेकर आकांक्षाएं बढ़ गई हैं। प्रस्तावित प्रोत्साहन सार्वजनिक प्रावधानों के बारे में आशावादी अनुमानों के तहत भी एक अतिरिक्त बच्चे के पालन-पोषण की 18 साल की लागत की भरपाई करने में सक्षम नहीं होंगे। राज्य सरकार ने यह भी कहा है कि वह महिलाओं की श्रमशक्ति में भागीदारी को दोगुना करना चाहती है, जोकि मौजूदा सामाजिक ढांचे के साथ ज्यादा बच्चे पैदा करने के ठीक उलट है। दरअसल, फ्रांस और नॉर्डिक देश सार्वभौमिक बाल देखभाल, लचीली कार्य व्यवस्था, सवैतनिक पैतृक अवकाश, उच्च गुणवत्ता वाली सार्वजनिक शिक्षा और माताओं को करियर संबंधी नुकसान के खतरे से बचाने वाले कानूनी सुरक्षा उपायों में भारी निवेश करके ही इस दोहरी सफलता को बनाए रखने में समर्थ हुए हैं। अन्यथा, जैसा कि भारत में पहले से ही प्रचलित है, माताएं अवैतनिक देखभाल कार्यों का ज्यादा भार उठाती हैं और श्रमशक्ति में दाखिल नहीं हो पाती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रस्तावित प्रोत्साहनों के अर्थशास्त्र से तत्काल नकदी की तलाश में रहने वाले गरीब परिवारों के ही ज्यादा प्रभावित होने की आशंका है। इससे एक असुविधाजनक संभावना पैदा हो सकती है- राज्य बाल विकास के लिए पर्याप्त दीर्घकालिक समर्थन की गारंटी दिए बिना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के आकार में मामूली वृद्धि करेगा। अंत में जल संकट, शहरी भीड़भाड़, अपशिष्ट प्रबंधन और पुनर्चक्रण जैसी पर्यावरणीय चिंताओं का भी दीर्घकालिक रूप से परख होगी। जहां दक्षिणी राज्य जनसंख्या आधारित परिसीमन को लेकर चिंतित हैं, वहीं आम परिवारों से संवैधानिक डिजाइन की समस्या को हल करने के लिए बच्चों को जन्म देने से जुड़े निजी फैसलों को बदलने के लिए कहना साधन और लक्ष्य के बीच एक गहरा बेमेल होगा।

यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने 卐मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः卐 का उद्घोष किया, जिस धरती से 卐वसुधैव कुटुम्बकम卐 का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर

निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं।

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है।

दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी 卐गलती卐 केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है।

यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुरक्षा दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कमरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण-पोषण का आदेश दे सकती हैं, लेकिन ममता और अपनत्व नहीं लौटा सकतीं। यही कारण है कि समाधान केवल कानूनी नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक होना चाहिए। परिवारों में संस्कारों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। बच्चों को केवल उच्च शिक्षा और आधुनिक सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय मूल्य भी देना होंगे। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को परिवार, सेवा, कृतज्ञता और बुजुर्ग सम्मान जैसे विषयों पर गंभीर पहल करनी चाहिए।

आज आवश्यकता है कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में 卐वृद्ध सम्मान卐 को भी एक महत्वपूर्ण सूचक बनाया जाए। जिस देश में बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होंगे, वही वास्तव में विकसित कहा जा सकेगा। हमें ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिनमें वृद्धजन कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग को प्राथमिकता मिले। साथ ही परिवारों को यह समझना होगा कि माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारी जड़ें हैं। जिस वृक्ष की जड़ें सूख जाएँ, उसकी शाखाएँ अधिक समय तक हरी नहीं रह सकतीं। माता-पिता की उपेक्षा केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरी पीढ़ी की नैतिक पराजय है। यह भी विचारणीय है कि जो संतान आज अपने माता-पिता के साथ व्यवहार कर रही है, वही व्यवहार भविष्य में उसके हिस्से भी आ सकता है। बच्चे केवल उपदेश से नहीं, व्यवहार से सीखते हैं। यदि वे अपने माता-पिता को बुजुर्गों की उपेक्षा करते देखेंगे तो वही संस्कार आगे बढ़ेंगे।

आज आवश्यकता अदालतों के आदेशों से अधिक अंतःकरण के जागरण की है। रिश्तों की मर्यादाएँ, गरिमा और दायित्व यदि न्यायालयों को समझाने पड़ें तो यह केवल कानूनी संकट नहीं, बल्कि सभ्यता का संकट है। यह समय आत्ममंथन का है कि क्या हम तकनीकी रूप से आधुनिक होते-होते मानवीय रूप से निर्धन होते जा रहे हैं? भारत की पहचान उसकी संवेदनशीलता रही है। यदि हम इस संवेदनशीलता को बचा सके, तभी विकसित भारत का स्वप्न सार्थक होगा। अन्यथा ऊँची उपलब्धियों और भव्य योजनाओं के बीच भी हमारे घरों के किसी कोने में बैठा एक उपेक्षित वृद्ध हमारी समस्त प्रगति पर मौन प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा रहेगा। अंततः याद रखना होगा- विरासत संपत्ति नहीं, संस्कार होते हैं, विकास इमारतों से नहीं, रिश्तों से मापा जाता है और वह समाज कभी महान नहीं कहलाता जहाँ माता-पिता को अपने अधिकार के लिए अदालतों में खड़ा होना पड़े।

- ललित गर्ग
(लेखक,पत्रकार एवं स्तंभकार)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बेटियां बोझ नहीं, बल्कि सम्मान और गर्व का प्रतीक

भारत में दहेज प्रथा केवल एक सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि हजारों बेटियों की जिंदगी निगलने वाला वह दानव बन चुकी है, जो आधुनिक शिक्षा, कानून और जागरूकता के बावजूद आज भी समाज की मानसिकता पर हावी है। हर वर्ष दहेज उत्पीडन, आत्महत्या और हत्या के हजारों मामले सामने आते हैं, लेकिन कुछ दिनों की चर्चा के बाद सब कुछ फिर सामान्य हो जाता है। हाल ही में चर्चित द्विशा कांड को सीबीआई जांच के लिए सौंपा जाना इसी कड़वी सच्चाई को उजागर करता है कि समाज और व्यवस्था दोनों अभी भी इस अपराध को रोक पाने में पूरी तरह सफल नहीं हुए हैं।समय आ गया है कि समाज यह समझे कि बेटियां बोझ नहीं, बल्कि सम्मान और गर्व का प्रतीक हैं। जिस दिन दहेज को सामाजिक प्रतिष्ठा नहीं बल्कि शर्म का विषय माना जाने लगेगा, उसी दिन एक आदर्श समाज की शुरुआत होगी।

दहेज की समस्या की जड़ केवल लालच नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा की विकृत सोच है। विवाह को आज भी कई परिवार सौदे की तरह देखते हैं, जहां लड़के की नौकरी, वेतन और हैसियत के आधार पर कीमत तय होती है। दुखद यह है कि शिक्षित और संपन्न वर्ग भी इस मानसिकता से मुक्त नहीं हो पाया है। माता-पिता अपनी बेटियों की शादी के लिए जीवनभर की जमा पूंजी खर्च कर देते हैं, फिर भी उत्पीडन समाप्त नहीं होता।

द्विशा कांड जैसे मामले इसलिए अधिक भयावह बन जाते हैं क्योंकि वे समाज के उस चेहरे को सामने लाते हैं, जहां कानून का डर कमजोर और लालच की भूख मजबूत दिखाई देती है। जब किसी बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होती है और परिवार न्याय के लिए दर-दर भटकता है, तब लोगों का भरोसा व्यवस्था से उठने लगता है। ऐसे मामलों की एक्रुइ जांच इसलिए जरूरी मानी जाती है क्योंकि आम जनता निष्पक्ष और पारदर्शी जांच चाहती है।

हालांकि केवल जांच एजेंसी बदल देने से समस्या समाप्त नहीं होगी। आवश्यकता है कि दहेज विरोधी कानूनों को और प्रभावी बनाया जाए तथा उनकी निष्पक्षता भी सुनिश्चित हो। तेज सुनवाई के लिए विशेष अदालतें बननी चाहिए ताकि पीड़ित परिवारों को वर्षों तक न्याय का इंतजार न करना पड़े। साथ ही झूठे मामलों को भी रोकना आवश्यक है, ताकि कानून की विश्वसनीयता बनी रहे।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव समाज की सोच में आना चाहिए। बेटियों को बोझ और बेटों को कमाई का साधन समझने वाली मानसिकता जब तक समाप्त नहीं होगी, तब तक दहेज का दानव जीवित रहेगा। विवाह को दिखावे और प्रतिस्पर्धा का माध्यम बनाने की बजाय सादगी और समानता का संस्कार विकसित करना होगा। स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों को दहेज विरोधी अभियान लगातार चलाने चाहिए।

आज जरूरत केवल कानून की नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति की है। हर परिवार को यह संकल्प लेना होगा कि न दहेज देंगे और न लेंगे। जब समाज स्वयं दहेज मांगने वालों का बहिष्कार करेगा, तभी इस दानव का अंत संभव होगा। अन्यथा द्विशा जैसे कांड बार-बार देश को झकझोरते रहेंगे और बेटियों की चीखें व्यवस्था की फाइलों में दबती रहेंगी।

क्या आदर्श समाज दहेज को ना बोलेगा?

भारतीय समाज में विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का पवित्र संबंध माना जाता है। लेकिन इस पवित्र रिश्ते पर दहेज जैसी कुप्रथा ने गहरा दाग लगा दिया है। आधुनिकता, शिक्षा और कानूनों के बावजूद दहेज की मांग आज भी समाज में अनेक परिवारों की पीड़ा का कारण बनी हुई है। सवाल यह है कि क्या हमारा समाज कभी सच में दहेज को पूरी तरह ना कह पाएगा?

दहेज प्रथा ने न केवल बेटियों को बोझ समझने की मानसिकता को बढ़ावा दिया है, बल्कि अनेक परिवारों को आर्थिक और मानसिक संकट में भी धकेला है। गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च करने को मजबूर हो जाते हैं। कई बार दहेज की मांग पूरी न होने पर बेटियों को प्रताडना, हिंसा और यहां तक कि मौत का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है।

सरकार ने दहेज निषेध कानून बनाए हैं, लेकिन केवल कानूनों से समस्या समाप्त नहीं होती। असली बदलाव समाज की सोच बदलने से आएगा। जब तक लोग दहेज को प्रतिष्ठा और सामाजिक हैसियत से जोड़कर देखेंगे, तब तक यह कुरीति जीवित रहेगी। दुख की बात यह है कि पढ़े-लिखे और संपन्न वर्गों में भी दहेज की मांग किसी न किसी रूप में जारी है। कहीं इसे उपहार का नाम दिया जाता है तो कहीं रीति-रिवाज कहकर उचित ठहराया जाता है।

आदर्श समाज वही होगा जहां बेटी और बेटा समान माने जाएं, जहां विवाह व्यापार नहीं बल्कि संस्कार बने। इसके लिए युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। यदि युवा स्वयं दहेज लेने और देने से इनकार कर दें, तो यह प्रथा काफी हद तक समाप्त हो सकती है। कई जागरूक परिवार और सामाजिक संगठन इस दिशा में सकारात्मक पहल भी कर रहे हैं। सादगीपूर्ण विवाह और दहेज मुक्त शादी का संदेश समाज में नई उम्मीद जगा रहा है।

शिक्षा भी इस लड़ाई का बड़ा हथियार है। बच्चों को बचपन से ही समानता, सम्मान और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जानी चाहिए। मीडिया और सामाजिक मंचों को भी दहेज विरोधी अभियानों को मजबूती देनी होगी। समाज में ऐसे उदाहरणों को सम्मान मिलना चाहिए जो बिना दहेज विवाह कर एक नई मिसाल पेश करते हैं।

दहेज केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक समस्या है। इसे समाप्त करने के लिए हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। जब परिवार, समाज और युवा मिलकर यह संकल्प लेंगे कि विवाह में दहेज का कोई स्थान नहीं होगा, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।

-सौरभ वार्ष्णेय

कॉकरोचों के कंधों पर विरोधी सियासत की नापाक साजिश

देश के मुख्य न्यायधीश जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद शुरू हुआ सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी अब युवाओं के लिए बड़ा आंदोलन शुरू करने की तैयारी में है। पार्टी ने खुद इस बात का ऐलान किया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2 करोड़ से ज्यादा युवाओं को अपने साथ जोड़ने के बाद सीजेपी ने हाल ही में आने वाले दिनों के लिए रोडमैप जारी किया है। इसमें सीजेपी ने कहा है कि यह सिर्फ एक शुरुआत है और कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। इससे पहले इस मुहिम पर मुसीबतों की भी मार पड़ी है। पार्टी की वेबसाइट के खिलाफ एक्शन लिया गया है। वहीं सीजेपी के यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की जांच का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में न्यायिक कार्यवाही के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए दावा किया गया है कि अदालत की कार्यवाही के दौरान की गई टिप्पणियों और विचारों का इस्तेमाल प्रचार के लिए किया जा रहा है। बता दें कि पिछले हफ्ते सीजेआइ सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान बेरोजगार युवाओं की तुलना कथित तौर पर कॉकरोच से कर दी थी, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया।सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि ऑनलाइन एक्टिविज्म की आड़ में व्यवस्था पर हमला करने वाले बेरोजगार युवा 'कॉकरोच' की तरह हैं। बाद में सीजेआई ने स्पष्ट किया था कि उनका इशारा फर्जी डिग्री रखने वाले लोगों की ओर था।सीजेपी के लिए समसामयिक खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका भी दायर हो गई है।सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने जनहित याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ मामले की जल्द सुनवाई करने की मांग की। हालांकि, सीजेआई सूर्यकांत ने वकील को मामले को भावनात्मक तरीके से न लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उचित समय आने पर मामले की सुनवाई की जाएगी।याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी ने सीजेआई की तिलचट्टे वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश की ओर से स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद न्यायपालिका को बदनाम करने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर और दुर्भावनापूर्ण तरीके से पेश किया जा रहा है।

जनहित याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि अदालत में होने वाली बातचीत का इस्तेमाल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए न किया जाए और फर्जी वकीलों की डिग्रियों के मामले में सीबीआई जांच की जाए। इसी मामले पर एक अन्य जनहित याचिका में मुख्य न्यायाधीश की तिलचट्टे वाली टिप्पणी के बाद उभरे व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की सीबीआई जांच की मांग की गई है।

आपको बता दें कॉकरोच जनता पार्टी एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन राजनीतिक आंदोलन है, जो मई 2026 में सोशल मीडिया पर एक मीम के रूप में शुरू हुआ और तेजी से वायरल हो गया।

शुरुआत और संस्थापक- इसकी शुरुआत मूल रूप से महाराष्ट्र के रहने वाले और अमेरिका के बोस्टन में पढ़ रहे अभिजीत दीपके द्वारा की गई थी। वह पहले आम आदमी पार्टी के लिए सोशल मीडिया का काम भी कर चुके हैं।

विवाद की वजह- मई 2026 में सुप्रीम कोर्ट में फर्जी डिग्री से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान, चीफ जस्टिस ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि कुछ बेरोजगार युवा सिस्टम में कॉकरोच की तरह घुस जाते हैं। हालांकि, बाद में स्पष्ट किया गया कि यह टिप्पणी केवल फर्जी डिग्री धारकों के लिए थी, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे बेरोजगार युवाओं के अपमान के रूप में लिया गया।

सोशल मीडिया पर लोकप्रियता- इस टिप्पणी के बाद अभिजीत ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम से अकाउंट बनाया। इसके तहत युवाओं, बेरोजगारों और सिस्टम से नाराज लोगों को एक साथ जोड़ने का अभियान चलाया गया, जिसके इंस्टाग्राम पर कुछ ही दिनों में करोड़ों फॉलोअर्स हो गए।कुछ ही दिनों में बड़ी तादाद फॉलोअर्स जुटाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल बाद में निलंबित कर दिए गए। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने इस डिजिटल आंदोलन पर कार्रवाई का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि उनके सभी सोशल मीडिया अकाउंट और वेबसाइट को या तो हटा दिया गया है या उनसे छेड़छाड़ की गई है, जिससे समूह अपने किसी भी

आधिकारिक प्लेटफॉर्म तक पहुंच नहीं पा रहा है।

मुख्य मांग और विवाद- इस पार्टी की वेबसाइट पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर अभियान चलाया गया था और भारी संख्या में लोगों ने याचिका पर साइन किए थे। बाद में सीजेपी की आधिकारिक वेबसाइट को तकनीकी या सरकारी कारणों से बंद कर दिया गया।यह कोई वास्तविक या पंजीकृत राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि युवाओं के गुस्से और असंतोष को व्यक्त करने का एक डिजिटल माध्यम है।

अब पार्टी ने इंस्टाग्राम पर एक लंबे पोस्ट में यह संदेश देने की कोशिश की है कि पार्टी मुसीबतों के आगे घुटने नहीं टेकेगी। पार्टी ने लिखा, कॉकरोच सबसे बड़े सर्वाइवर होते हैं। ये अंधेरे कोनों मेंग भी पनपते हैं और हर परेशानी के बाद भी टिके रहते हैं। देश के युवाओं का हाल भी आज ऐसा ही है। लेकिन कहानी अभी खत्म नहीं हुई है, कॉकरोचेस ने तो अभी सिर्फ शुरुआत की है। सीजेपी ने कहा है कि इस मुहिम एक आंदोलन में बदलने जा रहे हैं। सीजेपी ने कहा है कि उनकी विचारधारा भारत के संविधान से प्रेरित है। वे महात्मा गांधी, बाबासाहेब आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, शहीद भगत सिंह और नेताजी सुभाष चंद्र बोस से प्रेरणा लेकर धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए लड़ेंगे।उधर सीजेपी ने अपने 2.2 करोड़ से ज्यादा के कम्युनिटी बेस से देश में बदलाव लाने के लिए सुझाव भी मांगे हैं। आने वाले दिनों में सबसे बेहतरीन आइडियाज को चुनकर देशव्यापी कैंपेन और जमीनी कार्रवाई की शुरुआत करने की बात की गई है। इस दौरान पार्टी का फोकस बेरोजगारी, पेपर लीक, पर्यावरण और सरकारी संस्थाओं की पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर होगा।

इस बीच पेज को शुरू करने वाले अभिजीत दिपके को धमकियां मिलने के बाद उनके घर के बाहर पुलिस को तैनात कर दिया गया है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में रहने वाले अभिजीत दिपके के माता-पिता के घर के बाहर अब 24 घंटे पुलिस मौजूद रहेगी। हालांकि अभिजीत खुद अमेरिका के बोस्टन में हैं। अभिजीत दिपके ने खुलासा किया है कि उन्हें और भारत में उनके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल नहीं रही हैं। उन्हें एक वीडियो भी मिला है जिसमें कुछ लोग उनके घर के बाहर खड़े दिख रहे हैं।

यहां यह भी बता दें कि कुछ विपक्षी दल इस प्रकरण में सरकार के खिलाफ युवाओं का मोहभंग बगावत और बदलाव की बयार चलने की उम्मीद सजा रहे हैं लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि सोशलमीडिया हैंडल 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास कोई राजनीतिक जमीन नहीं है,नेतृत्व नहीं है जबकि आम आदमी पार्टी राजनीतिक व्यवस्था को बदलने की जमीन तैयार करने के बाद अस्तित्व में आई थी। नेपाल में जेन-जी आंदोलन राजनीतिक रूप से खोखली हो चुकी व्यवस्था की पृष्ठभूमि में खड़ा हुआ था, जबकि बांग्लादेश में बदलाव की जमीन मुख्यतः मजहबी कट्टरता पर आधारित थी।

बहरहाल सीजेपी का ऊफान कितने समय और कितना रफ्तार पकड़ेगा और क्या भारत सरकार और सत्तारूढ़ एनडीए के लिए कोई मुसीबत बनेगा यह नतीजा निकालना अभी जल्दबाजी होगा लेकिन इतना तय है कि इस सोशल मीडिया पर खड़े किए जा रहे तूफान को पाकिस्तान और खालिस्तानी समर्थक लोग जमकर टैग फोलो कर रहे हैं और इनकी बड़ी तादाद इस हवाई किले की बुनियाद में शामिल हो रही है आशंका यह भी है कि अमेरिका समेत कुछ विदेशी ताकतों द्वारा ऐसे अभियान को बैकडोर से हवा दी जा रही है वहीं विपक्ष भी मोदी के अश्वमेध यज्ञ को कमजोर करने के लिए ऐसे अभियान को साधन बनाने के लिए बेताब है। जाहिर है कि यह एक झोका है जो एक दो हफ्ते में कमजोर पड़ जाएगा और इस में राजनीतिक भविष्य तलाश रहे विपक्षी दलों की उम्मीदों पर भी पानी फिर जाएगा और मोदी फिर तंज कसेंगे तुमसे ना हो पाएगा!

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

- मनोज कुमार अग्रवाल

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। आवको के चलते मंगलवार को अनाज मंडी में मूंग बाजार नरमी के रहे। चना 6100-6200 रू. प्रति क्रि?टल पर बने रहे। किराना जिंसों में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में बाजार मजबूती पर नज़र आये। तिलहनों में सोयाबीन में सुस्ती बनी।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मूंग में आवकों के चलते बाजार नरमी के रहे। चना 6100-6200 रू. प्रति क्रि?टल पर टिके रहे। किराना जिंसों में टिकाव बना रहा। खाद्य तेलों में पूछपरख से बाजार मजबूती पर देखे गये। तिलहनों में सोयाबीन 7200 रू. प्रति क्रि?टल पर सुस्त रहा। भाव इस प्रकार रहे -

किराना - शक्कर 4240-4320, खोपरा गोला 330-450, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारि?क 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बादान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2300-2350, (250) 2600-2650

तेल - सींगदाना 1630-1640, मुम्बई 1650, राजकोट तेलिया 2550, सोया साल्वेंट 1430-1435, सोया रिफाईड 1480-1490, कपास्या 1490, धूलिया 1495, कड़ी 1495,

रात की धारणा - गुजरात लुज 1625, मुम्बई पाम 1495, मुम्बई सोया 1510,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्रि?टल)

तिलहन - सरसो 8000-8300, रायडा 6800-7200, सोयाबीन 7200-7400, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 6100-6200, एवरेज 5600-5700, विशाल 6050-6100, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशि?यन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 6000-6050, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7400-7500, मूंग पुराना बोल्ड 8000-8100, मीडि?यम 7800-8000, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7200-7300, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल - चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडि?यम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2475, लोकवन एवरेज 2600-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2050-2100, बेस्ट 1850-1900,

चावल - चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा - इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर । मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे - चाँदी (9999) 257000, चाँदी (99) 256800, टंच 256100, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 151200,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 45 अंक नीचे आकर 95.71 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 17 पैसे फिसलकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 पर आ गया। महीने के अंत में डॉलर की मांग बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशकों की धारणा पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.43 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद स्तर से 17 पैसे कमजोर है। सोमवार को रुपया 34 पैसे मजबूत होकर 95.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। कारोबारियों के अनुसार उस दिन आरबीआई की डॉलर बिक्री से रुपये को ऊपरी स्तरों पर समर्थन मिला।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 479, निफ्टी 118 अंक गिरा

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। आज सुबह बाजार खुलते ही तेजी दिखी पर समय बीतने के साथ ही बाजार का रुख बदलने लगा और उसमें गिरावट आने लगी। दिन भर के कारोबार के बाद दोनों बेंचमार्क इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 479 अंक टूटकर 76,009 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी दिन के अंत में 118 अंक नीचे आकर 23,913 के स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी की कंपनियों में सबसे ज्यादा उछाल अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में आया। इसके अलावा टाटा मोटर्स , टेक महिंद्रा के अलावा नेस्ले इंडिया के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर अपोलो अस्पताल के अलावा विप्रो , भारती एयरटेल और ट्रेंट के शेयर गिरे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी मेटल, निफ्टी एनर्जी के अलावा निफ्टी कमोडिटीज में तेजी रही जबकि निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज , निफ्टी सर्विसेज सेक्टर और रियल्टी शेयरों में गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स भी 141.36 अंक की गिरावट के साथ 76,347.60 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी मिडकैप में हल्की 0.14 फीसदी की तेजी रही, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 0.65 फीसदी की मजबूत बढ़त के रही। ड्यूरेबल, हेल्थकेयर और रियल्टी इंडेक्स दबाव में रहे, वहीं सूचना प्रौद्योगिकी और मीडिया सेक्टर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए बाजार को कुछ सहारा दिया। यह गिरावट अमेरिका द्वारा दक्षिणी ईरान में किए गए ताजा सैन्य हमलों के बाद बढ़ी वैश्विक अनिश्चितता के कारण आई है। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

यूपीआई पेमेंट में बदलाव, अब दुकानों पर दिखेगा सिर्फ एक स्मार्ट साउंडबॉक्स!

एनपीसीआई ला रहा वन साउंडबॉक्स रूल, सभी ऐप्स के लिए एक ही डिवाइस देगा पेमेंट की जानकारी

नई दिल्ली । भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम में एक महत्वपूर्ण बदलाव की तैयारी है। अब दुकानों पर गूगल प्ले, फोनपे और पेटीएम जैसे अलग-अलग यूपीआई ऐप्स के लिए कई साउंडबॉक्स रखने की झंझट खत्म होने वाली है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) एक नया नियम लाने जा रहा है, जिसका लक्ष्य पेमेंट अनुभव को और भी सुव्यवस्थित करना है। एनपीसीआई अब वन साउंडबाक्स रूल लागू करने की दिशा में काम कर रहा है, जिसके तहत इंटरोपेरेबल साउंडबाक्स तकनीक विकसित की जा रही है। इसका सीधा मतलब है कि दुकानदारों को अब कई कंपनियों के अलग-अलग साउंडबॉक्स रखने की जरूरत नहीं होगी।

भविष्य में सिर्फ एक ही स्मार्ट साउंडबॉक्स होगा जो किसी भी यूपीआई ऐप से आने वाले पेमेंट की जानकारी और पुष्टि आवाज के माध्यम से देगा। यह सुविधा उसी तरह काम करेगी जैसे आज एक क्यूआर कोड सभी यूपीआई ऐप्स के साथ संगत होता है। यह पहल विशेष रूप से छोटे दुकानदारों के लिए एक बड़ी राहत होगी। उन्हें अब काउंटर पर कई डिवाइस रखने, उनका मासिक किराया या खर्च चुकाने और जगह घेरने की समस्या से मुक्ति मिलेगी। इससे उनके काउंटर साफ-सुथरे और व्यवस्थित दिखेंगे, संचालन लागत में कमी आएगी और डिजिटल पेमेंट को अपनाना और भी आसान हो जाएगा। इस बदलाव से डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम और परिपक्व होगा, जहाँ कंपनियां हार्डवेयर बेचने के बजाय अपनी सेवाओं और तकनीक को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करेंगी।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन रिश्तों में मिठास घोलने वाला रहेगा। जीवनसाथी के साथ आपका तालमेल इतना शानदार रहेगा कि छोटी-छोटी बातें भी खुशी दे जाएंगी। घर का माहौल प्यार और अपनापन से भरा रहेगा। समाज और कार्यक्षेत्र में आपकी छवि मजबूत होगी और लोग आपकी बातों को महत्व देंगे। संतान की कोई छोटी-सी इच्छा पूरी करके आप उनके चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं।

वृषभ राशि- आज आपका मन दूसरों की मदद करने और धर्म-कर्म में लग सकता है। किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाकर आपको भीतर से सुकून मिलेगा। हालांकि पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई मामला मन को थोड़ा परेशान कर सकता है। सेहत को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है, इसलिए शरीर के संकेतों को समझें। नया काम शुरू करने का विचार आपके लिए शुभ साबित हो सकता है, लेकिन निवेश सोच-समझकर करें।

मिथुन राशि- आज भाग्य आपके पक्ष में खड़ा दिखाई देगा। धर्म और आध्यात्म की ओर आपका झुकाव बढ़ेगा और मन को गहरी शांति मिलेगी। बच्चों के साथ बिताया गया समय आपको सुकून देगा और व्यस्तता के बीच मुस्कुराने का मौका भी। आज शब्दों का चयन बहुत सोच-समझकर करें, क्योंकि आपकी वाणी ही रिश्तों को मजबूत या कमजोर बना सकती है। माता-पिता के आशीर्वाद से रुके हुए काम पूरे होंगे।

कर्क राशि- आज आपके जीवन में सुख-सुविधाओं की चमक बढ़ती नजर आएगी। अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको ऐसी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसका इंतजार आप लंबे समय से कर रहे थे। हालांकि जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसान करा सकता है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर रखें। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों के लिए आज उम्मीद की किरण जग सकती है।

सिंह राशि- आज सितारे आपको फिजूलखर्ची से बचने की सलाह दे रहे हैं। कुछ लोग आपकी तरक्की देखकर भीतर ही भीतर जल सकते हैं, इसलिए हर किसी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। आय और खर्च के बीच संतुलन बनाकर चलेंगे, तो आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। सेहत से जुड़ी किसी पुरानी परेशानी को अब गंभीरता से लेना जरूरी है। पूजा-पाठ और आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगेगा, जिससे मानसिक तनाव काफी हद तक कम होगा और भीतर सकारात्मक ऊर्जा महसूस होगी।

कन्या राशि- आज आपकी आमदनी में बढ़ोतरी के संकेत हैं और घर में खुशियों की दस्तक सुनाई दे सकती है। परिवार में नए सदस्य के आने की खबर माहौल को उत्साह से भर देगी। प्रेम संबंधों में थोड़ी संवेदनशीलता दिखानी होगी, क्योंकि साथी की भावनाओं को समझना बेहद जरूरी रहेगा। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में आपके लिए फायदे का सौदा साबित हो सकती है।

तुला राशि- आज आपके अधिकांश काम समय पर पूरे होंगे और यही बात आपको भीतर से संतोष देगी। व्यापार में अटकी हुई कोई बड़ी डील आखिरकार फाइनल हो सकती है। हालांकि किसी दूर के रिश्तेदार से जुड़ी खबर मन को थोड़ा उदास कर सकती है। कार्यक्षेत्र में दूसरों की कमियाँ निकालने की बजाय अपने काम पर ध्यान दें, तभी सफलता हाथ लगेगी।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपको यह सिखाएगा कि काम टालना कभी-कभी बड़ा नुकसान करा सकता है। करियर से जुड़ी परेशानियां धीरे-धीरे खत्म होती नजर आएंगी और आपकी समझदारी आपको सही दिशा दिखाएगी। पहले से बनाई गई योजनाएं आज शानदार तरीके से काम करेंगी।

धनु राशि- आज आपका दिन भागदौड़ से भरा रहेगा, लेकिन यही भागदौड़ आगे चलकर सफलता का रास्ता खोल सकती है। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात आपके लिए नए अवसरों के दरवाजे खोल सकती है। आय में सुधार होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। किसी की कही-सुनी बातों पर बिना सोचे भरोसा करना नुकसानदेह हो सकता है।

मकर राशि- आज का दिन घर-परिवार में सुकून और शांति लेकर आएगा। वैवाहिक जीवन में चल रही परेशानियाँ धीरे-धीरे खत्म होंगी और जीवनसाथी का साथ आपको मजबूत बनाए रखेगा। पारिवारिक मामलों को बातचीत के जरिए आसानी से सुलझा लिया जाएगा। हालांकि व्यवसाय से जुड़ी कुछ आने वाली चुनौतियाँ मन में चिंता पैदा कर सकती हैं। यात्रा पर जाएँ तो अपने कीमती सामानों का खास ध्यान रखें, क्योंकि लापरवाही नुकसान दे सकती है।

कुंभ राशि- आज का दिन लाभ और नई संभावनाओं से भरा रहेगा। कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात आपके करियर या व्यवसाय को नई दिशा दे सकती है। आपकी मेहनत रंग लाएगी और लंबे समय से किए गए प्रयासों का फल मिलने लगेगा। शेयर मार्केट या निवेश से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है, लेकिन लालच में आकर बड़ा जोखिम लेने से बचें। समय पर काम पूरा करने की आदत ही आज आपको सफलता दिलाएगी।

शब्दजाल - 8271

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	क	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	ख़ू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	क्र	दो	र	पा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

शब्द जाल में रेखा द्वारा अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए, नाम उपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

सावन भादो, राम बलराम, नियत, सुहाग, ख़ूबसूरत, अगर तुम न होते, झूठी, कर्तव्य, निशान, उमराव जान.

शब्दजाल - 8270 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7215

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेंद्र, रेखा की फिल्म-३,२
५. अजय, तब्बू, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये मर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'कोई आँख दूर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'अपने वतन पास जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहनीश बहल, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नरगिस की फिल्म-२
२३. शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे ख्यालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. शॉनरअली, तरुण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरुख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, मोनिका की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूष खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7214

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

27 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.34 बजे से
चंद्र	कन्या में	कर्क	08.47 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	11.03 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.15 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.26 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.41 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.57 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	22.02 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.48 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मीन	01.21 बजे से
		मेष	02.52 बजे से
		वृष	04.32 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 147 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष शुक्ल
तिथि एकादशी 06.22 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 05.57 बजे को समाप्त।
योग व्यतीपात 03.25 बजे रात्र को समाप्त। करण विष्टि 06.22 बजे तदनन्तर बव 19.07 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 16'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872722
जूलियन दिन 2461187.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हैज तारीख 10
विशेष कमला एकादशी, जवाहरलाल नेहरू पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। www.Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः इंसानियत का कारखाना

एक बार एक सज्जन महान वैज्ञानिक आइंस्टीन के पास आए। उन्होंने कुछ देर तक उनसे इधर-उधर की चर्चा की फिर बोले, 'आज विज्ञान ने एक से बढ़कर एक सुख-सुविधाओं के साधन बनाने में सफलता पा ली है। अब पलक झपकते ही दूरियां तय हो जाती हैं, कुछ ही क्षणों में सुविधाओं की सारी चीजें हमारे पास आ जाती हैं, मगर फिर भी जाने क्या बात है कि समाज में अशांति, असंतोष, कलह व बुराई पहले की अपेक्षा ज्यादा पनप रही है। आखिर इसका क्या कारण है? सुविधाएं अधिक होने पर तो इंसान को प्रसन्न होना चाहिए। उसके मन को शांति व संतोष भी मिलना चाहिए।' उस सज्जन की बातें सुनकर आइंस्टीन बोले, 'मित्र, हमने शरीर को सुख पहुंचाने वाले तरह-तरह के साधनों को खोजने में अवश्य सफलता प्राप्त कर ली है किंतु जीवन में असली सुख-शांति मन-मस्तिष्क को आंतरिक आनंद प्राप्त होने से मिलती है। क्या हमने इंसानियत का ऐसा कोई कारखाना लगाया है, जिससे लोगों के अंदर मर रही संवेदनाओं को जीवित किया जा सके, उनके अंदर त्याग, ममता, करुणा, प्रेम आदि को उत्पन्न किया जा सके? क्या हमने ऐसा कोई कारखाना बनाया है जहां पर मन-मस्तिष्क को आनंद देने वाले साधनों का निर्माण किया जाता हो?' आइंस्टीन की बात सुनकर वह सज्जन चकराए। उन्हें लगा शायद आइंस्टीन ऐसा कोई कारखाना लगाने के बारे में सोच रहे हैं, तभी ऐसी बात कर रहे हैं। लेकिन उन्हें लगा कि यह तो मुमकिन नहीं है। इसलिए कुछ देर सोचने के बाद उन्होंने अपनी जिज्ञासा रखी, 'भला इंसानियत के कारखाने का निर्माण कैसे संभव है? इंसानी भावनाएं तो इंसान के अंदर पनपती हैं मशीन के अंदर नहीं।' उनकी बात सुनकर आइंस्टीन ने मुस्कराते हुए कहा, 'जनाब, बिल्कुल ठीक कहा आपने। अशांति-असंतोष दूर करने के लिए हमें लोगों में इंसानियत की भावना पैदा करने की ओर ध्यान देना होगा। भौतिक साधनों से सुख-शांति कदापि नहीं मिल सकती।' वह सज्जन आइंस्टीन की बात से सहमत हो गए।

सूडोकु नवताल- 7524

★☆☆☆☆ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7523 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 8739

बाएँ से दाएँ

1. कथा, गाथा-3
3. भगौना-3
5. पुष्पहार-2
6. वायदा, कसम-2
8. अभिष्ट इच्छापूर्ति, वर-4
11. योग्य, उपयुक्त-3
13. चिंतन, सोच-विचार-3
14. ताश का एक खेल-2
15. संजय दत्त की पहली फिल्म-2
16. चेहरा, शक्ल-3
18. चाकू, खंजर-3
20. उकसाना, चकमा देना -4
23. लक्ष, सौ हजार-2
25. ईश्वर, भगवान-2
26. विदा, गमन-3
27. लेखनी, पेन-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन-2
2. शांति, वीराना-3
3. चिलमन, ओट, घूंघट-3
4. ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2
5. माजरा, मुद्दा-3
7. आंगन, बरामदा-3
9. भागना (अंग्रेजी-2)
10. चटपटा, क्षारीय-4
12. कारनामा, करिश्मा-4
16. अच्छे सुर का ज्ञाता-3
17. मालिक, स्वामी-2
19. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
21. बेदखल करना-3
22. फिजूल, व्यर्थ-2
24. गधा, गर्दभ -2
25. एक प्रकार की विदेशी शराब-2

शब्द पहेली -8738 का हल

■	ह	ल	क	■	क	ल	र	व
क	द	■	हा	ज	मा	■	■	र
ह	■	बा	जी	■	ल	ब	■	दा
र	च	ना	का	र	■	सा	ल	न
■	र	■	र	■	म	■	ह	■
र	स	इ	■	ता	ली	ब	जा	ना
वा	■	ल	क	■	के	ला	■	ट
म	■	■	ना	ज	ङा	■	ना	क
त	ल	घ	र	■	र	ह	म	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

नहीं बनी बैंक के सामने पार्किंग व्यवस्था

अनेकों शिकायतें... फिर भी स्टेट बैंक के सामने बदइंतजामी बेलगाम

पद्मेश न्यूज। लांजी। लापरवाही अक्सर उस चिंगारी की तरह होती है, जो देर से सही मगर सब कुछ राख कर देती है। लांजी-भिलाई मार्ग पर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मौजूदा तस्वीर मानो इसी चेतावनी को सच साबित करती दिखाई दे रही है। अब सवाल यह नहीं रह गया कि खबरें कितनी छपीं, सवाल यह है कि आखिर जिम्मेदार कब जागेंगे? या फिर किसी बड़ी दुर्घटना के बाद वही घिसा-पिटा मातम और कार्रवाई का दिखावा दोहराया जाएगा। शहर का सबसे व्यस्त लांजी-भिलाई मार्ग इन दिनों बदइंतजामी, लापरवाही और प्रशासनिक बेबसी की ऐसी तस्वीर बन चुका है, जिसे देखकर हर राहगीर के मन में एक ही सवाल उठता है—क्या सिस्टम किसी बड़े हादसे का इंतज़ार कर रहा है? सड़क पर पसरी अवैध पार्किंग, बैंक के सामने फैला अतिक्रमण और रोज़ का जाम अब लोगों की मजबूरी नहीं, बल्कि जिम्मेदारों की नाकामी का खुला इश्तिहार बन चुका है। सबसे ज्यादा सवालों के घेरे में है स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लांजी शाखा, जिसके सामने वर्षों से पसरी अव्यवस्था अब आमजन की सुरक्षा पर सीधा खतरा बनती जा रही है।

नगर परिषद के नोटिस के बाद भी नहीं बदले हालात

हैरानी की बात यह है कि यह कोई नया मुद्दा नहीं है। बीते कई वर्षों में इस समस्या को लेकर सैकड़ों बार समाचार पत्रों, डिजिटल पोर्टलों और न्यूज चैनलों में खबरें प्रकाशित हो चुकी हैं। शिकायतें हुईं, ज्ञापन दिए गए, नगर परिषद ने नोटिस भी थमाए, मगर नतीजा वही ढाक के तीन पात। हालात यह हैं कि नोटिस जारी कर नगर परिषद ने मानो अपना दामन बचा लिया, जबकि सड़क पर बदहाल यातायात व्यवस्था आज भी जस की तस खड़ी है। जिस मार्ग पर बस स्टैंड संचालित होता हो, जहां दिनभर स्कूली बच्चों की आवाजाही रहती हो, व्यापारिक गतिविधियां चरम पर हों, वहां बैंक के सामने सड़क तक खड़े वाहन हर पल खतरे का सबब बने हुए हैं। कई बार बड़े वाहन, एंबुलेंस और स्कूली बसों को निकलने तक में मशक्कत करनी पड़ती है।

बैंक प्रबंधन ने वर्षों से समस्या को किया नज़रअंदाज़

स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर किसी दिन यहां कोई बड़ा हादसा हो गया तो उसकी जवाबदेही आखिर तब किसके माथे मढ़ी जाएगी? लोगों के बीच सबसे ज्यादा नाराज़गी इस बात को लेकर है कि बैंक प्रबंधन ने वर्षों से इस गंभीर समस्या को नज़रअंदाज़ कर रखा है। सवाल यह भी उठ रहे हैं कि जब बैंक परिसर में पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था ही उपलब्ध नहीं थी, तब आखिर ऐसे भवन में बैंक संचालन की अनुमति कैसे दी गई? स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मौजूदा भवन बैंक संचालन के बुनियादी मानकों और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर भी खरा नहीं उतरता। बैंक परिसर के सामने फैला अतिक्रमण और सड़क तक पसरी पार्किंग व्यवस्था कई संदेहों को जन्म देती है।

अन्य बैंकों के भी यही हाल

शहरवासियों का कहना है कि यह केवल स्टेट बैंक तक सीमित समस्या नहीं है। बीच बाजार स्थित सेंट्रल बैंक और महाराष्ट्र बैंक के सामने भी लगभग यही हालात बने हुए हैं, जहां सड़कें धीरे-धीरे पार्किंग स्थल में तब्दील होती जा रही हैं। मगर स्टेट बैंक के सामने की स्थिति सबसे अधिक भयावह मानी जा रही है, क्योंकि यहां यातायात का दबाव कई गुना अधिक रहता है।

गंगा दशमी पर टेमनी में हुआ जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम, विधायक राजकुमार करांहे ने किया शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लांजी। गंगा दशमी के पावन अवसर पर जनपद पंचायत लांजी द्वारा ग्राम पंचायत टेमनी स्थित धोबी बोडी तालाब में जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन सोमवार 25 मई को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक राजकुमार करांहे ने मां सरस्वती एवं भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम के दौरान

जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने सामूहिक श्रमदान किया। तालाब परिसर की साफ-सफाई की गई तथा जल संरक्षण, भूमिगत जल स्तर बढ़ाने, पशु-पक्षियों की सुरक्षा और जनहित के संदेश को मजबूत किया गया। ग्रामीणों को जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूक भी किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने जल है, तो कल है का संदेश देते हुए जल संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में सामूहिक सहभागिता के माध्यम से जल बचाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे, पूर्व जनपद अध्यक्ष अमृतलाल मेश्राम, जनपद सभापति रेवाजी कराहटकर, ग्राम पंचायत टेमनी की सरपंच श्रीमती सुनीता लक्ष्मण कावरे, जनपद प्रतिनिधि महेश मात्रे, रवि दोनाड़कर, मुख्य कार्यपालक अधिकारी अंकित सिंघई, एसडीओ जनपद टी.पी. परते, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा जितेंद्र शेवईवार, बीपीओ लेखराज रामटेकर सहित जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, पंच और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नदी-तालाब संरक्षण के लिए प्रस्फुटन समिति ने निकाली कलश यात्रा

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा गठित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति घंसा, विकासखंड लांजी द्वारा गंगा दशहरा के अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नदी, तालाब एवं कुओं के संरक्षण का संदेश देने हेतु भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर श्री मृणाल मीणा एवं जिला समन्वयक श्री सुशील वर्मन के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में विजय हटीले ने ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व, जल के सदुपयोग तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि कुओं की दुर्दशा, सूखते सहायक नाले, वर्षभर बहने वाली नदियों का कम होता जलस्तर और अटते तालाबों के लिए कहीं न कहीं हम स्वयं जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि लोग 20 रुपए प्रति लीटर पानी खरीदकर पीने को मजबूर हैं और यदि यही स्थिति बनी रही तो भविष्य में पेयजल पर होने वाला खर्च भोजन के बजट से भी अधिक हो जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से जल स्त्रोतों के संरक्षण के प्रति सजग रहने और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल बचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम की रूपरेखा नंदकिशोर गिरिया ने प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि मानव हित में जल, वायु, आकाश और पृथ्वी की शुद्धता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है तथा प्रस्फुटन समिति द्वारा इस दिशा में किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित विद्वान श्री काशी दास गिरिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा संग्राम गिरिया, खेमदास गिरिया, गणेश लील्हारे सहित बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राएं शुभम गेडाम, अनीमा लिल्हारे, किरण चौहान तथा बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बदस्तूर जारी है रेत का अवैध कारोबार

गरीब परेशान व माफिया हो रहें मालामाल

पद्मेश न्यूज। लांजी। बालाघाट जिले में वैधानिक रूप से रेत नही मिलने के चलते अब रेत माफियाओं की जमकर चांदी हो गई है। जिले के लांजी तहसील जो कि महाराष्ट्र राज्य से लगी हुई है और लांजी क्षेत्र के अनेको ग्रामों में रोजाना डंपरो से रेत की सप्लाई प्रारंभ है। दिन हो या रात रेत माफिया बेखौफ होकर क्षेत्र के अनेकों ग्रामों में रेत की सप्लाई कर रहे है। अब यह रेत का कारोबार किसके संरक्षण में फल फुल रहा है यह जांच का विषय है, लेकिन आमगांव मार्ग पर महाराष्ट्र के आमगांव की ओर से रोजाना रात या दिन में डंपरो से रेत आ रही है। कुछ रेत के डंपर तो वन विभाग का जांच नाका भी पार कर रहे है लेकिन यहां भी रेत के डंपरो की जांच नही हो रही है। वहीं अधिकांश डंपर जांच नाका के पूर्व बहेला क्षेत्र के अनेको ग्रामों में जाते देखे जा सकते है। और उसी क्षेत्र से दुसरे ग्रामों में भी रेत की सप्लाई जोरों पर चल रही है।

महंगे दामों में रेत खरीदने को मजबूर जनता

महाराष्ट्र से रेत का अवैध कारोबार फल फुल रहा है तो इससे यह तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि वर्तमान में अनेको निर्माण कार्य चल रहे है जिसमें शासकीय पुल पुलियाओं से लेकर लोग अपने निवास का निर्माण कर रहे हैं। जिसमें रेत कर महत्ती आवश्यकता है और काम रूकना नही चाहिये इसलिये जनता हो या ठेकेदार किसी भी तरह रेत उपलब्धता कर निर्माण कार्य करना चाहती है, इसलिये मजबूरन महंगे दामों में रेत खरीदना पड़ रहा है। सूत्रो के हवाले से खबरे प्राप्त हुई है कि एक डंपर हजारों रूपये में अपने गंतव्य तक पंहुचता है। जिससे निर्माण कार्य करने वालों को 4 गुना अधिक आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। यदि शासन प्रशासन क्षेत्र के रेत घाट वैध रूप से प्रारंभ कर दे तो निश्चित रूप से क्षेत्र की जनता को इस महंगाई के दौर में दोगुना चार गुना आर्थिक बोझ नही झेलना पड़ेगा।

क्षेत्र के अनेको ग्रामीणो ने रोके काम

रेत की उपलब्धता नही होने के चलते क्षेत्र के अनेको गरीब ग्रामीण जनों ने अपने अपने काम रोक दिये है। क्यों कि वे डंपरो से रेत तो खरीद ही नही पायेंगे तथा चोरी छुपे जो ट्रैक्टरों से रेत की सप्लाई हो रही उसके भी दाम अच्छे खासे बढे हुये है ऐसा ग्रामीण जनो का कहना है। इसलिये गरीब परिवारों ने वर्तमान में अपने सभी निर्माण कार्य रोक दिये है। ग्रामीण जनो ने शासन प्रशासन से कहा कि रेत की कालाबाजारी को तत्काल प्रतिबंध लगाया जाये और वैध रूप से रेत का संचालन किये जाने हेतु रेत घाट प्रारंभ किया जाये। सरकार इस महंगाई के दौर में दोहरी मार ना मारे।

ग्राम कुमझर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत निकली कलश यात्रा, जल संरक्षण का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जन अभियान परिषद जिला बालाघाट के जिला समन्वयक सुशील बर्मन एवं विकासखंड समन्वयक श्रीमती वैजयंती कटरे के निर्देशन में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत पचपेड़ी के ग्राम कुमझर में किया गया।गंगा दशहरा के पावन अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में जल पूजन, कलश यात्रा, जल अभिषेक एवं चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां गंगा की पूजा-अर्चना एवं हैंडपंप पूजन से हुई। इसके पश्चात जल कलश यात्रा ग्राम में रैली के रूप में निकाली गई। जो खैरो माता मंदिर पहुंची, जहां जल अभिषेक किया गया।कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा जल के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। लोगों को वर्षा जल संचयन करने, हैंडपंप, नदियों एवं तालाबों को स्वच्छ बनाए रखने का संदेश दिया गया। रैली के माध्यम से जल है तो जीवन है, जल बचाओ-जीवन बचाओ जैसे नारों से ग्रामीणों को जागरूक किया गया।इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं वक्ता ओमप्रकाश टेम्भरे स्थाई पटेल ने कहा कि जल संकट आज एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह जल संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करे।राधन बाई खंडाते पंच ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर तक जल संरक्षण के प्रति लगातार जागरूकता फैलाना आवश्यक है। वहीं प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष दिनेश टेकाम ,तेजलाल टेम्भरे सचिव ने गंगा दशहरा के अवसर पर ग्रामीणों से जल बचाने एवं जल संरक्षण अभियान में सहयोग करने की अपील की।नवा कुंवर संस्था लामता नारी शक्ति महिला संघ की अध्यक्ष इंद्राणी वरकडे ने जल गंगा संवर्धन अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि जल ही जीवन है, जल है तो कल है। उन्होंने बताया कि सुरक्षित जल ही समृद्ध भविष्य का आधार है और जल संदेश रैली एवं संगोष्ठी के माध्यम से जन-जन तक जागरूकता पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।कार्यक्रम में परामर्शदाता रूपचंद बोरीकर ने जल संरक्षण एवं जनजागरूकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल बचाना ही भविष्य बचाना है। उन्होंने लोगों से जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने एवं पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की अपील की।इस कार्यक्रम में , हरिश्चंद्र उइके प्रस्फुटन समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ग्रामीणों ने मिलकर जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत जिले में पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत जिले में विशेष पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 16 मार्च 2026 से 15 जून 2026 तक संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत भारत की हस्तलिखित विरासत का सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण, संरक्षण एवं डिजिटलीकरण का कार्य किया जा रहा है। अभियान को सफल बनाने के लिए जिले के समस्त गणमान्य नागरिकों से अपील की गई है कि यदि जिले के मंदिरों, मठों, आश्रमों, ट्रस्टों, निजी संग्रहों, पुस्तकालयों, शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों में पांडुलिपियाँ उपलब्ध हों, तो इसकी सूचना डॉ. आशा गोहे, विभागाध्यक्ष इतिहास, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट को मोबाइल नंबर 9425831546 पर दें। ज्ञान भारतम् जिला स्तरीय समिति के नोडल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने बताया कि जिन नागरिकों के पास 70 वर्ष से अधिक पुरानी पांडुलिपियाँ हैं, वे इस सर्वेक्षण में भाग लें। उन्होंने कहा कि लोगों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि पांडुलिपियाँ उनके पास ही सुरक्षित रहेंगी। अभियान के अंतर्गत केवल पांडुलिपियों के फोटोग्राफ लेकर उन्हें ज्ञान भारतम् ऐप पर दर्ज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर अपलोड होने के बाद देश-विदेश के लोग इन पांडुलिपियों को एक ही प्लेटफॉर्म पर देख सकेंगे, जिससे भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को वैश्विक पहचान मिलेगी।

नगरवाड़ा में जल गंगा संवर्धन अभियान का आयोजन, जल संरक्षण का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद बालाघाट के जिला समन्वयक सुशील बर्मन एवं विकासखंड समन्वयक वैजयंती कटरे के निर्देशन में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम नगरवाड़ा में जागरूकता एवं जल संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम पंचायत नगरवाड़ा की सरपंच अर्चना राहंगडाले द्वारा नगरवाड़ा तालाब में जल पूजन एवं मां गंगा की पूजा-अर्चना कर किया गया। इसके पश्चात कलश में जल भरकर भव्य कलश यात्रा एवं रैली निकाली गई, जो नगरवाड़ा सभा मंच पहुंची। इस अवसर पर सरपंच अर्चना राहंगडाले ने कहा कि जल है तो कल है और जल ही जीवन है। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जल स्रोतों का संरक्षण, जल संचयन को बढ़ावा देना तथा जन-जन तक जल बचाने का संदेश पहुंचाना है। कार्यक्रम में पूर्व सरपंच चंद्रकांत राहंगडाले, समाजसेवी लक्ष्मण बिसेन, लोकमान चौधरी, पृथ्वी सोनवाने, रोजगार सहायक सीमा लिल्हारे, नवाकुंवर संस्था लामता नारी शक्ति महिला संघ की अध्यक्ष इंद्राणी वरकडे, हरिश्चंद्र उइके, ग्राम विकास पुस्फुटन समिति अध्यक्ष भवन लाल राहंगडाले, सचिव संतोष बिसेन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में परामर्शदाता रूपचंद बोरीकर की उपस्थिति भी विशेष रूप से सराहनीय रही। पूरे आयोजन के दौरान जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन को लेकर लोगों में उत्साह देखने को मिला।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबैंड)

कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

पति समर्थ ने उगल दिया मौत की रात का राज, सामने आई चौंकाने वाली बात

ट्विशा के बदले हुए व्यवहार और उसके ग्लैमर वर्ल्ड से जुड़े होने को वजह बताया

भोपाल। राजधानी में मॉडल और अभिनेत्री ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामला अब सीबीआई ने संभाल लिया है। सोमवार को सीबीआई ने भोपाल पुलिस से केस डायरी और तमाम दस्तावेज अपने कब्जे में लेकर नए सिरे से एफआईआर दर्ज की है। इस घटनाक्रम के बीच, भोपाल की कटारा हिल्स पुलिस की 7 दिन की रिमांड ट्विशा के पति समर्थ सिंह से पूछताछ की जिसमें कई चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक समर्थ पूछताछ में ज्यादातर वही जवाब दे रहा है, जो शुरुआत से उसकी मां गिरीबाला सिंह कहती आई हैं। उसने पूरी घटना के पीछे ट्विशा के बदले हुए व्यवहार और उनके ग्लैमर वर्ल्ड से जुड़े होने को वजह बताया है। समर्थ ने बताया कि शादी के बाद शुरुआती दिनों में उसके और ट्विशा के बीच रिश्ते पूरी तरह सामान्य थे। विवाद की शुरुआत 17 अप्रैल से हुई, जब ट्विशा को पता चला कि वह प्रेग्नेंट है। इसके बाद उसका व्यवहार अचानक बदल गया। समर्थ ने पुलिस के सामने दावा किया कि ट्विशा अक्सर मॉडलिंग और एक्टिंग से जुड़े होने की दुहाई देती थी। वह कहती थी कि वह एक साधारण घरेलू महिला वाली जिंदगी नहीं जी सकती और यह उसके लिए मुश्किल है। समर्थ के मुताबिक इसी बात को

लेकर अक्सर कहासुनी होती थी।

पूछताछ में समर्थ ने अप्रैल महीने की एक घटना का जिक्र करते हुए दोनों के बीच बढ़ती दूरियों की बात कही। समर्थ ने बताया कि अप्रैल में हमें एक साथ बेंगलुरु जाना था, लेकिन ऐन वक्त पर ट्विशा ने जाने से इनकार कर दिया और कहा कि उसे अपने भाई के पास अजमेर जाना है। समर्थ ने बताया कि वह अकेले बेंगलुरु चला गया और ट्विशा अजमेर के लिए निकल गई, लेकिन बाद में उसे पता चला कि ट्विशा अजमेर में सिर्फ एक दिन रुकी और उसे बिना बताए दिल्ली चली गई। इस बात को लेकर जब समर्थ ने आपत्ति जताई, तो दोनों के बीच विवाद और ज्यादा बढ़ गया।

ट्विशा की मौत वाली रात की कहानी बयां करते हुए समर्थ ने पुलिस को बताया कि उस दिन सब कुछ सामान्य था। उसने दावा किया कि रात को खाना खाने के बाद दोनों कुछ देर सोसाइटी के पार्क में टहले और फिर घर लौटकर टीवी देखने लगे। समर्थ ने दावा करते हुए कहा कि कुछ देर बाद वह सोने चला गया, जबकि ट्विशा नीचे जाकर अपने परिजनों से फोन पर बात करने लगी। देर रात मेरी मां गिरिबाला ने मुझे जगाया और कहा कि ट्विशा की मां का फोन आया था कि वह फोन नहीं उठा रही है।

समर्थ के मुताबिक जब दोनों ने घर में ट्विशा को ढूंढना शुरू किया, तो वह छत पर फंदे से लटकी मिली। समर्थ का दावा है कि उसने और उसकी मां ने मिलकर ट्विशा को फंदे से नीचे उतारा, सीपीआर दिया और तुरंत भोपाल एम्स लेकर भागे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद फरार हुए समर्थ ने पुलिस को बताया कि वह एक हफ्ते से ज्यादा समय तक जबलपुर में छिपा रहा। पकड़े जाने के डर से उसने अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल पूरी तरह बंद कर दिया था ताकि पुलिस उसकी लोकेशन ट्रेस न कर सके। समर्थ के इस कबूलनामे के बाद अब भोपाल पुलिस और सीबीआई के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि फरारी के दौरान जबलपुर में समर्थ को किसने पनाह दी और उसकी मदद की? हालांकि, समर्थ ने अपने मददगारों के नाम उगलने से इनकार कर दिया है।

बता दें इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए सोमवार को सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि एक महिला की असामयिक मौत बेहद गंभीर विषय है और इसकी सच्चाई सामने आना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि वह इस मामले में अफवाहों और अटकलों से बचना चाहता है। कोर्ट ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि बेटी को खोने का दर्द असहनीय होता है और कोर्ट परिवार की पीड़ा को समझती है। सुप्रीम कोर्ट ने निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि ऐसे संवेदनशील मामलों में जांच एजेंसियों को अत्यंत जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ काम करना चाहिए।

सोच समझकर करेंआपत्तिजनक पोस्ट पर लाइक, कमेंट या शेयर, हो सकती है जेल

- पुलिस कमिश्नर ने जारी किये प्रतिबंधात्मक आदेश

भोपाल। सोशल मीडिया पर पोस्ट किये जा रहे नफरत और आपत्तिजनक पोस्ट पर अंकुश लगाने के लिये भोपाल पुलिस ने सख्त कदम उठाए हैं। बीते दिनो कई शहरो में सोशल मीडिया पर फैलाई गई अफवाहो के माध्यम से बिगड़े माहौल और संभावित सांप्रदायिक तनाव को संज्ञान में लेते हुए पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत भोपाल में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिए गए हैं। आदेश के तहत अब न सिर्फ भड़काऊ पोस्ट डालना, बल्कि ऐसे पोस्ट को लाइक, शेयर या फॉरवर्ड करना भी अपराध की श्रेणी में आएगा। पुलिस के अनुसार फेसबुक, वॉट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय कुछ असामाजिक समूह धार्मिक और जातिगत भावनाएं भड़काने वाले संदेश, फोटो और वीडियो प्रसारित कर रहे हैं। इन गतिविधियों से दो समुदायों के बीच वैमनस्यता बढ़ने और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका जताई गई है। कमिश्नर ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि अक्सर मूल पोस्ट से ज्यादा उसके कमेंट और क्रॉस-कमेंट माहौल बिगाड़ते हैं। बिना जिम्मेदारी के किए गए द्वेषपूर्ण और अश्लील कमेंट समाज में तनाव पैदा कर रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सोशल मीडिया गतिविधियों पर व्यापक नियंत्रण लागू किया गया है।

आपत्तिजनक पोस्ट पर लाइक, कमेंट, शेयर करना भी अपराध

जारी आदेश में कहा गया है की धार्मिक, सामाजिक या जातिगत भावनाएं भड़काने वाले किसी भी कंटेंट को शेयर करना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा, आपत्तिजनक पोस्ट पर लाइक, कमेंट, शेयर या फॉरवर्ड करना भी अपराध माना जाएगा। यह भी कहा गया है की अपने समूह में ऐसे कंटेंट को रोकने की जिम्मेदारी ग्रुप एडमिन की है, और अफवाह फैलाने या तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रसारित करने वालो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

बिना पहचान के इंटरनेट उपयोग न करने दे साइबर कैफे संचालक

आदेश में साइबर कैफे संचालकों के लिए भी सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। बिना वैध पहचान पत्र के किसी भी व्यक्ति को इंटरनेट उपयोग की अनुमति नहीं होगी। हर उपयोगकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर और पहचान विवरण रजिस्टर में दर्ज करना अनिवार्य होगा। साथ ही, वेब कैमरा से फोटो रिकॉर्ड रखना भी जरूरी किया गया है। इस आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत दंडनीय अपराध होगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और आगामी दो माह तक प्रभावी रहेगा, जब तक इसे वापस नहीं लिया जाता। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह आदेश एकपक्षीय रूप से जारी किया गया है। हालांकि, इससे प्रभावित व्यक्ति धारा 163 के तहत पुलिस आयुक्त के न्यायालय में अपील कर सकता है।

बरगी क्रूज हादसे की न्यायिक जांच शुरू

जबलपुर। बरगी डैम में 30 अप्रैल को हुए क्रूज हादसे की न्यायिक जांच अब औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट के कमरा नंबर 43 में जांच आयोग के अध्यक्ष जस्टिस संजय द्विवेदी के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने हादसे से जुड़े कई महत्वपूर्ण कानूनी और तकनीकी बिंदु आयोग के सामने रखे। इस हादसे में 13 पर्यटकों की मौतें हुई थी।

मंच के अध्यक्ष डॉ. पीजी नाजपांडे और अधिवक्ता वेदप्रकाश अधौलिया ने आयोग के समक्ष दायर याचिका में कहा कि इंडियन वेसेल्स एक्ट 2021 के तहत ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जो जांच प्रक्रिया पूरी होने से पहले किसी दुर्घटनाग्रस्त क्रूज को नष्ट करने की अनुमति देता हो। साथ ही जिला प्रशासन को भी किसी हादसे का शिकार हुए क्रूज को जांच से पहले नष्ट करने का कानूनी अधिकार नहीं है।

वैधानिक पहलुओं को जांच में शामिल किया जाएगा

आयोग ने इन बिंदुओं को गंभीरता से लेते हुए कहा कि नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच द्वारा उठाए गए सभी वैधानिक पहलुओं को जांच में प्रमुखता से शामिल किया जाएगा। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि आगामी सुनवाई में मंच को अपनी बात रखने का पूरा अवसर दिया जाएगा।

मप्र के चीतों से गुलजार होंगे गुजरात, राजस्थान सहित चार राज्य

भोपाल । मप्र के कूनो की शान बने चीतों को तीन अन्य राज्यों में भी बसाने की प्लानिंग की जा रही है। इसकी शुरुआत जल्द ही मध्य प्रदेश से सटे गुजरात से की जा रही है। गुजरात के बन्नी में चीतों को बसाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। गुजराज के बाद राजस्थान, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश के जंगलों में भी बसाया जाएगा। मध्य प्रदेश के गांधी सागर को मिलाकर कूनो नेशनल पार्क में अभी 53 चीते घूम रहे हैं। इनमें से एक राजस्थान की सीमा में जबकि शेष मध्य प्रदेश में हैं।

मध्य प्रदेश के बाद जल्द ही गुजरात के बन्नी में चीतों को बसाए जाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। गुजरात के कच्छ इलाके के बन्नी में चीतों को बसाया जाएगा। इसके लिए एनटीसीए पहले ही अनुमति दे चुका है। बन्नी में अगले एक साल में 12 चीतों को बसाए जाने की रणनीति पर काम किया जा रहा है। मध्य प्रदेश के बाद गुजरात दूसरा राज्य बन जाएगा, जहां चीते होंगे। माना जा रहा है कि मध्य प्रदेश के कूनो से कुछ चीतों को बन्नी ट्रांसलोकेशन किया जा सकता है और बन्नी के घास के मैदान चीतों को खूब पसंद आएंगे। बन्नी में चीतों को बसाए जाने के पहले गुजरात का वन अमला कूनो से जुड़ी बारीकियों को समझने के लिए दो बार कूनो आ चुका है। इसके अलावा कूनो प्रबंधन भी बन्नी जाकर वहां की व्यवस्थाओं को देख चुका है।

बन्नी के बाद राजस्थान, छत्तीसगढ़ और यूपी में पहुंचेंगे चीते

कूनो टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर उत्तम शर्मा कहते हैं कि चीता हमेशा से भारत की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर का केन्द्र रहा है। प्रदेश के खरबई में 6 हजार साल पहले की पेंटिंग में चीता दिखाया गया है, जो दिखाता है कि हिमालयी क्षेत्र को छोडकर पूरे देश में चीता पाया जाता था। इसलिए चीता को मध्य प्रदेश के अलावा दूसरा क्षेत्र भी पसंद आएगा। एमपी में अभी चीता कूनो के आसपास के 5 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में घूम रहा है। कूनो से निकलकर कई चीते राजस्थान तक पहुंचे बाद में वापस भी आए गए। चीता को गुजरात के बाद उत्तर प्रदेश के संजय डुबरी के क्षेत्र में भी बसाए जाने की योजना है। यह क्षेत्र मध्य प्रदेश की सीमा से सटा हुआ है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के गुरु घासीदास नेशनल पार्क, राजस्थान के बांरा स्थित शेरगढ़ वन्यजीव अभ्यारण्य में भी बसाए जाने की योजना है। कूनो से निकलकर केपी-2 और केपी 3 शेरगढ़ के जंगलों में पहुंच चुके हैं। राजस्थान में आखिरी बार चीता को 1949 में देखा गया था, लेकिन अब चीतों की आवाजादी चीता कॉरिडोर की नई उम्मीदें जगा रहा है।

मप्र में 18 हजार वर्ग किलोमीटर में घूमेंगे चीता

मध्य प्रदेश में अभी चीता 5 हजार वर्ग किलोमीटर में घूम रहे हैं। यह पूरा एरिया कूनो के आसपास लगा जंगली क्षेत्र है। उत्तम शर्मा कहते हैं, कूनो से गांधीसागर के बाद जल्द ही नौरादेही भी चीतों का नया घर बनने जा रहा है। उधर नौरादेही के बाद माधव नेशनल पार्क में भी चीतों को बसाए जाने की तैयारी है। इसके अलावा विभाग कूनो गांधी सागर मेटापॉपुलेशन लैंडस्केप को चीतों के लिए विकसित करने की तैयारी कर रहा है। कूनो से लेकर गांधी सागर तक का यह 18 हजार वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र होगा, इसको तैयार किए जाने का काम चल रहा है।

कांग्रेस चलाएगी ऑनलाइन युवा सदस्यता अभियान

- शिक्षा, नीट और पेपर लीक जैसे मुद्दो लेकर युवाओं को पार्टी से जोड़ेगी पार्टी

भोपाल। मप्र कांग्रेस ने युवाओं से सीधे जुडने की रणनीति तैयार की है। कांग्रेस की एनएसयूआई विंग प्रदेश भर के कॉलेजों में अब युवाओं को जोडने के लिए ऑनलाइन सदस्यता अभियान शुरू करने जा रही है। सदस्यता अभियान के बाद एनएसयूआई के संगठनात्मक चुनाव कराएगी। कांग्रेस ने इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली है। कॉलेज के नए साल की शुरूआत के साथ ही कांग्रेस शिक्षा व्यवस्था में गड़बड़ी, नीट जैसी परीक्षा के लगातार पेपर लीक, बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर युवाओं को पार्टी से जोड़ेगी। इसके बाद कॉलेज, जिला, संभाग और प्रदेश स्तरीय चुनाव भी कराए जाएंगे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए इलेक्शन कमेटी का गठन कर दिया है। कांग्रेस ने 11 साल पहले प्रदेश ने एनएसयूआई के संगठनात्मक चुनाव कराए थे।

रजिस्ट्रेशन के लिए ऑनलाइन ऐप तैयार करा रही पार्टी

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन द्वारा प्रदेश भर में युवाओं को जोडने के लिए 1 माह का अभियान शुरू किया जा रहा है। इसके माध्यम से प्रदेश भर के कॉलेजों में युवाओं को संगठन से जोड़ा जाएगा। इस अभियान के लिए एक मोबाइल ऐप भी तैयार किया जा रहा है। इसके जरिए स्टूडेंट्स ऑनलाइन संगठन की सदस्यता ले सकेंगे। यह अभियान एक माह तक चलेगा। सदस्यता अभियान के बाद शैक्षणिक संस्थानों में संगठनात्मक चुनाव भी कराए जाएंगे। चुनाव की प्रक्रिया भी ऑनलाइन होगी। इसमें स्टूडेंट्स ऑनलाइन वोटिंग कर सकेंगे। चुनाव के लिए आयु सीमा भी अधिकतकम 27 साल तय की गई है। स्टूडेंट्स को एनएसयूआई विभिन्न पदों पर चुनाव लडने का अधिकार मिलेगा।

2015 में आखिरी बार हुआ था संगठनात्क चुनाव

एनएसयूआई के प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी कहते हैं कि मध्य प्रदेश में सरकार प्रत्यक्ष रूप से छात्र संघ चुनाव ही नहीं कराना चाहती, जबकि लंबे समय से इसको लेकर एनएसयूआई द्वारा मांग उठाई जाती रही है। सरकार की बेरूखी को देखते हुए एनएसयूआई पूरे मध्य प्रदेश में अपना संगनात्मक चुनाव कराने जा रही है, ताकि राजनीति में रूचि रखने वाले युवाओं को आगे बढने का प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जा सके। कांग्रेस ने इसके पहले 2015 में एनएसयूआई के संगठनात्मक चुनाव कराए थे। अब करीब 11 साल बाद कांग्रेस जिला, संभाग और प्रदेश स्तरीय संगठनात्मक चुनाव कराएगी।

कलेक्टर्स आबकारी नीति का कड़ाई से कराएं पालन- उप मुख्यमंत्री देवड़ा

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने जिलों के कलेक्टर्स को आबकारी व्यवस्था का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शासन ने वर्ष 2026-27 की आबकारी नीति के प्रावधानों को जमीनी स्तर पर पूरी तरह लागू करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। उप मुख्यमंत्री देवड़ा निर्देश दिए हैं कि आबकारी विभाग अब अवैध रूप से संचालित शॉप बार, समय सीमा के उल्लंघन और ओवर रेटिंग जैसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य व्यापी विशेष अभियान चलाया जाए। नियमों की अनदेखी करने वाले मदिरा ठेकेदारों और अधिकारियों के खिलाफ कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि प्रदेश में राजपत्र में प्रकाशित नियमों के अनुसार आबकारी नीति का कड़ाई से पालन कराया जाएं। उन्होंने आबकारी विभाग की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मुख्यालय ने सभी जिला अधिकारियों को बिंदुवार दिशा-निर्देश जारी कर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। सरकार के इस कदम से अवैध रूप से मदिरा का विक्रय और उपभोग कराने वाले तत्वों पर शिकंजा कसेगा।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि नीतिगत प्रावधानों में प्रदेश की सभी कम्पोजिट मदिरा दुकानों को पूरी तरह ऑफ श्रेणी का घोषित किया गया है, जिसके तहत दुकान परिसर या उसके आसपास मदिरा सेवन की सुविधा उपलब्ध कराना पूरी तरह प्रतिबंधित है। उन्होंने

नियमों के उल्लंघन करने की शिकायतों की सघन जांच के लिए विशेष दलों का गठन कर औचक निरीक्षण के बाद अवैध अहातों और उपभोग स्थलों को बंद करने के निर्देश दिये।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि इसके साथ ही, मदिरा दुकानों के निर्धारित समय से पहले खुलने और बंद होने के तय वक्त के बाद भी देर रात तक मदिरा की बिक्री किए जाने के मामलों को गंभीरता से लिया गया है। राजपत्र में निर्धारित समय सीमा का कड़ाई से पालन कराने के लिए पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीमें गश्त करेंगी। वहीं, उपभोक्ताओं से तय मूल्य से अधिक राशि वसूलने यानी ओवर रेटिंग की शिकायतों पर रोक लगाने के लिए प्रत्येक दुकान पर विक्रय दरों का प्रदर्शन अनिवार्य किया गया है। उन्होंने निर्देशित किया कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मदिरा की वास्तविक दरों के सत्यापन के लिये दुकानों पर क्यूआर कोड चस्पा किए जाएं। कोई भी ठेकेदार यदि निर्धारित दर से अधिक कीमत पर मदिरा बेचता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ राजपत्र के प्रावधानों के तहत भारी जुर्माना और लाइसेंस निलंबन जैसी दंडात्मक कार्रवाई की जाएं।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा है कि प्रदेश के पवित्र घोषित किए गए नगरों और क्षेत्रों में मदिरा की अवैध बिक्री पर भी पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश दिए गये हैं। इन प्रतिबंधित क्षेत्रों में पूर्व से ही मदिरा दुकानों को पूरी तरह बंद रखने के आदेश लागू हैं। अब वहां किसी भी प्रकार के शराब के अवैध परिवहन या बिक्री को रोकने के लिए निगरानी तंत्र को और अधिक मजबूत किया जा रहा है।

'अध्यक्ष' नहीं लड़ेंगा चुनाव!

-मिशन 2028 के लिए भाजपा ने तैयार की गाइडलाइन

भोपाल। मप्र में भाजपा अब धीरे-धीरे चुनाव मोड में आने लगी है। 2027 में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव के साथ ही भाजपा ने मिशन 2028 की तैयारी भी तेज कर दी है। पार्टी का खास फोकस विधानसभा चुनाव पर है। इसके लिए पार्टी ने टिकट वितरण की गाइडलाइन भी तय बना ली गई है। सूत्रों के मुताबिक निगम-मंडलों और बोर्डों में नियुक्त किए गए अध्यक्षों और उपाध्यक्षों को आगामी विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलेगा। पार्टी ने नियुक्ति से पहले ही इन नेताओं से एक तरह का राजनीतिक कमिटमेंट और अंडरटेकिंग लिया है कि वे संगठन के लिए काम करेंगे तथा विधानसभा चुनाव में टिकट की दावेदारी नहीं करेंगे। लेकिन ये सभी पदाधिकारी विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी के लिए पूरा दमखम लगाएंगे।

गौरतलब है कि मप्र ने 2028 विधानसभा चुनाव को लेकर पहले से सियासी बिसात बिछाना शुरू कर दिया है। पार्टी सत्ता और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ चुनावी तैयारियों को समय से पहले धार देने की रणनीति पर काम कर रही है। इसी रणनीति के तहत हाल ही में प्रदेश सरकार ने विभिन्न निगम, मंडल, बोर्ड और आयोगों में नेताओं की नियुक्तियां की हैं, लेकिन इन नियुक्तियों के साथ भाजपा ने एक बड़ा और सख्त राजनीतिक संदेश भी दे दिया है। यानी ये पदाधिकारी चुनाव नहीं लड़ेंगे। भाजपा का मानना है कि यदि इन पदाधिकारियों को चुनावी टिकट की उम्मीद रहेगी तो वे अपने व्यक्तिगत राजनीतिक हितों को प्राथमिकता देंगे, जबकि पार्टी उन्हें संगठन विस्तार और कमजोर क्षेत्रों को मजबूत करने के मिशन में लगाना चाहती है। प्रदेश सरकार ने करीब 18 विभागों से जुड़े 63 से अधिक नेताओं को विभिन्न निगम-मंडलों, प्राधिकरणों और आयोगों में जिम्मेदारी दी है। इनमें कई ऐसे चेहरे शामिल हैं जो पिछले विधानसभा चुनाव में हार गए थे या लंबे समय से संगठन में सक्रिय भूमिका की अपेक्षा कर रहे थे। राजनीतिक गलियारों में इन नियुक्त्यिों को एक तरह से राजनीतिक पुनर्वास के रूप में भी देखा जा रहा है। हालांकि भाजपा नेतृत्व ने साफ कर दिया है कि इन पदों पर बैठाए गए नेताओं की भूमिका केवल सम्मानजनक समायोजन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उन्हें संगठनात्मक मोर्चे पर सक्रिय जिम्मेदारी निभानी होगी।

नो होम टर्फ रणनीति पर भाजपा

भाजपा इस बार चुनावी रणनीति में बड़ा बदलाव करते हुए नो होम टर्फ फार्मूले पर काम कर रही है। इसके तहत निगम-मंडल अध्यक्षों और उपाध्यक्षों को उनके गृह क्षेत्र या पसंदीदा विधानसभा क्षेत्र में जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। पार्टी उन्हें उन सीटों पर भेजेगी जहां पिछले चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था या जहां संगठन कमजोर माना जा रहा है। भाजपा रणनीतिकारों का मानना है कि बाहरी नेता को जिम्मेदारी देने से स्थानीय गुटबाजी, आपसी खींचतान और भीतरघात की संभावना कम होगी। साथ ही नया प्रभारी स्थानीय समीकरणों से प्रभावित हुए बिना संगठन को मजबूत करने पर फोकस कर सकेगा। पार्टी का उद्देश्य है कि हर कमजोर विधानसभा क्षेत्र में अगले ढाई से तीन वर्षों तक लगातार राजनीतिक गतिविधियां चलती रहें ताकि चुनाव आते-आते संगठन पूरी तरह सक्रिय और मजबूत स्थिति में दिखाई दे।

ढाई साल पहले शुरू हुई चुनावी तैयारी

आमतौर पर राजनीतिक दल चुनाव से कुछ महीने पहले संगठनात्मक गतिविधियां तेज करते हैं, लेकिन भाजपा ने इस बार 2028 विधानसभा चुनाव के लिए लगभग तीन साल पहले ही मोर्चाबंदी शुरू कर दी है। पार्टी ने निगम-मंडलों में नियुक्त नेताओं को बूथ प्रबंधन, कार्यकर्ता समन्वय, जनसंपर्क अभियान और स्थानीय मुद्दों पर पकड़ मजबूत करने का लक्ष्य दिया है। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि यदि कोई नेता लंबे समय तक किसी क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहता है तो वहां संगठन को स्थायी मजबूती मिलती है। यही वजह है कि पार्टी ने इन पदाधिकारियों को केवल औपचारिक जिम्मेदारी न देकर सीधे जमीनी राजनीति में उतारने की तैयारी की है। संगठन चाहता है कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में बूथ स्तर तक सक्रिय नेटवर्क तैयार हो, ताकि चुनाव के समय अलग से तैयारी करने की जरूरत न पड़े।

नगरीय निकाय चुनाव सत्ता का सेमीफाइनल

भाजपा की रणनीति केवल विधानसभा चुनाव तक सीमित नहीं है। पार्टी 2026-27 में होने वाले नगरीय निकाय चुनावों को भी विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल मानकर चल रही है। यही कारण है कि संगठन ने अभी से नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद स्तर पर चुनावी तैयारी शुरू कर दी है। हाल ही में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने मोर्चा प्रभारियों और संभाग प्रभारियों की बैठक लेकर नगरीय निकाय चुनावों की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में संगठन के सभी प्रमुख पदाधिकारियों को शहरी क्षेत्रों में सक्रियता बढ़ाने और कमजोर वार्डों की पहचान कर वहां विशेष फोकस करने के निर्देश दिए गए। भाजपा का लक्ष्य इस बार केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि शहरी वोट बैंक को स्थायी रूप से मजबूत करना है।

नाबार्ड के सॉफ्टवेयर से जुड़ेंगी 5207 सहकारी समितियां

- सहकारी समितियों पर अब होगा दिल्ली नियंत्रण

भोपाल। प्रदेश की 5207 सहकारी समितियों को अब नाबार्ड के डिजिटल सॉफ्टवेयर सिस्टम से जोड़ा जाएगा। इस नई व्यवस्था के तहत समितियों के कामकाज, लेन-देन, खाद-बीज वितरण और किसानों को दिए जाने वाले ऋण की पूरी जानकारी ऑनलाइन दर्ज होगी। सरकार का दावा है कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और गड़बड़ियों पर रोक लग सकेगी।

हालांकि, इस फैसले को लेकर सहकारी क्षेत्र में चिंता भी बढ़ रही है। कई समितियों के पदाधिकारियों का कहना है कि अब स्थानीय स्तर पर फैसले लेने की स्वतंत्रता कम हो जाएगी और दिल्ली से सीधे निगरानी बढ़ेगी। किसानों को आशंका है कि तकनीकी खामियों या नेटवर्क समस्या के कारण खाद और ऋण वितरण प्रभावित हो सकता है।

जानकारी के अनुसार, नाबार्ड ने डिजिटल सिस्टम लागू करने के लिए हजारों करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इसके तहत समितियों में कंप्यूटर, इंटरनेट और ऑपरेटर की व्यवस्था की जा रही है। सरकार का कहना है कि इससे भ्रष्टाचार कम होगा और किसानों को योजनाओं का लाभ तेजी से मिलेगा। वहीं विपक्ष इसे सहकारी संस्थाओं पर केंद्रीकृत नियंत्रण बढ़ाने की कोशिश बता रहा है।

सनराइजर्स और रॉयल्स के बीच आज मुकाबले में टक्कर

मुल्लांपुर। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनों ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार हैं। सनराइजर्स की ताकत उसकी आक्रामक बल्लेबाजी है उसके पास अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड और हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। अभिषेक ने 563 रन, हेड ने 393 रन और ईशान किशन ने 569 रन बनाये हैं। इसके अलावा क्लासेन ने 606 रन बनाये हैं।

इन बल्लेबाजों को हालांकि रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और स्पिनर रवि बिश्नोई से सावधान रहना होगा। सनराइजर्स ने लीग स्तर में खराब शुरुआत के बाद भी वापसी करते हुए दूसरे चरण में शानदार प्रदर्शन कर यहां तक का सफर तय किया है जिसके उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। नियमित कप्तान पैट कमिंस के आने से टीम की गेंदबाजी की परेशान भी दूर हुई है। कमिंस शुरुआती मैचों से बाहर थे पर उनके आने के बाद टीम ने अंतिम सात मैचों में से पांच में जीत हासिल की। सनराइजर्स ने लीग चरण में राजस्थान रॉयल्स को दो बार हराया था जिससे उसे इस मुकाबले के लिए मानसिक रुप से बढ़त मिल गयी है। वहीं रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स का प्रदर्शन लीग स्तर में उतार-चढ़ाव से भरा रहा है हालांकि टीम ने किया प्रकार से यहां तक क सफर तय कर लिया है। ऐसे में अब वह कोई गलती नहीं करना चाहेंगे। टीम के पास वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल जैसे शानदार बल्लेबाज हैं। वैभव ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए रन बनाये हैं। वहीं यशस्वी ने 397 रन बनाये हैं। ध्रुव जुरेल ने भी 458 रनों की पारी खेली है।

सनराइजर्स के आक्रामक रुख को देखते हुए रॉयल्स की टीम इस मैच में नई रणनीति से उतरेगी। टीम के कोच कुमार संगकारा का कहना है कि इस मैच में पूरी ताकत से उतरेंगी। टीम को उम्मीद रहेगी कि

आर्चर मैच में बेहतरीन गेंदबाजी करें। इसके अलावानांद्रे बर्गर और बृजेश शर्मा से भी गेंदबाजी में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं राजस्थान के बल्लेबाजों विशेषकर वैभव पर अंकुश लगाने का प्रयास सनराइजर्स के कमिंस, ईशान मलिंगा करेंगे। दोनों ही टीमों के बल्लेबाजों का लक्ष्य इस मैच के पावर प्ले में अधिक से अधिक रन बटोरना रहेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोने के बीच 23 मुकाबले हुए हैं जिसमें सनराइजर्स ने 14 जबकि रॉयल्स ने केवल 9 जीते हैं।

टीमें -

सनराइजर्स हैदराबाद = पैट कमिंस (कप्तान), ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, स्मरण रविचंद्रन, अनिकेत वर्मा, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, कामिंदु मेंडिस, नितीश कुमार रेड्डी, ईशान मलिंगा, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल, जीशान अंसारी, सलिल अरोड़ा, साकिब हुसैन, अमित कुमार, प्रफुल्ल हिंगे, क्रेन्स फुलेट्रा, लियाम लिविंगस्टोन, शिवांग कुमार, ओंकार तरमाले, दिलशान मदुशंका, गेराल्ड कोएत्जी, आरएस अंबरीश।

राजस्थान रॉयल्स = रियान पराग (कप्तान), शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, सुशांत मिश्रा, विग्नेश पुथुर, अमन राव पेराला, ब्रिजेश शर्मा, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, यशराज पुंजा, इमानजोत सिंह चहल।

आईपीएल से बाहर होने से निराश श्रेयस अय्यर ने जारी किया भावुक संदेश

मुम्बई । आईपीएल के 19 सत्र में शानदार शुरुआत के बाद भी प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाने से निराश टीम के कप्तान कप्तान श्रेयस अय्यर ने सोशल मीडिया पर एक बेहद भावुक वीडियो और संदेश साझा किया, जो तुरंत वायरल हो गया। इस वीडियो में उन्होंने पूरे सीजन के खास पलों को दिखाया और अपने संदेश में लिखा, टीम के बाहर होने के बाद, कप्तान श्रेयस अय्यर ने सोशल मीडिया पर एक बेहद भावुक वीडियो और संदेश साझा किया, जो तुरंत वायरल हो गया। इस वीडियो में उन्होंने पूरे सीजन के खास पलों को दिखाया और अपने संदेश में हर रन, हर पल और हर संघर्ष के लिए आभार व्यक्त किया और यह साफ कर दिया कि यह अध्याय भले ही खत्म हुआ हो, लेकिन अगली शुरुआत और भी ज्यादा भूख के साथ होगी। सोशल मीडिया पर उनके प्रशंसकों ने लगातार कप्तान की हौसलाअफजाई की, उनके दृढ़ संकल्प को सराहना की और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

पंजाब का अभियान उम्मीदों से कहीं अधिक उतार-चढ़ाव भरा रहा, जो प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने के साथ समाप्त हुआ। शानदार शुरुआत के बावजूद यह टीम 10 टीमों की अंक तालिका में पांचवें स्थान पर रही। उनकी उम्मीदों पर तब पानी फिरा जब राजस्थान रॉयल्स ने अपने अंतिम लीग मुकाबले में मुंबई इंडियंस को हराकर चौथा स्थान हासिल कर लिया। राजस्थान रॉयल्स के 16 अंक रहे, जबकि पंजाब किंग्स 15 अंकों पर ही थम गई, केवल एक अंक से प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। एक समय पर पंजाब किंग्स शानदार लय में नजर आ रही थी और कई विशेषज्ञों ने उन्हें प्लेऑफ के प्रबल दावेदार के रूप में देखा था। टीम ने लगातार छह मुकाबले जीतकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान तक अपनी जगह बना ली थी, जिससे प्रशंसकों में भारी उत्साह था। हालांकि, इसके बाद टीम का प्रदर्शन अचानक पटरी से उतर गया। उन्हें लगातार छह हार झेलनी पड़ीं, जिसने प्लेऑफ की दौड़ को बेहद मुश्किल बना दिया। टीम ने अंतिम लीग मैच जीतकर वापसी की एक कमजोर कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और किस्मत उनके हाथ से निकल चुकी थी।

कप्तान श्रेयस ने बल्ले से असाधारण प्रदर्शन किया। उन्होंने 14 मैचों में शानदार 498 रन बनाए, जो उनकी बेहतरीन फॉर्म का प्रमाण है। श्रेयस का औसत 55.33 रहा, जबकि उनका स्ट्राइक रेट 168.81 का प्रभावशाली था। इस सीजन उन्होंने एक शानदार शतक और चार अर्धशतक लगाए। भले ही पंजाब किंग्स प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकी, लेकिन टीम ने कई मुकाबलों में अपनी दमदार क्रिकेट और जुझारूपन का परिचय दिया। अब फ्रेंचाइजी अगले सीजन के लिए नई रणनीति के साथ मैदान में उतरने और अपनी गलतियों से सीखने की तैयारी कर रही है।

आरसीबी को लेकर भावुक हुए यश दयाल, टीम के साथ नहीं होने की कमी महसूस कर रहे

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से पिछले सत्र में शानदार गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाज यश दयाल इस बार निजी कारणों से टीम में नहीं है। यश का कहना है कि वह अपनी टीम को टीवी पर ही खेलते देखे रहे हैं। उन्हें इस बार लीग में नहीं खेल पाने का दुख भी है। इस दौरान इस तेज गेंदबाज ने कई भावुक बातें कहीं हैं जिससे साफ पता चलता है कि वे टीम के साथ नहीं होने की कमी महसूस कर रहे हैं।

यश ने आरसीबी के लिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें आज भी टीम की कमी खलती है। उन्होंने बताया, जब आप बाहर बैठे हो और टीवी पर मैच देखते हो, तो कभी-कभी मैं बीच में ही खड़ा हो जाता हूं। ये याद करके कि अपनी टीम है। उन्होंने आगे जोड़ा कि सबसे बड़ी बात ये है कि टीम ने उन्हें कभी निकाला नहीं। उन्होंने मुझे रिटेन लिस्ट में रखा है और अभी तक मेरा रिप्लेसमेंट भी घोषित नहीं किया है। यश को लगता है कि शायद टीम को मैं एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी लगा हूं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वे आरसीबी को बहुत ज्यादा मिस करते हैं और उन्हें लगता है कि इस वक्त उन्हें टीम के साथ होना चाहिए था।

आरसीबी के साथ यश दयाल का रिश्ता सिर्फ मैदान तक ही सीमित नहीं रहा है। उन्होंने बताया कि जब वे मुश्किल दौर से गुजर रहे थे और कोई उनके साथ नहीं था, तब आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने उनका साथ दिया। यह भावनात्मक जुड़ाव ही है जो उन्हें आज भी टीम से दूर रहकर असहज महसूस कराता है।

बता दें कि यश दयाल को साल 2023 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम ने अपने स्क्वॉड का हिस्सा बनाया था। बहुत कम समय में ही वे आरसीबी के प्रमुख गेंदबाज बन गए थे। उन्होंने 2024 में आरसीबी को प्लेऑफ में क्वालीफाई कराने में अहम भूमिका निभाई थी और 2025 में जब आरसीबी पहली बार चैंपियन बनी, उस ऐतिहासिक जीत में भी यश दयाल का प्रमुख योगदान था। हालांकि, आईपीएल 2026 से पहले उन पर यौन शोषण के कुछ आरोप लगे, जिसका मामला अभी अदालत में लंबित है। इसी कारण, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने उन्हें रिटेन तो किया, लेकिन अज्ञात कारणों से उन्हें मौजूदा टीम में शामिल नहीं किया गया है।

अनुभवी लेग-स्पिनर मुरुगन अश्विन ने खेल से संन्यास लिया

चेन्नई । तमिलनाडु की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले 35 वर्षीय अनुभवी क्रिकेटर मुरुगन अश्विन ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। अश्विन ने छह टीमों की ओर से आईपीएल में भी खेला है। अब इस लेग स्पिनर ने घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल से भी संन्यास ले लिया है।

मुरुगन ने सोशल मीडिया पर एक बयान साझा करते हुए अपनी क्रिकेट यात्रा, तमिलनाडु क्रिकेट में अपने उभार और आईपीएल में अपने अनुभवों के बारे में भी बताया है।

अश्विन ने अपनी पोस्ट में लिखा, जब से मैंने 6 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया, तभी से मुझे इस खेल से गहरा प्यार रहा है। इसने मुझे बहुत कुछ दिया है और मुझे वह इंसान बनाया, जो मैं आज हूं। इसने मुझे मैदान पर अपने को पूरी तरह से व्यक्त करने का मौका दिया है। अब तक का यह सफर अविश्वसनीय रहा है। मैं यह घोषणा करना चाहता हूं कि मैंने अपने घरेलू क्रिकेट करियर और आईपीएल में अपनी यात्रा को समाप्त करने का फैसला किया है। हालांकि, मैं नई चुनौतियों और अवसरों की तलाश करूंगा और इस खेल को हमेशा की तरह पूरी प्रतिस्पर्धा के साथ खेलना जारी रखने के लिए उत्साहित हूं।

गौरतलब है कि अपने आईपीएल करियर के दौरान मुरुगन ने राइजिंग पुणे सुपरजायंट, दिल्ली डेयरडेविल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स (किंग्स इलेवन पंजाब), मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स जैसी छह प्रमुख फ्रेंचाइजियों से खेला है। उन्होंने इस अवसर पर सभी टीमों को धन्यवाद देते हुए लिखा, मैं उन सभी छह टीमों के प्रति आभारी हूं जिनका मैंने अपने आईपीएल करियर के दौरान प्रतिनिधित्व किया था।

अश्विन ने भारतीय क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और दिग्गजों की कप्तानी में खेलने के अपने अनुभवों को भी विशेष बताया। उन्होंने कहा, आईपीएल में मेरे एक दशक लंबे अनुभव ने मुझे इस खेल के कुछ महान खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर दिया है। मैंने महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज क्रिकेटरों की कप्तानी में खेला है। इन अनुभवों से मुझे एक एक बेहतर क्रिकेटर बनने में सहायता मिली। उन्होंने आईपीएल के सफल आयोजन के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का भी आभार जताया और कहा कि इससे भी उन्हें पहचान मिली।

गौरतलब है कि इस क्रिकेटर ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में 7 मैच खेले, जबकि 34 लिस्ट-ए मुकाबलों में 35 विकेट हासिल किए। उन्होंने साल 2016 से 2023 के बीच 44 आईपीएल मुकाबलों में 33.20 की औसत से कुल 35 विकेट लिए हैं।

आईपीए 2026 : ऑरेंज कैप की रेस में छाये भारतीय, पर्पल में विदेशी

मुम्बई । आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप की रेस में जहां भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा है। वहीं पर्पल कैप की रेस में विदेश खिलाड़ी छाये हुए हैं। कैप का फैसला फाइनल मुकाबले के बाद आयेगा। वहीं कई खिलाड़ी जिनकी टीमें बाहर हो चुकी हैं, वे इस दौड़ से बाहर हो गए हैं पर जो खिलाड़ी अभी भी मैदान में हैं, उनके पास इतिहास रचने का मौका है।

ऑरेंज कैप की बात करें तो शीर्ष पांच बल्लेबाजों में से चार भारतीय हैं। इस सूची में सबसे ऊपर साई सुदर्शन हैं, जिन्होंने 638 रन बनाकर अपनी दावेदारी मजबूत की है। उनके ठीक पीछे शुभमन गिल हैं, जिनके खाते में 616 रन दर्ज हैं, और वे भी इस रेस में प्रबल दावेदार बने हुए हैं। वहीं विदेशी बल्लेबाजों में एकमात्र खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 606 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। चौथे स्थान पर केएल राहुल 593 रनों के साथ व दौड़ से बाहर हो गए हैं, क्योंकि उनकी टीम दिल्ली कैपिटल्स टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है। वहीं, पांचवें पायदान पर मौजूद वैभव सूर्यवंशी ने भी 583 रन बनाए हैं और वे भी अपनी टीम के लिए इस कैप को जीतने की कोशिश करेंगे। इन शीर्ष पांच के अलावा, ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और विराट कोहली जैसे भारतीय धुरंधर भी शीर्ष 10 में शामिल हैं, जो दिखाते हैं कि ऑरेंज कैप पर भारतीय खिलाड़ी का ही कब्जा होना तय है।

वहीं पर्पल कैप की दौड़ में अंशुल कंबोज 21 विकेट लेकर चौथे स्थान पर थे, लेकिन उनकी टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के बाहर होने के कारण वे अब आगे नहीं जा पाएंगे। गेंदबाजों की सूची में भुवनेश्वर कुमार 24 विकेटों के साथ शीर्ष पर कायम हैं। उनके साथ ही कगिसो रबाडा भी 24 विकेट लेकर संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं, जो यह दर्शाता है कि फाइनल मुकाबले तक यह दौड़ कितनी रोमांचक रहने वाली है।

आईपीएल के अगले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स सहित ये पांच टीमें उतर सकती हैं नये कप्तानों के साथ

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त हो गये हैं। इसके बाद जहां शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंच गयी हैं। वहीं अन्य टीमें बाहर हो गयी है। इन बाहर होने वाली टीमों में पांच टीमें ऐसी हैं जिनके कप्तानों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और माना जा रहा है कि अगले सत्र में उन्हें टीम की कप्तानी नहीं मिलेगी। ये टीमें हैं दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस। इन टीमों के साथ ही इनके कप्तानों का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में ये कप्तान टीम मालिकों के निशाने पर हैं। इससे साफ है कि अगले सत्र में ये टीमें नये कप्तानों के साथ नजर आयेंगी।

अक्षर पटेल- अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। है। ऐसे में टीम को एक ऐसे कप्तान की जरुरत है जो आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व करें। अक्षर में वह क्षमता नजर नहीं आती। टीम को एक ऐसे कप्तान की आवश्यकता है जो दबाव में भी शांत रहे और सही फैसले ले सकें। बतौर कप्तान उनके निजी प्रदर्शन में भी गिरावट आई है। टीम अगले सत्र मे राहुल जैसे खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है।

रुतुराज गायकवाड़- चेन्नई सुपर किंग्स भी पिछले तीन सीजन से प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही है, और आईपीएल 2026 भी इसका अपवाद नहीं था। रुतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में टीम ने औसत प्रदर्शन किया। शुरुआती झटकों के बाद टीम ने वापसी तो की, लेकिन अंततः प्लेऑफ का टिकट नहीं मिला। पूरे सीजन कप्तानी के दबाव का असर गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर स्पष्ट रूप से दिखा, जहाँ उनका स्ट्राइक रेट 125 से भी कम रहा। टीम के पास संजू सैमसन जैसा अनुभवी कप्तान विकल्प मौजूद है, जो आईपीएल में पहले भी कप्तानी कर चुके हैं। ऐसे में अगले सत्र में वह कप्तान हो सकते हैं।

ऋषभ पंत- लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत, जिन्हें 27 करोड़ रुपये में टीम ने बरकरार रखा था, उनकी कप्तानी भी सवालों के घेरे में है। पिछले दो सीजन में सुपरजायंट्स का खेल कुछ ऐसा रहा है कि वे अक्सर टूर्नामेंट की शुरुआत खराब करते हैं, लेकिन जब प्लेऑफ से बाहर होने की कगार पर होते हैं तो खिलाड़ी फॉर्म में लौट आते हैं और कुछ मैच जीतते भी हैं। हालांकि, ऋषभ का निजी प्रदर्शन उनके स्तर के हिसाब से काफी खराब रहा है। सुपरजायंटसउन्हें एक खिलाड़ी के तौर पर रिटेन तो कर सकती है, लेकिन टीम को नए कप्तान की तलाश करनी होगी। टीम में मिचेल मार्श और एडन मारक्रम जैसे अनुभवी अंतरराष्ट्रीय कप्तान विकल्प मौजूद हैं जिन्हें जिम्मेदारी मिल सकती है।

अजिंक्य रहाणे- इस सत्र में भी कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। पिछले सत्र में भी रहाणे की कप्तानी में टीम असफल रही थी। केकेआर को एक आक्रामक कप्तान की तलाश है, जो नई सोच और ऊर्जा के साथ टीम को आगे ले जा सके और उसे जीत के रास्ते पर वापस ला सके।

हार्दिक पांड्या- मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या के लिए आईपीएल 2026 निराशाजनक रहा। गुजरात टाइटंस को एक ट्रॉफी जिताने और दो बार फाइनल तक पहुंचाने वाले हार्दिक की मुंबई इंडियंस में वापसी के बाद से उनका प्रदर्शन फीका पड़ा है। मुंबई की कप्तानी करते हुए उन्होंने कुल तीन सीजन में केवल एक बार ही टीम को प्लेऑफ तक पहुंचाया है, जबकि दो बार टीम निचले पायदान पर रही। आईपीएल 2026 में गेंद और बल्ले दोनों से उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, कप्तानी का दबाव उनके खेल पर साफ दिखा।

पांड्या के बचाव में उतरे कोच पोलार्ड

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस टीम के बल्लेबाजी कोच किरोन पोलार्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में खराब प्रदर्शन के लिए टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का बचाव किया है। पोलार्ड ने हालांकि अगले सत्र में बदलावों से इंकार नहीं किया है। मुम्बई का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा और वह नौवें स्थान पर रही। इससे पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। मुंबई इंडियंस इस सत्र में खिताब की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरी थी पर मैदान पर पूरी तरह से विफल रही। टीम का प्रदर्शन उम्मीदों से कहीं खराब रहा। पांड्या की कप्तानी में पिछले तीन सत्र में से दो बार टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर रही है। 2024 में पहली बार हार्दिक के नेतृत्व में टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाई थी। 2025 में टीम ने शीर्ष चार में जगह बनाई थी, लेकिन क्वालीफायर 2 में हार का सामना करना पड़ा। और अब, आईपीएल 2026 में टीम नौवें स्थान पर रह गई है।

मुंबई के लिए हार इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि उसके एक मजबूत कोर ग्रुप था। इसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव, हरफनमौला हार्दिक पांड्या, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा जैसे सितारे शामिल थे। इसके अतिरिक्त, पूर्व कप्तान और अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा भी टीम का अभिन्न

हिस्सा थे। इन स्टार खिलाड़ियों के बाद भी टीम मेंद और बल्ले दोनों से संघर्ष करती नजर आई, जिससे हार्दिक पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर गहन चर्चा छिड़ गई।

पोलार्ड ने कहा, पांड्या नेतृत्व के मामले में इस सत्र में उतने अच्छे नहीं रहे जितनी उनसे अपेक्षा थी पर सभी जानते हैं कि हमने टीम को अच्छा करने के लिए सभी अवसर दिये। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हार की स्थिति में किसी पर आरोप लगाना ठीक नहीं है बल्कि पूरी टीम को मिलकर आंकलन करना चाहिए। मुझे लगता है कि जब आप हारते हैं, खासकर, तो आपको इसे मिलकर देखना चाहिए। तो आप कुछ जीतते हैं, कुछ हारते हैं, पोलार्ड ने स्पष्ट किया।

हालांकि, पोलार्ड ने यह भी संकेत दिया कि टीम के भविष्य और अगले सत्र से पहले होने वाले गहन रिव्यू में कुछ महत्वपूर्ण बदलावों पर चर्चा हो सकती है। उन्होंने कहा कहा, आखिर में, मैं कुछ बातों पर सवाल उठाऊंगा। वह कोशिश कर रहा था। हम सब कोशिश कर रहे थे और यह हमारे लिए काम नहीं आया। तो जैसा कि पहले जवाब दिया गया था, फिर से, आप बैठते हैं, बात करते हैं, और देखते हैं कि सबसे अच्छा क्या है। कभी नहीं पता कि क्या होने वाला है। मुंबई इंडियंस के लिए अपनी गलतियों तलाश कर उन्हें दूर करते हुए अगले सत्र में सफल होने की रणनीति बनानी होगी।

पद्म पुरस्कार समारोह में इस कारण नहीं पहुंचे रोहित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा गत दिवस यहां हुए पद्म पुरस्कार समारोह में नहीं पहुंचे। जिससे उनके प्रशंसक हैरान रह गये। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि वह पद्म श्री सम्मान ग्रहण करने यहां पहुंचेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। इससे उनके प्रशंसकों में निराशा छा गयी। रोहित को इस साल की शुरुआत में ही देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई थी। ऐसे में उम्मीद है कि अब वह राष्ट्रपति भवन में बाद में होने वाले एक समारोह के दौरान यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करेंगे। रोहित को ये सम्मान भारतीय क्रिकेट में उनके असाधारण योगदान, उनके कुशल नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय मंच पर टीम को मिली सफलताओं को मान्यता देते हुए भारत सरकार ने प्रदान करने का निर्णय लिया है। रोहित की अनुपस्थिति को लेकर जहां पहले कहा गया था कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण व समारोह में शामिल नहीं हुए। वहीं बाद में कहा गया कि इसके पीछे पद्म पुरस्कारों के वितरण की एक विशिष्ट प्रणाली है। पद्म पुरस्कारों का वितरण एक ही दिन में नहीं किया जाता, बल्कि पारंपरिक रूप से राष्ट्रपति भवन में कई हफ्तों के दौरान विभिन्न समारोहों में किया जाता है। इसमें पुरस्कार विजेताओं को अलग-अलग बैचों में रखा जाता है जिससे सभी को सम्मान मिली और सभी कुछ व्यवस्थित हो। इसी कारण 25 मई को आयोजित समारोह के लिए रोहित इस बैच में शामिल नहीं थे। ऐसे में अब रोहित इस साल के अंत में होने वाले एक दूसरे समारोह के दौरान आधिकारिक तौर पर अपना प्रतिष्ठित अवॉर्ड प्राप्त करेंगे। यह प्रक्रिया काफी सामान्य है और कई पुरस्कार विजेता अपने व्यक्तिगत शेड्यूल तथा सरकारी आवंटन के आधार पर बाद के चरणों में अपना सम्मान ग्रहण करते हैं।

सबसे अधिक समय तक नंबर एक पर रहने बाद भी बाहर है पंजाब

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में पंजाब किंग्स टीम बदकिस्मत रही और 22 दिनों तक शीर्ष पर रहने के बाद भी प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। वहीं एक दिन ही नंबर एक पर रही गुजरात टाइटंस न केवल प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल रही बल्कि क्वालीफायर 1 में पहुंची। इससे अंदाज होता है कि खेल में कुछ भी तय नहीं होता आंकड़ों पर गौर करें तो, टूर्नामेंट की शुरुआत से ही पंजाब ने शानदार प्रदर्शन किया था, पहले 7 में से 6 मैच जीतकर उसने रिकार्ड बनाया था। तब ऐसा लग रहा था कि वे प्लेऑफ में सबसे पहले पहुंचे पर ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद अगले 6 मैचों में टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ा जिससे वह केवल 15 अंकों तक ही पहुंच पायी। वहीं राजस्थान रॉयल्स ने अपने अंतिम मैच में मुंबई इंडियंस को हराकर 16 अंक हासिल कर लिए, जिससे पंजाब किंग्स प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। वहीं दूसरे ओर गुजरात टाइटन्स के प्रदर्शन में उतार चढ़ाव बना रहा। वह केवल एक दिन के लिए ही अंकतालिका में नंबर एक पर पहुंची।

एकदिवसीय में अर्धशतक और पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में तीन भारतीय भी शामिल

मुम्बई। एकदिवसीय क्रिकेट में कई रोमांचक और अनोखे रिकार्ड बने हैं। एक ऐसा ही रिकार्ड है एकदिवसीय में अर्धशतक के साथ ही मैच में पांच विकेट लेने का। ये रिकार्ड अब तक केवल 25 खिलाड़ियों के नाम है जिसमें तीन भारतीय खिलाड़ी और एक पाकिस्तानी खिलाड़ी भी शामिल हैं। सबसे पहले ये रिकार्ड साल 1987 में वेस्टइंडीज के विव रिचर्ड ने बनाया था। वहीं भारत की ओर से ये उपलब्धि सबसे पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज और वैकल्पिक स्पिनर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अपने नाम की थी। श्रीकांत ने 10 दिसंबर 1988 को विशाखापत्तनम में न्यूजीलैंड के खिलाफ, उन्होंने पहले केवल 27 रन देकर 5 महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। इसके बाद, उन्होंने बल्लेबाजी में भी जौहर दिखाते हुए 70 रनों की शानदार पारी खेली, जिससे भारत को जीत मिली।

वहीं दूसरे भारतीय हैं सौरव गांगुली। गांगुल ने अपनी कप्तानी के दौर में यह कारनामा किया। 11 दिसंबर 2000 को कानपुर में जिम्बाब्वे के खिलाफ, गांगुली ने 34 रन देकर 5 विकेट झटके। फिर लक्ष्य का पीछा करते हुए, उन्होंने नाबाद 71 रनों की कप्तानी पारी खेली। वहीं तीसरे भारतीय हैं युवराज सिंह। युवराज ने 6 मार्च 2011 को बेंगलुरु में आयरलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप मैच के दौरान यह जादुई प्रदर्शन किया। उन्होंने 31 रन देकर 5 विकेट लिए। इसके बाद नाबाद 50 रनों की पारी खेली।

इस विशिष्ट क्लब में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है। वह दुनिया के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने 3 अलग-अलग एकदिवसीय ढ़े मैचों में अर्धशतक और 5 विकेट लेने का यह दोहरा कारनामा किया है, जो किसी भी ऑलराउंडर के लिए एक अटूट रिकॉर्ड है। पहली बार अफरीदी ने 27 अक्टूबर 2000 को लाहौर के अपने घरेलू मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 61 रनों की तूफानी पारी खेली और 40 रन देकर 5 विकेट लिए। इसके बाद, 20 नवंबर 2011 को शारजाह में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 75 रन बनाए और 35 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए। तीसरी और सबसे खतरनाक बार, अफरीदी ने 14 जुलाई 2013 को प्रोविडेंस में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने तेजी से 76 रन बनाये और फिर गेंदबाजी में 12 रन देकर 7 विकेट लिए। इससे पहले ये रिकार्ड मार्क वॉ, सनथ जयसूर्या, पॉल कॉलिंगवुड, क्रिस गैल, लांस क्लूजनर, शाकिब अल हसन और बास डी लीडे के ही नाम था।

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की कलेक्टर ने की समक्ष में सुनवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 26 मई को सीएम हेल्पलाइन में दर्ज राजस्व विभाग की 300 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों की समक्ष में सुनवाई की। सुनवाई के दौरान उन्होंने शिकायतकर्ताओं एवं संबंधित क्षेत्र के पटवारियों से प्रकरणों की वस्तुस्थिति की जानकारी ली तथा शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर डी. पी. बर्मन भी उपस्थित रहे। सुनवाई के दौरान किरनापुर तहसील के ग्राम सोनपुरी निवासी रजनीश मेश्राम की शिकायत पर विचार किया गया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि घनश्याम टांडेकर द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर शौचालय का निर्माण किया गया है। यह शिकायत पिछले 368 दिनों से लंबित थी। मामले की सुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने संबंधित पटवारी को शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार बैहर तहसील के ग्राम मोवाला निवासी आनंद गजभिये ने अपनी निजी भूमि का फर्जी नामांतरण कर बिक्री किए जाने की शिकायत दर्ज कराई थी, जो लगभग 400 दिनों से लंबित थी। इस मामले में कलेक्टर ने पटवारी को भूमि का सीमांकन कर नक्शा दुरुस्त करने के निर्देश दिए। कटंगी निवासी गीता खंडेलवाल द्वारा ऋण पुस्तिका में गलत प्रविष्टि किए जाने की शिकायत की गई थी। वहीं तिरोड़ी निवासी शारदा कुमार डहरवाल ने अपनी भूमि का नक्शा तैयार नहीं किए जाने संबंधी आवेदन लंबित होने की शिकायत की थी। इसके अलावा लांजी तहसील के ग्राम बिरनपुर निवासी सोहन नगपुरे ने लीलाराम एवं हरीशंकर लिल्हारे द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किए जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने संबंधित पटवारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों में त्वरित एवं नियमानुसार कार्रवाई कर शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समय-सीमा में समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है तथा लापरवाही बरतने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

12 कंपनियों के लिए ओपन कैंपस का भव्य आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड पॉलिटेक्निक एंड आईटीआई लालबर्रा रोड गर्रा मांझापुर में दिनांक 26/05/2026 दिन मंगलवार को जॉब सही सतपुड़ा ग्रुप के द्वारा ओपन कैंपस का आयोजन किया गया जिसमें नागपुर, जबलपुर, पुणे, गुजरात, बैंगलोर एवं तमिलनाडु की सुप्रसिध्द एवं प्रतिष्ठित कंपनी डी मार्ट, फ्लिप कार्ट, ष्ठ।ए फॉक्सकॉन, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, अडाणी सीमेंट, सिंडलर प्रा लि, टेक्निक्स एलिवेटर्स, एप्सिलोन, ज्ञक्कूर, नील मेटल्स प्रोडक्ट्स लिमिटेड के लिए सोर्सइट के ।क्र राकेश लककवतरी एवं जॉब सही सतपुड़ा ग्रुप के हेड ।क्र डॉ गोरखनाथ भूरे जी द्वारा भर्ती ली गई

जिसमें आईटीआई, डिप्लोमा, बीटेक, क्र बीकॉम, बीएससी उत्तीर्ण छात्र छात्राएं जो बालाघाट जिले एवं मप्र के अन्य शहरों और अन्य राज्यों से लगभग 195 छात्र छात्राएं सम्मिलित हुए जिसमें 136 छात्र छात्राओं का चयन साक्षात्कार द्वारा किया गया संस्था में प्रवेश प्रारंभ हो चुके है प्रवेश एवं प्लेसमेंट संबधित जानकारी संस्था में आकर प्राप्त की जा सकती है। संस्था के प्राचार्य, प्लेसमेंट अधिकारी एवं सभी स्टॉफ सदस्यों द्वारा चयनित छात्र छात्राओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई हमारी संस्था द्वारा प्रतिष्ठित कंपनियों के कैंपस रोजगार मेले के आयोजन किये जाते रहते हैं जिसका लाभ लेने हेतु छात्र छात्राएं हमारी संस्था के सोशल मीडिया नेटवर्क, दैनिक समाचार पत्र एवं संस्था से जुड़े रहे, जिससे संबंधित जानकारी समय-समय पर उपलब्ध की जाती

भरवेली सर्कल बौद्ध संघ का सर्वसम्मति से निर्वाचन सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला बौद्ध संघ के अंतर्गत बालाघाट तहसील के अधीन भरवेली सर्कल बौद्ध संघ का निर्वाचन समारोह बौद्ध विहार हीरापुर में संपन्न हुआ।जिसमे निर्वाचन प्रक्रिया सर्वसम्मति से सम्पन्न हुई, जिसमें उपस्थित सैकड़ों उपासक-उपासिकाओं ने एक स्वर में अशोक डोंगरे को अध्यक्ष निर्वाचित किया। उपाध्यक्ष पद पर मिलिंद भालेकर, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर नालंदा निकुसे, महासचिव पद पर महेंद्र गेडाम, वरिष्ठ सहसचिव पद पर रेखा भौतेकर, कनिष्ठ सहसचिव पद पर संध्या डोंगरे तथा कोषाध्यक्ष पद पर कान्ति कुमार उके को चुना गया।इसके साथ ही कार्यकारिणी सदस्य के रूप में यशवंतराव शेंडे, रवि रामटेके, प्रदीप भीमटे, अनेश गोंडाने, पी आर रंगारे, सयशराम बारमाटे, अखिल मेश्राम, रेखा डोंगरे, मंजुलता भौतेकर, प्रभाकर डहाटे एवं ताराचंद पटले सहित अनेक उपासक-उपासिकाओं को मनोनीत किया गया।भीषण गर्मी के बावजूद बौद्ध विहार हीरापुर में सैकड़ों की संख्या में उपासक-उपासिकाओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की।कार्यक्रम में जिला कार्यकारिणी के जिलाध्यक्ष सचिन मेश्राम, जिला संरक्षक जे एस चौरे, वरिष्ठ कार्यकर्ता एच आर रानाडे, वरिष्ठ सदस्य रमेश भालाधरे, जिला महासचिव दीपांकर पाटिल, जिला कोषाध्यक्ष अरूण भालेकर तथा बालाघाट तहसील बौद्ध संघ अध्यक्ष राकेश बागडे विशेष रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी नवनिर्वाचित एवं मनोनीत सदस्यों को जिला अध्यक्ष सचिन मेश्राम, महासचिव दीपांकर पाटिल, संरक्षक जे एस चौरे, वरिष्ठ सदस्य एच आर रानाडे, वरिष्ठ सदस्य रमेश भालाधरे तथा तहसील अध्यक्ष राकेश बागडे द्वारा हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं दी गईं।

वक्फ बोर्ड के आदेश पर अंजुमन इस्लामिया कमेटी ने गरीब बच्चों को बांटी 1 लाख 30 हजार की छात्रवृत्ति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड की पढ़ो-पढ़ाओ मुल्क की तरक्की में भागीदार बनो योजना के तहत प्रदेश स्तरीय स्कॉलरशिप वितरण के साथ ही जिलास्तरीय छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन अंजुमन उर्दू स्कूल में 26 मई को किया गया। जहां वक्फ बोर्ड एवं अंजुमन इस्लामिया कमेटी के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। इस मौके पर सदर फारूख शेख ने कहा कि हदीसों में है कि अगर तुम्हे शिक्षा हासिल करने के लिये चीन तक का सफर करना पड़े तो इसमें भी पीछे नहीं हटो क्योंकि जीवन की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी शिक्षा है जो इंसान को सामाजिक, आर्थिक और व्यवहारिक उन्नति की ओर अग्रसर करती है।

इन छात्रों को मिली स्कॉलरशिप

अंजुमन उर्दू स्कूल में आयोजित स्कॉलरशिप चेक वितरण कार्यक्रम में कक्षा 10 के 5 छात्र में मुहेरा बानू, माहिरबानू खान, उवेश अंसारी, रेहान खान, मोहम्मद शान एवं कक्षा 11 के 8 छात्र अर्शियबानु कौसर, मवीय बानू मलिक, आयशा फातमा बानू, मोहम्मद फरीद, फरहान खान, अजलान खान, जबेरा बानू शेख शामिल है। सभी बच्चों का अंजुमन इस्लामिया कमेटी एवं वक्फ बोर्ड बालाघाट द्वारा हौसला बढ़ाकर उन्हें आगामी बेहतर शिक्षा के लिये प्रेरित किया गया।

13 विद्यार्थियों को 10-10 हजार रूपये के चेक वितरित

अंजुमन उर्दू स्कूल में 26 मई को आयोजित कार्यक्रम के तहत 10 कक्षा में उत्तीर्ण तथा 11 वीं कक्षा के मुस्लिम समाज के होनहार छात्रों को उनकी उत्कृष्ट शिक्षा एवं हौसला बढ़ाते हुए 13 छात्र छात्राओं को 10-10 हजार रूपये की आर्थिक मदद के तौर पर स्कॉलरशिप के चेक वितरित किये गये। बताया गया कि इन बच्चों को आगे की शिक्षा तथा कोचिंग के लिये भी यह राशि मददगार होगी।

पढ़ो पढ़ाओ एवं मुल्क की तरक्की में भागीदार बनो योजना

बताया गया कि वक्फ बोर्ड मध्यप्रदेश द्वारा समाज के प्रतिभावान छात्र एवं छात्राओ के लिए जो अच्छे अंक लेकर उत्तीर्ण हुए है उन्हें शिक्षा में मदद देने के उद्देश्य से पढ़ो पढ़ाओ एवं मुल्क की तरक्की में भागीदार बनो योजना क्रियान्वित की गई है। इसी के तहत बालाघाट जिला वक्फ बोर्ड द्वारा 13 गरीब बच्चों का चयन कर उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान की गई।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सदर अंजुमन बालाघाट हाजी फारूक शेख, सचिव महमूद आलम, पूर्व जिला वक्फ बोर्ड कमेटी अध्यक्ष अनीस मेमन, इमदाद फाउंडेशन सदर इकबाल मंसूरी, नायब सदर अंजुमन नईम भाटी, अंजुमन स्कूल प्राचार्य समीर खान, सामाजिक कार्यकर्ता शेख तुराब सहित स्कूल स्टाफ एवं छात्र छात्राओं के अभिभावक उपस्थित रहे।

अब बच्चे शिक्षा को लेकर रुचि दिखा रहे है-फारुख

अंजुमन इस्लामिया कमेटी सदर फारूख शेख ने समाज के भीतर वर्तमान में शिक्षा को लेकर काफी कुछ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि परिस्थितिवश कई छात्र पढ़ाई से दूर हो जाते है उनके लिये वक्फ बोर्ड द्वारा पढ़ो-पढ़ाओ मुल्क की तरक्की में भागीदार बनो योजना फायदेमंद साबित हो रही है जिससे आर्थिक रूप से सशक्त करने का प्रयास हो रहा है, सहायता मिलने पर अब ऐसे अभिभावक जो कल तक शिक्षा को लेकर गंभीर नहीं थे वह भी बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिये रूचि दिखा रहे है जिससे समाज के भीतर शिक्षा के प्रति एक क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिलेगा।

मुस्लिम समाज में शिक्षा को लेकर मिशन-अनीस

वक्फ बोर्ड पूर्व जिलाध्यक्ष ने इस मौके पर सभी विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप के चेक पाने की बधाई दी और समाजजनों को संदेश देते हुए कहा कि मुस्लिम समाज में शिक्षा को लेकर वक्फ बोर्ड तथा सामाजिक संगठनों के माध्यम से एक मिशन की तरह काम किया जा रहा है क्योंकि देखने में आता है कि आर्थिक दिक्कतों की वजह से कई बच्चे पढ़ाई छोड़कर कामो में लग जाते है यह उनके जीवन का बहुमूल्य समय होता है और शिक्षा के प्रवाह का लाभ ऐसे बच्चे नहीं उठा पाते है उन्होंने अभिभावकों से भी आग्रह किया है कि वे शिक्षा को लेकर सजग रहे और अपने बच्चों को बेहतर तालिम दिलाने में कभी पीछे ना हटें क्योंकि बच्चे ही कल का भविष्य है जो आगे चलकर रोजगार, स्वरोजगार के साथ ही बड़ो पदों पर आसीन होकर देश की तरक्की में अपना योगदान दे सकते है।

राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद दायर

रायबरेली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी के खिलाफ यहां अपर सिविल जज की अदालत में परिवाद दायर किया गया है। अधिवक्ता शकील अहमद खान ने सोमवार को गांधी के खिलाफ यह परिवाद दायर किया। खान ने परिवाद में कहा है कि राहुल गांधी ने गत 20 मई को अपने रायबरेली दौरे के दौरान डीह के लोधवारी गांव में आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ अभद्र शब्दों का प्रयोग किया जिससे उन्हें आघात लगा है।

उन्होंने बताया कि अदालत से अनुरोध किया गया है कि न्याय हित में प्रार्थी व उसके गवाहों के साक्ष्य दर्ज कर राहुल गांधी को जिन धाराओं में दोषी पाया जाए उनमें तलब कर दंडित किया जाए।

पश्चिम बंगाल में टीएमसी पार्षदों ने सामुहिक इस्तीफे दिए

तृणमूल कांग्रेस में बगावत सियासी जंग शुरु

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस वक्त एक बहुत बड़ा और अप्रत्याशित सियासी भूचाल आ चुका है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सबसे मजबूत गढ़ों में बगावत का ऐसा बवंडर उठा है, जिसने सत्ता के समीकरणों को हिलाकर रख दिया है। राज्य के जिन इलाकों को कभी टीएमसी का अभेद्य किला माना जाता था, आज वहां नगर पालिका पार्षदों ने सामूहिक इस्तीफों की झड़ी लगा दी है, जिससे कई मजबूत निकाय बोर्ड ताश के पत्तों की तरह ढहते जा रहे हैं। बैरकपुर के इंडस्ट्रियल बेल्ट से लेकर पार्टी के सबसे वीआईपी क्षेत्र माने जाने वाले डायमंड हार्बर तक, अंदरूनी असंतोष का लावा फूट पड़ा है। इस अचानक आई इस्तीफों की आंधी ने स्थानीय विकास कार्यों को प्रभावित करने के साथ ही पार्टी नेतृत्व की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं।

इस अभूतपूर्व सियासी उथल-पुथल का सबसे बड़ा केंद्र बैरकपुर औद्योगिक क्षेत्र बना हुआ है। बैरकपुर के भाटपारा, कांचरापाड़ा, हलीसहर और गारुलिया जैसी भारी प्रभाव वाली नगर पालिकाओं में जमीनी हालात बेहद नाजुक हो चुके हैं। सोमवार को इस पूरे बेल्ट में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब उत्तरी बैरकपुर नगर पालिका के चेयरमैन मलय घोष सहित कुल 16 पार्षदों ने एक साथ अपने पदों से सामूहिक इस्तीफा सौंप दिया। 23 सदस्यों वाली इस नगर पालिका में तीन पार्षदों की पहले ही मौत हो चुकी है, ऐसे में एक साथ इतने पार्षदों के पाला छोड़ देने से यहां पूरी तरह प्रशासनिक शून्यता की स्थिति पैदा हो गई है। निकाय स्तर पर आए इस बड़े संकट के बाद इस्तीफा देने वाले पार्षदों का औपचारिक दावा है कि वे चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पदों को छोड़ रहे हैं। हालांकि, राजनीति के जानकार इन इस्तीफों के पीछे की कहानी कुछ और ही बता रहे हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इसके पीछे गहरी और गंभीर समस्याएं छिपी हुई हैं। नागरिक सेवाओं को लेकर जनता के बीच पनप रहा गुस्सा अब बाहर आने लगा है। चुनावी झटके के बाद पार्टी के भीतर की गुटबाजी भी चरम पर पहुंच गई है और आपसी कलह खुलकर सामने आ रही है।

बगावत की यह आग सिर्फ बैरकपुर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने टीएमसी के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले इलाके को भी अपनी चपेट में ले लिया है। पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी के गढ़ डायमंड हार्बर में भी बड़ा झटका लगा है। यहां की 16 सदस्यों वाली नगर पालिका का कार्यकाल खत्म होने में महज कुछ ही महीने बचे थे, लेकिन उससे ठीक पहले आठ पार्षदों ने सामूहिक इस्तीफा सौंप दिया। इन बागी पार्षदों ने बोर्ड के कामकाज पर वित्तीय अनियमितताओं और भारी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। उधर, पूर्वी मिदनापुर की कोंताई नगर पालिका के 14 पार्षदों के इस्तीफे के बाद स्थिति बेकाबू देख राज्य सरकार को कड़ा एक्शन लेना पड़ा। सरकार ने इस बोर्ड को आधिकारिक रूप से भंग कर दिया है और अब नागरिक कार्यों की जिम्मेदारी एसडीओ को सौंपते हुए उन्हें वहां का मुख्य प्रशासक नियुक्त कर दिया गया है।

एसडीएम किरनापुर ने सेवती मे जनसुनवाई शिविर लगाकर समस्याओं के निराकरण के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। अनुभाग किरनापुर अंतर्गत ग्राम सेवती मे आज मंगलवार, दिनांक 26/05/2026 को उपखंड स्तरीय जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया। शिविर आयोजन के आरम्भ में एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी, प्रभारी तहसीलदार किरनापुर सुश्री बबीता सूर्या एवं उपखंड स्तरीय अधिकारी तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा सर्वप्रथम पूजा अर्चना की गई द्य तदोपरांत जन साधारण की समस्याएं सुनकर तथा संबंधित विभाग के उपखण्ड अधिकारियों को जन साधारण की समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए गए द्य उक्त जनसुनवाई शिविर में सेवती सर्किल के कोटवारों को शासन के कार्यों को संपादित करने निर्देशित किया गया तथा समस्याओं की जानकारी ली गई द्य इसके अलावा माध्यमिक शाला सेवती में आ रही समस्याओं को सुना गया तथा संबंधित विभाग प्रमुख को समस्याएं निराकृत करने के निर्देश दिए गए।

अनिल अंबानी से जुड़ी कंपनियों पर ईओडब्ल्यू की बड़ी कार्रवाई, 150 करोड़ रुपये के बैंक लोन घोटाले में एफआईआर दर्ज

मुंबई, । मुंबई पुलिस आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने अनिल अंबानी से जुड़ी कंपनियों के तत्कालीन निदेशकों और अधिकारियों के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि कंपनियों ने करीब 150 करोड़ रुपये का बैंक लोन लिया, लेकिन उस रकम का इस्तेमाल तय उद्देश्य के बजाय दूसरे कामों में किया गया और बाद में कर्ज का भुगतान नहीं किया गया। यह मामला एक्सिस बैंक के उपाध्यक्ष प्रकाश प्रभाकर राव की शिकायत पर दर्ज किया गया है। शिकायत के आधार पर कफ परेड पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। बताया जा रहा है कि यह अनिल धीरूभाई अंबानी समूह से जुड़ी कंपनियों के खिलाफ दर्ज दूसरी एफआईआर है। इससे पहले मार्च 2026 में भी एक्सिस बैंक की शिकायत पर इसी तरह का एक मामला दर्ज किया गया था। एफआईआर में रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) के तत्कालीन पूर्णकालिक निदेशक, एडीएजी समूह की लाभार्थी कंपनियों के निदेशक और समूह के अन्य संबंधित अधिकारियों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह कथित घोटाला जनवरी 2010 से नवंबर 2019 के बीच हुआ। जांच एजेंसियों का आरोप है कि आरोपियों ने बैंक को वित्तीय नुकसान पहुंचाने की नीयत से आपराधिक साजिश रची।

Anil D Ambani

फर्जी दस्तावेज और गलत जानकारी देने का आरोप

जांच में सामने आया है कि लोन हासिल करने के लिए आरोपियों ने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज जमा किए, गलत वित्तीय जानकारी दी और कंपनी की आर्थिक स्थिति को लेकर भ्रामक खुलासे किए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बैंक से प्राप्त धनराशि को बाद में समूह से जुड़ी अन्य कंपनियों के खातों में ट्रांसफर कर दिया गया। इससे बैंक को भारी वित्तीय नुकसान हुआ।

मार्च में भी दर्ज हुआ था समान मामला

सूत्रों के मुताबिक, 12 मार्च 2026 को भी ईओडब्ल्यू ने अनिल अंबानी समूह से जुड़ी कंपनियों और उनके कई निदेशकों के खिलाफ इसी तरह के आरोपों में मामला दर्ज किया था। अब इस नए मामले के बाद आर्थिक अपराध शाखा द्वारा वित्तीय लेन-देन, बैंक रिकॉर्ड और कंपनियों के खातों की विस्तृत जांच किए जाने की संभावना है। मामले को कॉर्पोरेट वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े बड़े मामलों में माना जा रहा है।

पीएम मोदी के कार्यकाल के 12 साल पूरे, कई राज नेताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को मंगलवार को 12 साल पूरे हो गए। साल 2014 में 26 मई को नरेंद्र मोदी ने देश के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीएम पुष्कर धामी, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और बिहार के सीएम सम्राट चौधरी ने पीएम मोदी को बधाई दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा- 26 मई 2014 को भारत की विकास यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई। जिस दिन नरेंद्र मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी, वह दिन देश में शासन-व्यवस्था, नेतृत्व और राष्ट्रीय संकल्प में एक निर्णायक परिवर्तन का प्रतीक बन गया।

उन्होंने कहा कि आज भारत पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, आत्मविश्वासी और गौरवपूर्ण राष्ट्र के रूप में पूरे विश्व के सामने खड़ा है। आज भारत की विकास गाथा पहले से कहीं अधिक समावेशी और लोक कल्याणकारी है। राजनाथ ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में 'अंत्योदय' की भावना को सही मायनों में साकार किया है। करोड़ों लोग, जो दशकों तक हाशिये पर थे, आज भारत की विकास यात्रा के सक्रिय सहभागी बने हैं। ｀सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास｀ का मंत्र आज सरकार के फैसलों की धुरी बन चुका है।

सच्चे अर्थों में एक 'प्रधान-सेवक' के रूप में नरेंद्र मोदी ने अपना हर क्षण मां भारती और देशवासियों की सेवा के लिए समर्पित किया है। उनकी अथक मेहनत, अटूट संकल्प और

राष्ट्र के प्रति निस्वार्थ समर्पण करोड़ों लोगों को निरंतर प्रेरित करता है। ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और राष्ट्र-सेवा के लिए निरंतर शक्ति प्रदान करें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने एक्स पर लिखा- देश के लोकप्रिय और यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र तपस्वी और तेजस्वी हैं। उनका नेतृत्व त्रिकालदर्शी है। इस नेतृत्व की तपपूर्ति का यह एक तेजोमय दिवस है। शिवसेना और महाराष्ट्र की 13 करोड़ जनता की ओर से आपका अभिनंदन! 12 साला केवल सत्ता के नहीं बल्कि राष्ट्रसेवा की अखंड तपश्चर्या के थे। महाराष्ट्र की महायुति सरकार को भी इस कार्यकाल में विकास की नई ऊर्जा मिली है। भारत के अमृतकाल का नया पर्व शुरू हो गया है। बिहार के सीएम सम्राट चौधरी ने पीएम मोदी को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा- सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और विकसित भारत के संकल्प को समर्पित पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जनविश्वास, विकास और राष्ट्रसेवा के 12 गौरवशाली वर्ष पूर्ण किए हैं।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
12
बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

पत्नी को लेने ससुराल गए युवक पर साले ने किया हमला-लठ से पीटकर किया घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पत्नी को मायके से लेने ससुराल पहुंचे युवक पर पुरानी रंजिश के चलते साले ने लठ से हमला कर दिया। यह घटना किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम खारा में हुई। हमले में घायल युवक राजेश पिता सुखलाल बहेटवार 35 वर्ष ग्राम हट्टा निवासी है जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार हट्टा निवासी राजेश बहेटवार पेंटिंग का काम करता है। उसकी शादी 2020 में खारा निवासी राखी से हुई थी। दंपति की दो बेटियां

हैं और बड़ी बेटी फिलहाल ननिहाल खारा में ही रहती है।राजेश और उसके साले रामकुमार मसकरे के बीच पहले से विवाद चल रहा था। राजेश की पत्नी राखी 8-10 दिन पहले अपने मायके खारा आई हुई थी। दंपति को मजदूरी के लिए नागपुर जाना था। इसलिए 25 मई को राजेश अपनी पत्नी को लेने ससुराल गया था। शाम करीब 6-7 बजे जब राखी घर में काम कर रही थी।तभी रामकुमार मसकरे बाहर से आया। उसने पुरानी रंजिश निकालते हुए जीजा राजेश को पहले जोरदार थप्पड़ जड़ा और फिर घर के बाहर खींचकर लठ से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। चीख-पुकार सुनकर राखी दौड़ी और बीच-बचाव कर पति को छुड़ाया।हमले राजेश घायल हो गया था। जो खुद बस से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचा। जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। जिला अस्पताल पुलिस चौकी ने राजेश का बयान लेकर अस्पताल तहरीर तैयार की है। घटनास्थल किरनापुर थाना क्षेत्र का होने से तहरीर अग्रिम कार्रवाई के लिए किरनापुर पुलिस को भेज दी गई है।

बिरसा के रिहायशी इलाके में तेंदुए की दहशत, प्राचार्य सहित 1 अन्य पर हमला कर किया घायल

घायलों का बिरसा अस्पताल में चल रहा उपचार, करीब 4 घण्टे तक बस्ती में घूमता दिखा वन्य प्राणी तेंदुआ,लोगो मे मचा हड़कंप, विभाग ने लोगों से भीड़ न लगाने और सुरक्षित रहने की करी अपील, वन परिक्षेत्र बिरसा दमोह सामान्य के बिरसा में दहशत का माहौल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मंगलवार की सुबह तहसील बिरसा में उस वक्त हड़कंप मच गया जब स्थानीय लोगों ने, बिरसा के रिहायशी इलाके में तेंदुआ घूमते हुए देखा, जहां तेंदुआ की आमद को लेकर स्थानीय लोगो मे मची चीख पुकार के बीच यहा तेंदुआ ,बस्ती के एक क्षतिग्रस्त मकान में दुबक कर बैठा हुआ था। जिसकी जानकारी लगने पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और लोगों ने डंडे लाठी लेकर उसे दौड़ना शुरू कर दिया।इसी दौरान वन्य प्राणी तेंदुआ ने शासकीय मॉडल स्कूल के प्राचार्य सौरभ शर्मा (41वर्ष) सहित 1 अन्य व्यक्ति पर जानलेवा हमला कर उन्हें घायल कर दिया, जिन्हें उपचार के लिए स्थानीय लोगों द्वारा बिरसा अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। उधर मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने लोगों को बे-वजह घर से बाहर ना निकलने, भीड़ न लगाने और सुरक्षित रहने की अपील की है।वहीं उन्होंने जंगल की तरफ ना जाने की बात कहते हुए जल्द से जल्द तेंदुआ का रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़े जाने का भी भरोसा दिलाया है। घटना को लेकर बिरसा में दहशत का माहौल निर्मित हो गया है।

करीब 4 घण्टे तक रिहायशी इलाके में रहा तेंदुआ

बताया गया कि उत्तर वन मंडल बालाघाट सामान्य अंतर्गत वन परिक्षेत्र बिरसा दमोह सामान्य के बिरसा तहसील मुख्यालय के वार्ड नंबर 23 में मंगलवार को सुबह सात बजे एक तेंदुआ जंगल से विचरण करते हुए आ गया। तेंदुआ सुबह 11 बजे तक चार घंटे इधर उधर घूमते फिरते रहा। इसकी जानकारी वन विभाग व पुलिस को मिलते ही वे मौके पर पहुंचे। वन परिक्षेत्र का पूरा दल तेंदुआ को जंगल में भगाने का प्रयास करने में लगा रहा, लेकिन तेंदुआ कभी खाली मकान, तो किसी के बाथरूम में प्रवेश करते रहा।

स्कूल प्राचार्य शर्मा भी घायल

बताया जा रहा है कि विचलन के दौरान उक्त तेंदुआ ने बिरसा माडल स्कूल के प्राचार्य सौरभ शर्मा सहित 1 अन्य पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया, जिन्हें इलाज के लिए शासकीय अस्पताल बिरसा में भर्ती किया गया हैं।जानकारी के अनुसार बिरसा माडल स्कूल के प्राचार्य सौरभ शर्मा के मकान तरफ तेंदुआ गया ,तो वे सामने होने की वजह से बाएं हाथ में तेंदुआ झपट पड़ा। इस हमले में उन्हें मामूली चोटें आई है। इसके अलावा एक अन्य व्यक्ति को भी तेंदुआ ने घायल कर खेत तरफ भाग गया। जहां पर एक खाली मकान में फिर से प्रवेश कर गया। उस जगह भी ड्रोन के माध्यम से सर्चिंग की गई। खाली मकान से निकलकर तेंदुआ टेलिंग डैम के जंगल तरफ चला गया।

जंगल मे 5-6 तेंदुए होने की कही जा रही बात

जानकारी के अनुसार ताम्र परियोजना मलाजखंड की खदान से एक किलोमीटर दूर पर टेलिंग डैम जंगल है। इस जंगल में पांच-छह तेंदुए होने की जानकारी सामने आई है। उसी तरफ से एक तेंदुआ बिरसा में सुबह प्रवेश कर गया। पहले तेंदुआ एक खाली मकान में घुसा। जिसको भीड़ ने देखा तो वह घबरा गया और इधर उधर भागते रहा।इसी को लेकर बिरसा में दोपहर तक दहशत का माहौल बना रहा।उधर वन विभाग द्वारा ड्रोन के माध्यम से की गई सर्चिंग में तेंदुआ इधर उधर भागते नजर आया है।विभाग द्वारा तेंदुए की हर एक मूमेंट पर ड्रोन के जरिए नजर रखी जा रही है।

पानी की तलाश में भटकर आया होगा शहर

हालांकि वन्य प्राणी तेंदुआ जंगल से भटक कर रहवासी इलाके में क्यों आया फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन वह पानी की तलाश में भटक कर शहर की तरफ आया होगा ऐसी चर्चाएं आम है।बताया गया कि इन दिनों भीषण गर्मी से जंगल के अधिकांश झिरिया, तालाब का पानी सूख गया है। ऐसे में वन्यजीव भी पानी की तलाश में भटकते रहते है। बिरसा से टेलिंग डैम का जंगल करीब एक किलोमीटर दूर है। ये जंगल कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के कारिडोर में आता है। जिसके चलते वन्यप्राणी यहां होने से विचरण करते हुए लोगों दिखाई देते है। गर्मी होने तेंदुआ भी भूख प्यास से भटकते हुए शहर तक पहुंचा होगा।ऐसी बात स्थानीय लोगों द्वारा कही जा रही है।

जंगल की ओर भाग गया है तेंदुआ- शरणागत

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बिरसा दमोह सामान्य,वन परिक्षेत्र अधिकारी, सौरभ शरणागत,ने बताया कि भीषण गर्मी में जंगल से लगे खेत भी खाली है। जिसके कारण तेंदुआ विचरण करते हुए जंगल से आया होगा। भीड़ को देखकर तेंदुआ इधर उधर भागते रहा। जिसमें दो लोग घायल हो गए। जिनका उपचार किया जा रहा है। हालांकि, उन्हें ज्यादा चोटें नहीं आई है। तेंदुआ को जंगल में भगाने पूरे परिक्षेत्र का वन अमला लगा रहा। इस दौरान ड्रोन की सहायता ली गई। तेंदुआ को भगाने के दौरान भीड़ को संभालने में बिरसा पुलिस का सहयोग भी मिला। बिरसा के लोगों को समझाइश देकर इन दिनों सतर्क रहने की अपील की गई है। करीब तीन से चार घंटे के बाद तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। उसके हर मूवमेंट पर विभाग द्वारा नजर रखी जा रही है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक JOB SAHI
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

बाघ का शिकार कर विदेशों में तस्करी करने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट में बाघ का शिकार कर खाल व हड्डियों को अवैध रूप से खरीदकर असम, मिजोरम में बेचने और म्यांमार के रास्ते अन्य देशों में तस्करी करने वाले आरोपी बब्बू उर्फ पूनमलाल पिता छियालाल पारधी कटनी निवासी को स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मप्र की जबलपुर इकाई ने एनएच 43 कोतमा रोड जिला अनूपपुर से गिरफ्तार किया है। 24 मई को उसे विशेष न्यायालय जबलपुर में पेश कर सात दिन की फारेस्ट रिमांड पर लिया गया है। बताया गया कि ये आरोपी एक वर्ष तीन माह से फरार था। इसके पूर्व इसी मामले से जुड़े 5 आरोपियो को हरियाणा, मेघालय व मिजोरम से गिरफ्तार किया जा चुका है। इस मामले में फरार छटवे आरोपी व शिकारी को पकड़ने के लिए मुखबिर तंत्र विकसित कर प्राप्त सूचना के आधार पर दल गठित कर अनूपपुर व आसपास के क्षेत्रों में भेजा गया था। जिसके बाद आरोपी को पकड़ने में सफलता मिली है।

बार बार लोकेशन बदल रहा था आरोपी

बताया गया कि आरोपी को पकड़ने के लिए उसके ठिकाने पर एसटीएसएफ ने कई बार दबिश दी, लेकिन वह अपनी जगह लगातार बदल रहा था। बताया गया कि आरोपी पूनमलाल, कुख्यात बाघ शिकारी अजीत पारधी का भाई है और शिकारी व तस्कर गटिया व एकीलाल का चाचा है। सीसीएफ गौरव चौधरी ने बताया कि आरोपी को बालाघाट में रिमांड पर लेने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि बाघ की खाल व हड्डियों को उसने किन लोगों से खरीदा था। उसके बाद बाघ का शिकार कहा किया गया था, उसकी भी पड़ताल की जाएगी।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

28 मई को ईदुज्जुहा का अवकाश रहेगा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राज्य शासन द्वारा जारी आदेश अनुसार ईदुज्जुहा का अवकाश गुरुवार 28 मई को रहेगा। पूर्व में ईदुज्जुहा का अवकाश बुधवार 27 मई को घोषित किया गया था। बुधवार 27 मई को निर्धारित समय अनुसार समस्त शासकीय कार्यालय खुले रहेंगे।

रमेश बिसेन को 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट तहसील के ग्राम गोंगलई निवासी वंश बिसेन की 09 मार्च 2026 को वैनगंगा नदी के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत मृतक के वारिस पिता रमेश बिसेन को 04 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। बालाघाट तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि वे कोषालय में देयक प्रस्तुत कर रमेश बिसेन के खातें में ई-पेमेंट से शीघ्र 04 लाख रुपए की राशि जमा कराए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट